शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

मूल्य : 5/-
31 मार्च से 6 अप्रैल, 2025
वर्ष - 3, अंक - 50

www.shauryanewsindia.co.in

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

पेज 6
काशी में नवरात्र पर...

पेज 8
ईद की नमाज में मांगी अमन...

नवरात्र में देवी की हाथी पालकी को शुभ माना गया

30 मार्च से चैत्र नवरात्र शुरू हो रहे हैं, हिंदू धर्म में नवरात्र के पर्व का विशेष महत्व होता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्र शुरू हो जाती है। नवरात्र पर देवी दुर्गा का नौ अलग अलग स्वरूपों की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जाती है तो आइए हम आपको चैत्र व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 30 मार्च से हो रही है, जिसका समापन 6 अप्रैल को होगा। नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों को समर्पित होते हैं। 30 मार्च का दिन रविवार है यानी इस बार नवरात्र रविवार से शुरू हो रहे हैं, इसलिए माता हाथी पर सवार होकर आएंगी। शास्त्रों में देवी की हाथी की पालकी को बहुत शुभ माना गया है। इसके साथ ही नवरात्रि पर अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है, जिससे भी ये 9 दिन और शुभ हो जाते हैं और खासकर कुछ राशियों के लिए बेहद लाभदायक रहने वाले हैं।

नवरात्रि हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण उत्सव है, जिसे शक्ति की पूजा और आध्यात्मिक साधना के लिए सर्वोत्तम समय माना जाता है। यह पर्व साल में चार बार मनाया जाता है, जिनमें चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना का पर्व है, जो हर वर्ष चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का आरंभ 30 मार्च 2025 (रविवार) को होगा और इसका समापन 6 अप्रैल 2025 (रविवार) को होगा। इस बार नवरात्रि 9 दिन की बजाय केवल 8 दिन की होगी, क्योंकि तिथियों में परिवर्तन के कारण अष्टमी और नवमी एक ही दिन पड़ रही हैं। इस बार नवरात्रि 9 दिन की बजाय केवल 8 दिन की होगी, क्योंकि तिथियों में परिवर्तन के कारण अष्टमी और नवमी एक ही दिन पड़ रही हैं। पंचमी तिथि के क्षय होने के कारण आठ दिनों की नवरात्र होगी। दो अप्रैल दिन बुधवार को चौथी और पंचमी की पूजा होगी। घट स्थापना का शुभ मुहूर्त 2025- घट स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 13 मिनट से प्रारंभ होगा और सुबह 10 बजकर 21 मिनट तक रहेगा। घटस्थापना का अभिजित मुहूर्त- दोपहर 12 बजे से दोपहर 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। घटस्थापना की कुल अवधि 50 मिनट की रहेगी।

पंडितों के अनुसार माता दुर्गा की आराधना करें और शक्ति साधना करें। व्रत व उपवास रखकर अपनी आस्था को और मजबूत करें। नौ देवियों की पूजा के साथ सूर्यदेव की उपासना भी करें। इस विशेष संयोग में मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाने का प्रयास करें।

चैत्र नवरात्र का व्रत करने वाले साधक को भूलकर भी खाने में सफेद नमक का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, इसके स्थान पर सेंधा नमक का इस्तेमाल करें। नवरात्र की अवधि में तामसिक भोजन, शराब, मांस आदि से दूरी बनानी चाहिए। साथ ही इस पूरी अवधि में माता रानी की कृपा के लिए तन और मन की स्वच्छता का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए।

चैत्र नवरात्र में मां दुर्गा के इन नौ रूपों की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से भक्तों को शक्ति, समृद्धि, सुख और शांति की प्राप्ति होती है। प्रत्येक देवी का अपना विशेष महत्व है और उनकी आराधना से शुभ फल प्राप्त होते हैं। इसलिए नवरात्र के इन नौ दिनों में मां दुर्गा की भक्ति में लीन होकर उनका आशीर्वाद पाएं। ऐसे में इस दौरान माता रानी की पूजा ज्यादा से ज्यादा करें। इसके साथ ही तामसिक चीजों से दूर रहें।

इन मंत्रों से देवी की होती है पूजा

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे।।
सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

चैत्र नवरात्र पर ऐसे करें कलश स्थापना

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना करते समय सबसे पहले सभी देवी-देवताओं का आह्वान करें। एक मिट्टी के बड़े पात्र में मिट्टी डाल दें और इसमें ज्वारे के बीज डालें। उसके बाद सारी मिट्टी और बीज डालकर पात्र में थोड़ा-सा पानी छिड़क दें। अब गंगाजल भरे कलश और ज्वारे के पात्र पर मौली बांध दें। जल में सुपारी,दूर्वा घास, अक्षत और सिक्का भी डाल दें। अब कलश के किनारों पर आम के 5 पत्तों को रखें और कलश का ढक्कन से ढक दें। एक नारियल लें और उसपर लाल कपड़ा या चुनरी लपेट दें। नारियल पर मौली बांध दें। इसके बाद कलश और ज्वारे स्थापित करने के लिए सबसे पहले जमीन को अच्छे से साफ कर लें। इसके बाद ज्वारे वाला पात्र रखें। उसके ऊपर कलश स्थापित करें और फिर कलश के ढक्कन पर नारियल रख दें। फिर सभी देवी-देवताओं का आह्वान करने के साथ नवरात्रि की विधिवत पूजा आरंभ करें। कलश स्थापित करने के बाद नौ दिनों तक मंदिर में रखे रहना चाहिए। सुबह-शाम आवश्यकतानुसार पानी डालते रहें।

संक्षेप समाचार...

श्रेयस समेत 15 लोगों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। कलाकार श्रेयस तलपड़े और 14 अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने श्रेयस और कंपनी के चेयरमैन समीर अग्रवाल समेत 15 लोगों के खिलाफ यूपी के महोबा जिले में मामला दर्ज किया है। धोखाधड़ी का यह मामला एक दशक से चल रहा है। इन आरोपियों ने 'द लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड नाम की कंपनी के साथ मिलकर ग्रामीणों को अच्छा रिटर्न दिलाने का दावा किया और उनसे निवेश के तौर पर मोटी रकम ऐंठी।

संसद जाने के लिए रोज खर्च करने होंगे 1.45 लाख

नई दिल्ली। जेके टेरर फंडिंग केस में जेल में बंद बारामूला के निर्दलीय सांसद अब्दुल राशिद शेख उर्फ इंजीनियर राशिद को दिल्ली हाईकोर्ट ने कस्टडी पैरोल पर संसद सत्र में भाग लेने की अनुमति दी है। हालांकि, इसके लिए उन्हें जेल से संसद तक की यात्रा और सुरक्षा व्यवस्था पर रोजाना 1.45 लाख रुपये अपनी जेब से खर्च करने होंगे। वित्तीय बोझ से राहत पाने के लिए राशिद ने हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है।

टूटते परिवारों को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में भारतीय परिवार व्यवस्था की गिरावट पर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम,एक ओर पूरा विश्व एक परिवार है इस पर विश्वास करते हैं। वहीं हम अपने परिवार के नजदीकी रिश्तों में भी एकता नहीं रख पाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, समाज और परिवार वन पर्सन वन फैमिली की ओर बढ़ रहा है। जो चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी एक बुजुर्ग महिला संतोला देवी की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा। संतोला देवी ने अंतर जाति विवाह करने पर अपने बेटे को संपत्ति से बेदखल कर दिया था। महिला ने अपनी संपत्ति बेटियों और अन्य को बांट दी थी। लड़का संपत्ति पर अधिकार पाने के लिए यह मामला फैमिली कोर्ट में लेकर गया था। फैमिली कोर्ट ने लड़के के पक्ष में फैसला दिया। इसके विरोध में माँ अपील न्यायाधिकरण में गई। अपील न्यायाधिकरण ने बेटे को संपत्ति से बेदखल करने का आदेश दिया। इस फैसले की अपील हाईकोर्ट में हुई। हाईकोर्ट ने अपील न्यायाधिकरण के फैसले को पलट दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मे अपील दायर हुई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए संपत्ति में बेटे को अधिकार देने का निर्णय करते हुए उपरोक्त टिप्पणी की है।

इमरान प्रतापगढ़ी पर दर्ज एफआईआर रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भड़काऊ गाने के मामले में कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात पुलिस की ओर से दर्ज की गई एफआईआर को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र का अभिन्न अंग है। ऐसे ही नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना अदालत का कर्तव्य है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी अदालत का कर्तव्य है कि संविधान और संविधान के आदर्शों का उल्लंघन न हो। कोर्ट ने कहा कि कविता, नाटक, फिल्म, व्यंग्य, कला सहित साहित्य मनुष्य के जीवन को अधिक सार्थक बनाता है।

भारत को यूएई ने दी ईदी, भारतीयों की सजा की माफ

नई दिल्ली। भारत और यूएई की दोस्ती का असर है कि 500 भारतीय परिवारों को ईद से पहले अबू धाबी से खुशखबरी मिली है। जी हां, ईद से पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारत को ईदी दी है। यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायेद अल नाहयान ने 500 भारतीयों को नया जीवनदान दिया है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रपति शेख मोहम्मद ने रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत से पहले सजा माफ करने का बड़ा फैसला लिया था। रमजान से पहले यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने 1295 कैदियों को रिहा करने का आदेश दिया। वहीं पीएम शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने 1,518 कैदियों को माफी दी है। ये फैसला रमजान के पवित्र महीने की भावना के अनुरूप दया और सुलह के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। ईद-उल-फितर 2025 से पहले रिहा किए गए लोगों में 500 से ज्यादा भारतीय नागरिक हैं। इससे भारत के साथ यूएई के मजबूत संबंधों और न्याय व कूटनीति को लेकर उसके नजरिए का पता चलता है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि रमजान महीने की शुरूआत से पहले ही यूएई लीडरशिप ने यह फैसला लिया था। यूएई सरकार का यह फैसला उन भारतीय परिवारों के लिए राहत लेकर आया है, जिनके परिजन वहां की जेलों में सजा काट रहे थे। भारतीय दूतावास ने इस फैसले का स्वागत किया और यूएई सरकार का आभार माना है।

काठमांडू में झड़प आगजनी व तोड़फोड़

काठमांडू। नेपाली सुरक्षा बलों और राजशाही समर्थक कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं। हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिससे शहर में अफरा-तफरी मच गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और रबर की गोलियां चलाईं, जिसके बाद कई घरों, अन्य इमारतों और वाहनों में आग लगा दी गई। हालात बिगड़ते देख कुछ इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, स्थिति तब बिगड़ गई जब प्रदर्शनकारियों ने निर्धारित सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की और पुलिस पर पत्थर फेंके। जवाब में, सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने एक व्यापारिक परिसर, एक शॉपिंग मॉल, एक राजनीतिक पार्टी मुख्यालय और एक मीडिया हाउस की इमारत में आग लगा दी, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए।

भूकंप ने म्यांमार व थाईलैंड में मचाई तबाही

7.7 तीव्रता से मचा हड़कंप : 1664 से अधिक मौतें, 2200 से ज्यादा लोग घायल, कई लापता

नेपीदा/बैंककाक। म्यांमार व थाईलैंड में शुक्रवार को तेज भूकंप के झटके लगे। इसकी तीव्रता 7.7 थी। इसमें 1664 से अधिक लोगों के मारे जाने की संभावना व्यक्त की गई। भूकंप का सबसे ज्यादा असर म्यांमार में था। इसके झटके भारत, बांग्लादेश और चीन समेत 5 पांच देशों में महसूस किए गए। इसमें लगभग 2200 लोग घायल हैं।

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में अंडर कंस्ट्रक्शन 30 मंजिला इमारत गिर गई। इस साइट पर 400 लोग काम कर रहे थे। इनमें से 80 लोग लापता हैं, जबकि 3 लोगों की मौत हुई है। इन 5 देशों के अलग-अलग इलाकों में सैकड़ों लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। भारी तबाही के चलते थाईलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंगतार्न शिनवात्रा ने इमरजेंसी घोषित कर दी है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, इस भूकंप से होने वाली मौतों की आशंका को रेड कैटेगरी में रखा गया है। इस कैटेगरी में 10 हजार से 1 लाख मौतें तक हो सकती हैं, जिसकी संभावना 34% यानी सबसे ज्यादा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, मध्य म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप का केंद्र सागाइंग शहर से 16 किमी (10 मील) उत्तर-पश्चिम में 10 किमी की गहराई पर था। इसका असर म्यांमार, थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत और दक्षिण-पश्चिम चीन समेत 5 देशों में देखा गया। यहां के कई इलाकों में तेज झटके महसूस किए गए। पीटीआई न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारत में कोलकाता, इंफाल, मेघालय और ईस्ट कार्गो हिल में इसके झटके महसूस किए गए। बांग्लादेश में ढाका, चटगांव समेत कई हिस्सों में 7.3 तीव्रता के झटके आए। म्यांमार में 12 मिनट बाद फिर 6.4 तीव्रता का आफ्टरशॉक आया।

हताहत

बैंकॉक में इमारत गिरने से 80 लोग लापता, भारत समेत 5 देशों में झटके

म्यांमार में धरती की सतह के नीचे की चट्टानों में मौजूद एक बहुत बड़ी दरार है, जो देश के कई हिस्सों से होकर गुजरती है। यह दरार म्यांमार के सागाइंग शहर के पास से गुजरती है इसलिए इसका नाम सागाइंग फॉल्ट पड़ा। यह म्यांमार में उत्तर से दक्षिण की तरफ 1200 किमी तक फैली हुई है। इसे स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट कहते हैं, जिसका मतलब है कि इसके दोनों तरफ की चट्टानें एक-दूसरे के बगल से हॉरिजॉन्टल दिशा में खिसकती हैं, ऊपर-नीचे नहीं। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं जैसे दो किताबें टेबल पर रखी हों और उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ स्लाइड किया जाए। यह दरार अंडमान सागर से लेकर हिमालय की तलहटी तक जाती है और पृथ्वी की टेक्टॉनिक प्लेट्स के हिलने-डुलने से बनी है। भारतीय प्लेट उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रही है, जिससे सागाइंग फॉल्ट पर दबाव पड़ता है और चट्टानें बगल में सरकती हैं। म्यांमार में कई बड़े भूकंप इसी सागाइंग फॉल्ट की वजहसे आए हैं। इससे पहले 2012 में 6.8 तीव्रता का भूकंप आ चुका है। सागाइंग फॉल्ट के पास 1930 से 1956 के बीच 7 तीव्रता वाले 6 से ज्यादा भूकंप आए थे।

म्यांमार के मांडले शहर की इमारतें तबाह : म्यांमार में एतिहासिक शाही महल मांडले पैलेस के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं, सागाइंग क्षेत्र के सागाइंग टाउनशिप में एक पुल भूकंप में पूरी तरह नष्ट हो गया। राजधानी नेपीता के अलावा क्यौकसे, प्यिन ऊ ल्विन और श्वेबो में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इन शहरों की आबादी 50 हजार से ज्यादा है।

काशी राजपरिवार की बेटी की जमीन अवैध कब्जे की जांच एसआईटी को

शौर्य न्यूज इंडिया

वाराणसी। काशी नरेश डॉ. विभूति नारायण सिंह की छोटी बेटी कृष्ण प्रिया की कोदोपुर स्थित जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। उन्होंने रामनगर थाने की पुलिस से शिकायत की है। दूसरे पक्ष ने भी पुलिस से शिकायत की है। पुलिस आयुक्त ने मामले की जांच के लिए एडीसीपी काशी जोन के नेतृत्व में तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। कृष्ण प्रिया के अनुसार पटना निवासी राकेश कुमार तिवारी ने व्यापार करने के लिए उनकी जमीन 1 लाख 25 हजार रुपये मासिक किराये पर लीज पर ली थी। राकेश ने जमीन पर गिट्टी बालू का कारोबार शुरू किया। कुछ महीनों तक वह सामान्य रूप से किराया देता रहा।

कार्रवाई का दिया आश्वासन : कुछ महीनों बाद किराया देना बंद कर दिया। जमीन खाली करने के लिए कहने पर पहले तो अपना सामान हटाकर चला गया। कुछ दिनों बाद वह कुछ लोगों के साथ जबरन जमीन पर काबिज हो गया। मना करने पर झगड़ा और मारपीट

पर उतारू हो गया।

उधर, राकेश कुमार तिवारी ने शिकायती पत्र में लीज की अवधि समाप्त हुए बगैर दूसरे को जमीन लीज पर देने का आरोप कृष्ण प्रिया पर लगाया है। दोनों शिकायती पत्र के आधार पर पुलिस आयुक्त ने मामले की जांच के लिए एडीसीपी काशी जोन के नेतृत्व में एसीपी कोतवाली और रामनगर थानाध्यक्ष की कमेटी गठित की है।

उधर, इस संबंध में पूछे जाने पर रामनगर थानाध्यक्ष राजू सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू हो गई है। दोनों पक्षों के कागजातों की जांच कराई जा रही है। जांच पूरी होने पर मामले में उच्चाधिकारी निर्णय लेंगे।

निर्वाण संस्था के एक और बच्चे की मौत

लखनऊ। राजधानी की निर्वाण संस्था में बच्चों की तबीयत खराब होने से गुरुवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती सूरज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अब तक कुल चार बच्चों की जान जा चुकी है। मोहान रोड स्थित निर्वाण संस्था में चार दिन पहले 70 मानसिक मंदित बच्चों की तबीयत बिगड़ गई थी। आनन-फानन 24 बच्चों को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां सोमवार को एक बालक और मंगलवार को दो बालिकाओं की मौत हो गई। वहीं गुरुवार की सुबह एक और बच्चे की मौत हो गई। अन्य का इलाज चल रहा है। छह बच्चों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। शनिवार, 22 मार्च की रात को खाना खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी। एक के बाद एक बीमार हुए सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते व महंगाई राहत (डीए व डीआर) में 2% की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इसका एलान किया। इस संशोधन के साथ, डीए और डीआर 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा। इससे कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों के पेंशन में वृद्धि होगी। पिछली बार डीए में वृद्धि जुलाई 2024 में हुई थी, जब इसे 50% से बढ़ाकर 53% किया गया था। डीए और डीआर दोनों में वृद्धि के कारण राजकोष पर संयुक्त प्रभाव प्रति वर्ष 6,614.04 करोड़ रुपये होगा। सरकार के इस फैसले से करीब 1.15 करोड़ केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। कैबिनेट के फैसले का एलान करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अतिरिक्त डीए और डीआर से जुड़ा फैसला 01 जनवरी 2025 से लागू होगा और सरकार इस मद में अतिरिक्त 7,716 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 12 महीने के औसत में वृद्धि के आधार पर डीए की दर तय की जाती है। डीए वृद्धि मद में सरकार इस वृद्धि के बाद अतिरिक्त 3,622 रुपये खर्च करेगी। महंगाई भत्ता (डीए) सरकारी कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से निपटने में मदद करने के लिए दिया जाने वाला भत्ता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बढ़ती महंगाई के कारण वेतन अपना मूल्य न खो दे। कर्मचारियों का मूल वेतन हर 10 साल में वेतन आयोग की ओर से निर्धारित किया जाता है। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 6,282.32 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना को मार्च, 2029 तक पूरा करने के लिए बिहार को 3,652.56 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता को भी मंजूरी दे दी है।

आठ लाख करोड़ का कर्ज लेगी सरकार

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही के लिए अपनी उधार योजना का ऐलान किया है। इसमें खुलासा किया गया है कि सरकार 8 लाख करोड़ रुपये जुटाएगी, जो इस वित्त वर्ष के लिए कुल बाजार उधार 14।82 लाख करोड़ रुपये का 54% है। 8 लाख करोड़ का ये कर्ज 26 साप्ताहिक नीलामियों के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिसमें सिक्योरिटी 3 से 50 वर्षों के बीच की अवधि में परिपक्व होंगी। यानी अप्रैल से सितंबर के दौरान सरकार सिक्योरिटीज के जरिए 8 लाख करोड़ रुपये जुटाएगी। यह राशि राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए लिया जा रहा है।

2025-26 के लिए बाजार से कुल 14.82 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने का अनुमान है। इसमें से लंबी और निश्चित मैच्योरिटी अवधि वाली सिक्योरिटीज के माध्यम से पहली छमाही में आठ लाख करोड़ रुपये यानी 54 प्रतिशत कर्ज लिया जाएग। इसमें 10,000 करोड़ रुपये के सरकारी ग्रीन बॉन्ड शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में अगले वित्त वर्ष में राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए लॉन्ग टर्म सिक्योरिटीज जारी कर 14.82 लाख करोड़ रुपये उधार लेने का प्रस्ताव किया। सरकार ऑक्शन में लिस्टेड सभी सिक्योरिटीज के लिए 2000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त सब्सक्रिप्शन अमाउंट पाने के लिए ग्रीनशू विकल्प का उपयो करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (Q1) में ट्रेजरी बिल जारी करने से 13 सप्ताह की अवधि के लिए साप्ताहिक उधार 19,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जिसमें 91-दिवसीय टी-बिल के लिए 9,000 करोड़ रुपये, 182-दिवसीय टी-बिल के लिए 5,000 करोड़ रुपये और 364-दिवसीय टी-बिल के लिए 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन है। सरकार दो तरह से राजस्व जुटाती है- टैक्स और कर्ज। इसमें से कर्ज हटा दिया जाए तो सरकार की कमाई बचती है। वहीं जब सरकार का खर्च, उसके इनकम से ज्यादा हो जाती है तो इसी के बीच के अंतर को राजकोषीय घाटा कहते हैं। इस राजकोषीय घाटे को कवर करने के लिए सरकार कर्ज जुटाती है और फिर जरूरत के हिसाब से इसे खर्च करती है। राजकोषीय घाटा या फिकसल डिफिक्ट वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के 4.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है जबकि चालू वित्त वर्ष में इसके 4.8 प्रतिशत रहने की संभावना है।

रामजी सुमन और खरगे की माफी पर अड़ी भाजपा

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। भाजपा ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन की राणा सांगा को लेकर की गई टिप्पणी पर विरोध किया। भाजपा सांसदों ने कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा। भाजपा का आरोप है कि खरगे मामले को जाति से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने मांग की है, जब तक रामजी सुमन और विपक्ष के नेता खरगे मामले में माफी नहीं मांगते, तब तक कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

इससे पहले समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने 21 मार्च को राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कह दिया था। इस पर शुरू हुआ बवाल अब भी थमता नहीं दिखाई दे रहा है। उनकी बाबर और राणा सांगा को लेकर कुछ ऐसा कह दिया था कि वे भाजपा के तमाम नेताओं के निशाने पर आ गए थे। भाजपा ने रामजी लाल सुमन से मांगी की मांग की है। भाजपा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के राजपूत राजा राणा सांगा पर दिए गए बयान का मुद्दा उठाया। इससे बाद ही राज्यसभा में हंगामा शुरू हुआ। भाजपा सांसद ने कहा, 'जब तक कांग्रेस और रामजी सुमन माफी नहीं मांग लेते, हम इस मुद्दे पर समझौता नहीं करेंगे।

दरअसल, भाजपा के सांसदों और मंत्रियों ने राजपूत राजा राणा सांगा के खिलाफ समाजवादी पार्टी के नेता रामजी लाल सुमन की टिप्पणी की निंदा की और बिना शर्त माफी की मांग को लेकर राज्यसभा में हंगामा किया। जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, भाजपा के सांसद नारेबाजी करने लगे। मामले में सभापति जगदीप धनखड़ को भी दखल देना पड़ा। उन्होंने राजपूत

राजा को राष्ट्रीय नायक बताया। उन्होंने उनकी बहादुरी का जिक्र किया और उनके खिलाफ टिप्पणी को अपमानजनक बताया। उन्होंने कहा कि सदस्यों को संवेदनशील मुद्दों पर बोलते समय सावधानी बरतनी चाहिए और गरिमा बनाए रखनी चाहिए।

इस बीच विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह और उनकी पार्टी उन सभी देशभक्तों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने देश के लिए लड़ाई लड़ी और अपनी जान कुर्बान की, लेकिन किसी को भी कानून और व्यवस्था को अपने हाथ में लेने और एक सांसद के घर में घुसकर तोड़फोड़ करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने सुमन के घर और संपत्ति पर उनके विवादास्पद बयान के बाद हुए हमलों का जिक्र किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह की दलित विरोधी कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खरगे की टिप्पणी से सत्तारूढ़ पार्टी भड़क गई। भाजपा के राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा, 'सुमन ने दोहराया है कि वह अपने शब्दों को वापस नहीं लेंगे और जीवन भर उन पर कायम रहेंगे।' उन्होंने कहा कि यह अपमान है और कोई भी इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी मामले में बयान दिया। उन्होंने कहा कि सुमन का बयान अपमानजनक और अत्यधिक निंदनीय है। रिजिजू ने कहा कि वह खरगे की टिप्पणी की निंदा करते हैं कि सुमन के घर पर इसलिए हमला किया गया, क्योंकि वह दलित थे। उन्होंने कहा कि यह जाति या धार्मिक मुद्दा नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि खरगे मामले को जाति की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं और यह निंदनीय है।इस पर खरगे ने जवाब देते हुए कहा कि राणा सांगा हो या महाराणा प्रताप सभी नायक बहुत सम्मानीय व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि उनकी आपत्ति हिंसा के इस्तेमाल पर है, क्योंकि संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। इस पर सुमन बोलने के लिए उठे, लेकिन भाजपा सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। धनखड़ ने कहा कि सुमन ने जो कहा है वही रिकॉर्ड में दर्ज होगा, लेकिन नारेबाजी बंद नहीं हुई और उन्हें कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी।

उत्पीड़न करने वालों के खिलाफ हो कड़ी कार्रवाई

उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल का होली मिलन समारोह सम्पन्न, व्यापारियों ने एक स्वर में उठाई मांग

चंदौली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के तत्वावधान में नगर के एक वाटिका में विशाल व्यापारी सम्मान व होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसका सुभ आरंभ मुख्यातिथि प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व राज्य सभा सांसद बनवारी लाल कंछल, मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल, प्रांतीय वरिष्ठ महामंत्री व्यापार मंडल संजय अग्रहरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि व्यापारी हर वर्ग की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहता है। व्यापारी हर प्रकार का टैक्स देता है। जिससे क्षेत्र का विकास होता है। व्यापारियों का उत्पीड़न करने वाले के खिलाफ सरकार कड़ी कार्यवाही करें। व्यापारियों के मान सम्मान और सुरक्षा की गारंटी सरकार के हाथ में है। जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत अग्रहरि ने कहा कि व्यापारी संगठन बहुत उम्दा काम कर रहा है संगठन व्यापारी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहा है। सरकार को व्यापारियों के स्वास्थ्य व सुरक्षा की गंभीरता से चिता करनी चाहिए। व्यापारी केवल करदाता नहीं बल्कि कामदाता भी होता है। कहा कि देश के कारपोरेट घराने बड़ी संख्या में ऑनलाइन कारोबार में शामिल हैं। जो अरबों का माल एक बार में खरीदते हैं। इनको माल सस्ता पड़ता है। जिसको ऑनलाइन बेच कर अच्छा मुनाफा कमाते हैं।

खुदरा व्यापारियों का माल इतना सस्ता नहीं पड़ता। जिसको संकट का सामना करना पड़ता है। कारपोरेट घराने सस्ता माल बेचकर खुदरा व्यापारियों के पेट पर लात मार रहे हैं। इससे देश करोड़ खुदरा व्यापारी प्रभावित हो रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ जिला महामंत्री राकेश मोदनवाल, प्रदेश मंत्री चंदेश्वर जायसवाल, प्रदेश संगठन मंत्री अशोक केसरी, उपाध्यक्ष उद्योग मंच गुरदीप सिंह, प्रदीप कुमार, नगर उपाध्यक्ष मंसूर आलम, संतोष जायसवाल, उपाध्यक्ष मोहन सेठ, कृष्ण सेठ, शंकर गुप्ता, दिनेश रस्तोगी, पंकज प्रसून पांडे, भानु यादव, दीपक जायसवाल, राकेश जयसवाल, कुंदन चौहान, हनुमान चौरसिया, शमशेर आदि रहे।

सम्मेलन में गंगा जमुनी तहजीब रही कायम

चंदौली। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के तत्वावधान में विशाल व्यापारी सम्मान व होली मिलन समारोह के दौरान गंगा जमुनी तहजीब देखने को मिली जहा संगठन ने रोजेदार व्यापारियों को रोजा खोलने के लिए अफ्तार पार्टी का भी इंतेजाम किया गया था। जिससे दूरदराज से आए रोजेदारों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े।

रामजियावन बावला को किया याद

चकिया, चंदौली। सावित्री बाई फुले राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चकिया में हिंदुस्तान एकेडमी उत्तर प्रदेश प्रयागराज एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वैचारिक एवं काव्य की अन्तस गूँज - 2025 के अंतर्गत रामजियावन दास बावला जी की स्मृति में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभमाता सरस्वती की तैल चित्र पर हिन्दुस्तानी एकेडमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप ने दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय एकेडमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भोजपुरी की माटी जुड़े बहुत से लोक मूल्यों को आज का युवा भूल रहे है। अतः इस भोजपुरी माटी के जीवंत प्रतीक राम जियावन दास बावला की स्मृति में आयोजित संगोष्ठी आज के युवा और जनमानस को अपने भोजपुरी के लोक मूल्य एवं लोक संवेदना को संरक्षित और संवर्धित करने के लिए जरूर प्रेरित करेंगे।

विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. उमेश कुमार सिंह ने कहा कि बावला जी द्वारा रचित भोजपुरी काव्य भारतीय जीवन की अभिव्यक्ति की पूर्ण क्षमता विद्यमान है। इनके काव्य में लोक बोध की गहरी समझ को सांकेतिक रूप से पिरोते है। इन्होंने ने भोजपुरी पितामह भिखारी ठाकुर द्वारा रचित काव्य में लोक भावना के बीज को पुष्पित और पल्लवित करने का कार्य रामजियावन दास बावला की काव्य में मिलता है। पूर्व राजभाषा अधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने कहा कि लोक

भाषा में लिखित गीत हमारे समाज की प्राणवायु होता है। जियावन दास बावला जी की काव्य स्तुति भगवान राम के स्मरण तक ही सीमित नहीं रहा है, अपने लेखन में सामाजिक, शैक्षणिक, एवं सांस्कृतिक चुनौती को भी उकेरा है।

आज भोजपुरी भाषा अपने क्षेत्र के साथ साथ विदेश मॉरिशस में भी मौजूद है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो संगीता सिन्हा ने बताया कि चकिया के भीकमपुर के रहने वाले भोजपुरी रामायण के आधार स्तंभ राम जियावन दास बावला की स्मृति में आयोजित संगोष्ठी से हमारे महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के साथ साथ क्षेत्र के लोग को उत्प्रेरक एवं प्रेरणा दायी कविता से जरूर लाभान्वित होंगे। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन 2025 के अंतर्गत मनीष मधुकर, दान बहादुर सिंह, डॉ बंदना शुक्ल, डॉ प्रशांत सिंह, विभा सिंह, महेश चंद्र जयसवाल, मनोज मधुर, डॉ. सुरेश अकेला, कल्याण सिंह, विशाल, अरविंद आदि ने काव्य प्रस्तुति किया है। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त वरिष्ठ प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मानव जीवन को प्रगति के प्रथ पर अग्रसर करती है शिक्षाः डॉ. सुकृति

शौर्य न्यूज इंडिया

चंदौली। पंडित कमलापति त्रिपाठी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चंदौली में प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग की उपलब्धियां पर चर्चा परिचर्चा हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डा. सुकृति मिश्रा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश के बहुआयामी विकास का मूल मंत्र शिक्षा है। शिक्षा मानव जीवन को प्रगति के पथ पर अग्रसर करती है।

उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 पर विस्तार से प्रकाश डाला। नई शिक्षा नीति में निहित उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य शिक्षा का विकेंद्रीकरण करना और शिक्षा को सर्व सुलभ करना है। कहा कि इससे न केवल शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दूरस्थ ग्रामीण एवं पिछले क्षेत्र में भी विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रसार प्रसार भी होगा। नई शिक्षा नीति में निहित कौशल विकास के पहलू पर भी उन्होंने विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। डॉ. पवन गुप्ता ने राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उच्च शिक्षा के विकास के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी गई। अमित कुमार ने सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना जिसका की उद्देश्य छात्रों को तकनीकी रूप से मजबूत करना है पर बिंदुवार प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार, डॉ रविकांत भारद्वाज, विनोद कुमार, डा.अनुराधा पांडेय और सर्वजीत चौहान आदि उपस्थित रहे।

शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित

डीडीयू नगर। शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक कैलाशपुरी स्थित राजीव सिंह के आवास पर आयोजित की गई। बैठक के पूर्व में पीसीसी सदस्य स्वर्गीय दयाशंकर सिंह गांधी के चित्र पर माल्यार्पण पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में कांग्रेसजनों ने नवनियुक्त शहर अध्यक्ष बृजेश गुप्ता, जिलाध्यक्ष अरुण द्विवेदी का नागरिक अभिनंदन व सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष अरुण द्विवेदी ने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूती के साथ गठन किया जाएगा, पार्टी के कार्यकताओं के सुख दुख में हमेशा तत्पर रहूंगा। वहीं भाजपा के जन विरोधी कार्यो के खिलाफ हमेशा आवाज बुलंद रहेगा।वहीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष बृजेश गुप्ता ने कहा कि नगर की जन समस्याओं को लेकर मेरा संघर्ष जारी रहेगा जमीनी कार्यकताओं को सम्मान किया जाएगा, भारत जोड़ो यात्रा के तर्ज पर पूरे नगर में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

गंगा में डूबने से युवक की मौत, कोहराम

चंदौली। धानापुर थाना क्षेत्र में प्रसहटा गांव के सामने गंगा में दोस्तो संग स्नान करने गए युवक की युवक डूबने से मौत हो गई। स्थानीय गोताखोरों की मदद से पुलिस ने शव को ढूंढ कर बाहर निकलवाया और आगे की कार्रवाई में जुट गई। प्रसहटा गांव के सामने निखिल यादव (20) दोस्तों संग गंगा में स्नान कर रहा था। उसी दौरान अचानक गंगा में डूब गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना तब हुई जब निखिल ने गंगा में पहली डुबकी लगाई जिसके बाद वह डूबने लगा। दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंगा की तेज धार में वह लापता हो गया। दोस्तों के शोरगुल मचाने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव का प्रयास किया, जब काफी देर तक निखिल का कुछ पता नहीं चला तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष महेश सिंह ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक को तलाशने में जुट गई। घंटों प्रयास के बाद गंगा में गोताखोरों ने निखिल को बाहर निकाला। निखिल को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। निखिल अपने परिवार में तीन बहनों के बाद दूसरा भाई था। उसकी मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। इस दर्दनाक हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

ट्रेन की चपेट में आने से बुर्जुग की मौत : सकलडीहा। क्षेत्र के तुलसी आश्रम समीप बुधवार शाम लगभग छ बजे ट्रैक पार करते वक्त ट्रेन के चपटे में आने एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये जिला हास्पीटल भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों का रोते रोते बुरा हाल है। धीना थाना क्षेत्र के पसाई गांव के रहने वाले 65 वर्षीय झगडू राजभर पुत्र स्व.श्यामबरन तुलसी आश्रम बाजार करने आए थे। परिजनों के अनुसार उनको कान से कम सुनाई देता था। घर जाने के लिए पैदल रेलवे ट्रैक पार करने लगे लोगों ने बताया कि ट्रेन द्वारा कई बार हॉर्न बजाया गया । लेकिन हॉर्न की आवाज न सुनने के कारण नाखडू राजभर रेलवे ट्रैक से नहीं हट पाए। जिससे ट्रेन की चपेट में आ गए। घटना की सूचना लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। इस बाबत कोतवाल हरिनारायण पटेल ने बताया कि ट्रेन की चपेट में आने से बुर्जुग की मौत होगयी। शव का पीएम कराने के बाद परिजनों को सौप दिया गया। पुत्र बब्बन और छब्बन राजभर सहित परिजनों का रोते रोते बुरा हाल था।

शिवपुराण सुनने से प्राप्त होते हैं लौकिक सुखः शिवम शुक्ल

शहाबगंज। क्षेत्र के मसोई गांव में सात दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा की शुरूआत बुधवार को देर शाम हुई। कथा के पहले दिन प्रयागराज से आए कथा वाचक शिवम शुक्ला महाराज ने कहा शिव महापुराण की कथा को सुनने वाला मानव साधारण मनुष्य नहीं है उसे मनुष्य के रूप में होते हुए भी भगवान शिव के समान समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई लौकिक सुख नहीं है जो शिव महापुराण की कथा सुनने से मनुष्य को न प्राप्त हो।

शिव महापुराण की कथा सुनने से मानव को समस्त सुखों की प्राप्ति हो जाती है और साक्षात भगवान शिव का धाम उसे प्राप्त होता है। उन्होंने कहा सनातन धर्म में संवाद की परंपरा है विवाद की नहीं जो मानव संवाद करता है जिस घर में संवाद होता है पति-पत्नी का संवाद पिता पुत्र का संवाद उस घर में कभी भी विवाद नहीं होता है इसलिए संवाद प्रत्येक गृहस्थी को करना चाहिए। कहा कि कोई कितना भी बड़ा पापी हो शिव महापुराण की कथा को श्रवण करने से वह भी पवित्र हो जाता है उसका भी कल्याण हो जाता है। कहा कि अधिकांश लोग जानते हैं की शिवरात्रि के दिन भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था परंतु ऐसा नहीं है शिवरात्रि के दिन ब्रह्मा जी और भगवान विष्णु के द्वारा पहली बार स्वर्ण शिवलिंग का पूजन किया गया। भगवान शिव ने कहा था तुम दोनों ने पहली बार शिवलिंग का पूजन किया है इसलिए यह दिन आज से शिवरात्रि के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर चन्द्रेश पाण्डेय, अम्बर पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय, ओम प्रकाश पाण्डेय, अरुण सिंह, विकेश सिंह आदि उपस्थित थे।

विकास की दिशा में काम कर रही सरकार

मुगलसराय विधायक ने परियोजनाओं का किया शिलान्यास और लोकार्पण

चंदौली। प्रदेश सरकार के आठ वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास उत्सव के अंतर्गत गुरुवार को सदर ब्लाक में लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने कई परियोजना का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। साथ ही योगी सरकार के आठ वर्ष के कार्यकाल को ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व बनाया।

कहा कि यूपी जल्द ही विकास की बड़ी रेखा खींचने जा रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्ष में भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में जनकल्याण एवं विकास की दिशा में काम करने का काम किया है। सरकार ने जन भावनाओं को समझा और आमजन की मांग के अनुरूप जनता के हित में कार्य करने का काम किया। आज आठ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद हम सभी जनता के बीच गए तो उनके बीच सरकार के प्रति विश्वास व उत्साह देखने को मिल रहा है, जिससे यह स्पष्ट है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के लोगों का दिल जीतने में सफल रही है। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश से अराजकता को मिटाने का काम किया। साथ ही विकास को गति देकर उसे आगे बढ़ाया है। आगे आने वाले दिनों में विकास का रथ यूं आगे बढ़ेगा। बताया कि आज 20 करोड़ के लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया है। चंदौली ब्लाक में ब्लाक प्रमुख संजय सिंह की मौजूदगी में परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया गया है। नियामताबाद ब्लाक में भी परियोजनाएं उद्घाटित की जानी है, जिनका लाभ सीधे जनता को मिलेगा। कहा कि आगे आने वाले दिनों में भारत पांच ट्रिलियन की इकोनामी होगा, उसमें यूपी की भागीदारी एक ट्रिलियन की होगी। मुख्यमंत्री इस उद्देश्य के दृष्टिगत प्रदेश को उद्योगों को विकसित का प्रयास किया है और उद्यमियों को उद्योग स्थापना के लिए आमंत्रित किया है। ब्लाक प्रमुख संजय सिंह बबलू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने सड़क, शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाने की दिशा में काम किया है। कल्याणकारी योजनाएं आम आदमी तक पहुंचाकर उनके जीवन स्तर में बदलाव एवं सुधार लाने का काम किया है और जिस तरह से ग्रामीण स्वच्छता की दिशा में सरकार ने काम किया है वह सराहनीय है। लोगों ने स्वच्छता को अपनाने का काम किया है। यह सबकुछ सरकार के प्रयास व जागरूकता का प्रयास है। इस अवसर पर रिन्टू सिंह, विवेक सिंह, पवन प्रताप सिंह, राजीव सिंह, ओमप्रकाश मौर्य, वीरेंद्र यादव, अवधेश यादव, सुभाष पासवान, सुषमा गिरी, दिलीप सोनकर आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप समाचार...

चकिया में इनामिया गांजा तस्कर गिरफ्तार

चकिया। कोतवाली क्षेत्र के पीतपुर गांव के कूड़ा डंप यार्ड के पास से गुरुवार की सुबह कोतवाली पुलिस ने 15 हजार के इनामियां गांजा तस्कर वह उसके एक साथी को 5 किलो गांजा और चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी अतुल प्रजापति ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर पीतपुर गांव के पास से अवैध गांजा के तीन बंडल के साथ दो युवकों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, युवकों की पहचान बिहार प्रांत के कैमूर जनपद के चौनपुर थाना अंतर्गत घटमापुर गांव निवासी सोनू बिंद और बचाउ बिंद के रूप में हुई है। बताया इनके ऊपर जनपद के कई थानों में गांजा तस्करी और पशु तस्करी के मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार युवकों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

पांच मोबाइल बरामद, दो गिरफ्तार

डीडीयू नगर। डीडीयू स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म संख्या एक दो के पूर्वी छोर पर बने रोलिंग हट के पास से दो अन्तर्राज्यीय शातिर चोर गिरफ्तार किया। जिनके पास से पूर्व में पंजीकृत चोरी के 05 मुकदमों से संबंधित पांच कम्पनी के एन्ड्रायड मोबाइल फोन बरामद हुआ। बाद गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर कार्यवाही किया गया।

अपहरणकर्ता गिरफ्तार

डीडीयू नगर। डीडीयू जंक्शन पर जीआरपी ने अपहरण से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त प्लेट फार्म संख्या एक दो के पश्चिमी छोर पर बने सैय्यद बाबा मजार के पास से गिरफ्त किया। जिसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई। अपहरणकर्ता रोहित कुमार पुत्र विनय ठाकुर निवासी ग्राम नरही थाना कुर्था जिला अरवल बिहार उम्र 24 वर्ष के कब्जे से नाबालिग अपहृता पीड़िता सोनिया कुमारी पुत्री जितेन्द्र शर्मा निवासी ग्राम पड़राना थाना कोंच जिला गया बिहार उम्र 17 वर्ष को बरामद किया गया।

शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

डीडीयू नगर। राजकीय रेलवे पुलिस ने डीडीयू स्टेशन के पीएफ नं 1/2, के हावड़ा इण्ड की तरफ बने नाम पट्टिका बोर्ड के पास से 01 नफर अन्तराजीय शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। जिसके पास से 10 लीटर देशी शराब बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की।

अज्ञात कारणों से कच्चे मकान में लगी आग

नौगढ़। चकरघट्टा थाना क्षेत्र के बैरगाढ़ गांव के वनवासी बस्ती में गुरुवार को दोपहर मे अज्ञात कारणों से आग लग जाने से मुन्नू वनवासी का कच्चा मकान जल गया। आगलगी से घर में रखा हुआ घर गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। बैरगाढ गांव निवासी मुन्नू बनवासी गुरुवार को समीपवर्ती गांव में मजदूरी करने के लिए अपने परिवार के साथ गया था। दोपहर मे अचानक आग लग जाने से धू-धूकर जल रहे कच्चा मकान को देखकर पड़ोसियों ने मौजूद जल संसाधनो से पानी लाकर के आग पर काबू पाने का काफी प्रयास किया। जिसमें सफलता नहीं मिल पाया। अगलगी की घटना से घर में रखा गया खाने पीने का सामान कपड़ा बिस्तर चारपाई बैंक पासबुक आधार कार्ड आदि जलकर राख हो गया।

ईद व रामनवमी को लेकर पुलिस ने किया पैदल मार्च

धीना। ईद और रामनवमी पर्व को सकुशल व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के मद्देनजर गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक धीना रमेश यादव के नेतृत्व में पुलिस के जवानों ने कमालपुर बाजार में पैदल मार्च कर पर्व के दौरान लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। साथ ही पर्व के दौरान माहौल बिगाड़ने वालों पर शख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। ईद और चैत्र नवरात्रि व रामनवमी का पर्व सकुशल संपन्न कराना पुलिस -प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती है इसे लेकर गुरुवार को धीना पुलिस के जवानों ने कमालपुर बाजार में राष्ट्रीय इंटर कालेज से बीच बाजार होते हुए जमुरखा तक फ्लैग मार्च निकाला गया और लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। पुलिस द्वारा अशांति फैलाने वालों के बावत जानकारी ली गई। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक धीना रमेश यादव,चौकी प्रभारी कमालपुर सतीश प्रकाश और अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

वृद्ध ने ट्रेन से कटकर दी जान

शौर्य न्यूज इंडिया

डीडीयू नगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन के उत्तर साइड अप लाइन डीडीयू इलाहाबाद (एवाइडिंग लाइन) रूट पर इंडियन ऑयल डिपो के पास गुरुवार की सुबह 10 बजे के करीब 65 वर्षीय वृद्ध की ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची राजकीय रेलवे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

बताते हैं कि अलीनगर थाना क्षेत्र के मवई खुर्द निवासी 65 वर्षीय नंदलाल के परिवार में जायदाद को लेकर दो-तीन दिनों से मारपीट हुआ था, जिससे आक्रोशित होकर मालगाड़ी से कटकर आत्महत्या कर लिया। मृतक की पत्नी शांति देवी कमलापति त्रिपाठी अस्पताल में फार्मासिस्ट पद से रिटायर हो गई है उनका पुत्र विकास कुमार कोविड के समय से जिला अस्पताल में संविदा पद पर कार्यरत है। मृतक शिक्षक को एक पुत्र व एक पुत्री है। परिवार के संपत्ति विवाद कुछ दिनों से चलाएं आ रहा था। मौत की सूचना पर परिवार के साथ-साथ आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। जीआरपी थाने पर संपत्ति विवाद का मामला सामने आया। इस बाबत जीआरपी प्रभारी निरीक्षक सुरेश सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वाराणसी और देवघर के बीच चलेंगी वंदे भारत एक्सप्रेस : डीडीयू नगर। यात्रियों हेतु नई अत्याधुनिक सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए गया एवं हावड़ा, पटना एवं टाटा तथा वाराणसी एवं देवघर के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। 15 सितंबर को उद्घाटन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन के साथ इन सेवाओं का शुभारंभ किया जाएगा।

रेलवे द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार नई हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस,आसनसोल-धनबाद-कोडरमा रूट से परिचालित की जाएगी। नई टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन मूरी-बोकारो-गोमो-गया रूट से परिचालित की जाएगी। वाराणसी और देवघर के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन डीडीयू-गया- नवादा रूट से परिचालित की जाएगी। इन नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत से यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ त्वरित आवागमन का लाभ मिलेगा। आधिकारिक अधिसूचना होने के साथ इन ट्रेनों का विस्तृत विवरण जारी किया जाएगा।

ड्रोन कैमरे से नगर की सुरक्षा व्यवस्था को परखा

डीडीयू नगर। त्योहारों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने, अराजक तत्वों पर पैनी नजर रखने और आम जन मानस में सुरक्षा का भाव जगाने के लिए पुलिस एलर्ट मोड में है। गुरुवार की देर शाम सहायक पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी और कोतवाल ने दल बल के साथ नगर भ्रमण किया। इस दौरान लोगों से सौहार्द्र पूर्वक पर्व मनाने की अपील की। शुक्रवार को रमजान महीने का आखिरी शुक्रवार है। अलविदा की नमाज मस्जिद में ही पढ़ने की अपील की। रमजान और रामनवमी पर जनपद में कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस सक्रिय हैं। गुरुवार की शाम सहायक पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी और कोतवाल भारी दल बल के साथ नगर के भ्रमण किया। पुलिस ने ड्रोन कैमरे से नगर की सुरक्षा व्यवस्था को परखा। मस्जिदों के आसपास का भ्रमण किया। मुस्लिम बंधुओं से शुक्रवार को अलविदा की नमाज मस्जिद के अंदर ही पढ़ने की अपील की।

चलती कार में लगी आग दंपती ने कूदकर बचाई जान

सकलडीहा। कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर पेट्रोल पंप के पास बुधवार की देर शाम शार्ट-सर्किट से मारुति वैगनकर कार में आग लग गई। जब तक चालक गाड़ी रोककर कर आग बुझाने का प्रयास करता तब तक गाड़ी आग का गोला बन गई। सूचना पर पहुची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग को बुझाया लेकिन तबतक गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई थी। उकनीपाल राय गांव निवासी बीरेंद्र सिंह का पुत्र बिजेंद्र सिंह उर्फ मुन्ना सिंह अपनी पत्नी प्रियंका सिंह के साथ कार UP67UA4582 से बुधवार को धानापुर गए थे। बुधवार की देर शाम वापस आते समय सलेमपुर पेट्रोल पम्प के पास गाड़ी के बोनट से धुआं निकलने लगा। तभी चालक बिजेंद्र ने गाड़ी से उतरकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तबतक आग बिकराल रूप ले लिया और पूरी गाड़ी आग का गोला बनकर सड़क किनारे गढ्ढे में चली गई। पति-पत्नी ने किसी तरह गाड़ी से निकलकर जान बचाई और पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दिया। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया नही तो पास में खेतों में लगी गेहूं की फसल भी जल जाती। बिजेंद्र ने बताया कि कार एक वर्ष पूर्व ही नई खरीदी थी।

मां काली की प्राण-प्रतिष्ठा में निकली शोभायात्रा

शौर्य न्यूज इंडिया

बलिया। सिकंदरपुर नगर के श्री चतर्भुज नाथ मंदिर प्रांगण से मां काली प्राण प्रतिष्ठा एवं महायज्ञ को लेकर गुरुवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड-बाजे, हाथी-घोड़े के साथ निकली शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पीला वस्त्र एवं चुनरी पहने अधिकतर श्रद्धालु कलश को सिर पर रखकर प्रभु का स्मरण करते हुए चतुर्भुज नाथ मंदिर से डोमनपुरा, बढ्वा, भिखपुरा, बाजार मोड़, न्यू मार्केट, बस स्टैण्ड, बेल्थरा मार्ग, हास्पिटल मोड़, सोनार गली, आनंदी चौक, जलपा मंदिर, पुलिस चौकी मार्ग होते हुए जलालीपुर स्थित मां काली मंदिर पर पहुंचे।

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस के अलावा एलआईयू, चेयरमैन प्रतिनिधि संजय जायसवाल, डा. उमेश चंद, प्रयाग चौहान, आशुतोष गुप्ता, अशोक जायसवाल, विजय जायसवाल, कौशल श्रीवास्तव, अनूप जायसवाल, राजेश बरनवाल, अवधेश सिंह, नायब सोनी, अमित गुप्ता, जयराम पाण्डेय मौजूद रहे। शुक्रवार को विधि-विधान से मां काली की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कराई जाएगी। पंडित पीयूष जी महाराज ने कहा कि इस सृष्टि के कण-कण में भगवान विद्यमान है, जो मनुष्य द्वारा किए गए कर्मों पर नजर रखते हैं। इसलिए व्यक्ति को सदैव अच्छे कर्मों में लीन रहना चाहिए।

सात अप्रैल को होगा यज्ञ का समापन : सिकंदरपुर। 28 मार्च, शुक्रवार को मां काली की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि 30 मार्च को नवचंडी महायज्ञ प्रारम्भ होगा तथा यज्ञ का समापन सात अप्रैल को होगा। वही, 30 मार्च से सात अप्रैल तक कथावाचक पीयूष जी महाराज द्वारा प्रतिदिन शाम छह बजे से रात्रि 10 बजे तक श्रीराम कथा सुनायी जायेगी। वही, सात अप्रैल को पूर्णाहूति होने पर भव्य भंडारा किया जायेगा।

गुरु के ज्ञान के बिना नहीं मिलता मुक्ति का मार्ग : मझौवां। ग्राम पंचायत जगदेवा पांडेपुर के मिश्र गिरी के मठिया पर चल रहे श्रीहनुमत महायज्ञ में बुधवार की रात संत बालक बाबा ने कहा कि जिस प्रकार सोने के बाद जागने के लिए अलार्म लगाया जाता है, इसी प्रकार विषई पुरुष को जगाने के लिए समाज में पवित्र श्रावण मास, चार नवरात्र, एकादशी, मंगलवार व्रत, शुक्रवार व्रत, षष्ठी व्रत आदि का निर्धारण किया गया है। विषई महिला-पुरुष इस त्योहार के माध्यम से अपने व्यसन को छोड़कर मुक्ति का मार्ग अपना ले।

कहा कि प्रभु द्वारा चराचर में जो भी जीव आए हैं, उनको दो ही अवस्था दी गई है एक जागने और दूसरे सोने की। मनुष्य को एक स्वप्न की भी अवस्था दी गई है। सुषुप्ता अवस्था भी दी गई है, जिसमें मनुष्य गहरी निद्रा में स्वप्न भी देखता है। अन्य कोई जीव, पशु-पंक्षी, पेड़-पौधे सपना नहीं देखते। धरती पर ही स्वर्ग और नरक है। स्वर्ग और नरक की कल्पना को छोड़कर मनुष्य को मुक्ति की राह अपनाना चाहिए। तभी मनुष्य का कल्याण संभव है। स्वर्ग और नरक तो यहीं पर है। अगर अच्छे कर्म हुए तो उसका अच्छा परिणाम भोगने को मिलता है और बुरे कर्म करने पर बुरा परिणाम भी यहीं पर भोगने को मिल जाता है। लेकिन मुक्ति का मार्ग बिना गुरु के ज्ञान के नहीं मिल सकता। जब तक प्रभु की कृपा नहीं होगा, तब तक साधु-संतों का सानिध्य प्राप्त नहीं होगा। जब साधु-संतों का सानिध्य प्राप्त नहीं होगा तो विवेक यानी ज्ञान भी नहीं मिल पाएगा। अतः मनुष्य को अच्छे और संस्कारी गुरु का चयन करना चाहिए। इधर, ग्राम प्रधान सत्येंद्र यादव ने साधु-संतों, प्रवचनकर्ताओं, पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

जिंदा को मृत दिखाने वाले जेई व विवेचक पर मुकदमा का आदेश

बलिया। विशेष न्यायाधीश महेश चंद्र वर्मा की अदालत ने बिजली विभाग के अवर अभियंता विनोद भारद्वाज, विवेचक सुमंत सिंह पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। बैरिया थाना क्षेत्र के तिवारी के मिल्की ग्राम सभा में साढ़े तीन साल पूर्व अवैध रूप से बिजली जलाने के मामले में झूठे तथ्य, झूठे साक्ष्य प्रस्तुत करने, नाबालिग के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने एवं उसके जिंदा पिता को मृत दिखाने के मामले में यह आदेश दिया है। जिसको मृत दिखाया गया था, वह व्यक्ति कोट में उपस्थित हुआ। उसने कहा कि साहब मैं मुहम्मद यसीन, मुल्जिम का पिता हूं तथा इंजीनियर साहब ने मुझे कागज में मृत दिखा दिया। आरोप पत्र में भी मृत दिखाकर मामले को आगे बढ़ाते जा रहे हैं। विशेष न्यायाधीश ने मुकदमा दर्जकर तीन दिन के अंदर इसकी कापी न्यायालय में प्रस्तुत करने का आदेश थानाध्यक्ष एंटी पावर थेफ्ट बलिया को दिया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रासपहरी के समीप बुधवार की रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार अधेड़ की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना से आक्रोशित होकर परिजनों एवं ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। सूचना पर पहुंचे एसडीएसटी आयोग उपाध्यक्ष के समझाने व मदद दिलाने के आश्वासन पर जाम खुला। बताया गया कि साइकिल सवार लालजी कनौजिया 55 निवासी खैराही की अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गयी। घटना से आक्रोशित परिजनों एवं ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना होने पर पुलिस मौके पर पहुंची को परिजनों को समझाने का प्रयास करने लगी। लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं हुए। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दर्जा

प्राप्त मंत्री जीतसिंह खरवार ने परिवार के लोगों को समझाया और हर सम्भव मदद दिलाने का आश्वासन दिया तब जाकर जाम खुला।

इसी बीच नायब तहसीलदार भी मौके पर पहुंचकर घटना के बारे में जानकारी ली। मृतक किसी साथी के शादी समारोह से वापस घर लौट रहा था कि रास्ते में अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को दुद्धी भेज दिया।

योगी सरकार में प्रदेश बदहाल जनता बेहाल

आजमगढ़। मंडल कांग्रेस कर्यालय पर भगवती प्रसाद चौधरी पूर्व विधायक ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के 8 साल पूरे हो गए हैं मगर प्रदेश बदहाल है और जनता बेहाल है। सरकारी परीक्षाओं के पर्चे लीक हुए हैं। नई शिक्षक भर्ती भी नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक युवा बेरोजगार हैं। श्री चौधरी ने बताया कि नरेगा मजदूरों की 100 करोड़ से अधिक की मजदूरी बकाया है। ग्रीन प्रोजेक्ट इन्वेस्ट यूपी के कारण आधार इस अभिषेक प्रकाश कमीशन खोरी में पकड़े गए बहराइच संभल का मामला हो कुशीनगर में बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए मस्जिद को गिरा देने का मामला रहा हो या फिर मथुरा में विवाद करने का मामला रहा है, की राजनीति करनी चाहते है।योगी जी 8 लाख करोड़ का बजट पेश करते हैं मगर इस बात पर मौन साध लेते हैं कि प्रदेश पर कुल 9 लाख करोड़ के आसपास कर्ज पहुंचने वाला है।

गरीबों के लिए समर्पित है भाजपा

कारागार मंत्री ने लाभार्थियों को वितरित किया ऋण स्वीकृति पत्र

आजमगढ़। मंत्री, कारागार विभाग, उत्तर प्रदेश दारा सिंह चौहान ने प्रदेश सरकार के 'सेवा, सुरक्षा व सुशासन' नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने पर गुरुवार को अंतिम दिन शहीद कुंवर सिंह उद्यान एवं हरिऔध कला केन्द्र में सीएम युवा उद्यमी विकास योजना, रोजगार मेला, स्वास्थ्य शिविर, ऋण कैम्प, आईसीडीएस विभाग, शिक्षा विकास, वन विभाग, पुलिस विभाग, पंचायती राज विभाग, खादी ग्रामोद्योग विभाग आदि विभागों द्वारा लगायी गयी जनपद स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र भी वितरण किया। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि आजमगढ़ ऋषियों, मुनियों की धरती है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री देश के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं एवं दिन रात गरीब, असहाय व्यक्तियों के लिए कार्य कर रहे हैं। यह सरकार गरीबों के लिए समर्पित है। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही है, जिससे पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज गरीब की जमीन को गुण्डों द्वारा कब्जा नहीं किया जाता है, क्योंकि उनको पता है कि योगी सरकार का बुल्डोजर चल जायेगा।

इसके पूर्व कारागार मंत्री, मण्डलायुक्त विवेक, डीआईजी सुनील कुमार सिंह, जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना एवं मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना की उपस्थिति में हरिऔध कला केन्द्र के ओडिटोरियम में प्रदेश सरकार की 8 वर्ष की उपलब्धियों एवं महाकुम्भ के सफल आयोजन पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन एलईडी के माध्यम से किया गया। इसके पश्चात मण्डलायुक्त एवं डीआईजी ने मंत्री को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील दत्त विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

प्रयागराज से विन्ध्यधाम, काशी होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस से जुड़ेगा गंगा एक्सप्रेस-वे : सीएम योगी

मीरजापुर। प्रदेश सरकार के आठ वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी योजनाओं और कार्यों पर प्रकाश डाला। अष्टभुजा स्थित गेस्ट हाउस में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि माता विंध्यवासिनी के धाम में वासंतिक नवरात्रि के पूर्व प्रदेश सरकार के 8 वर्ष के कार्यकाल की उपरांत आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला। डबल इंजन सरकार की सेवा, सुरक्षा और सुशासन के कार्यों के बारे में उन्होंने चर्चा की। कहा कि पिछले 10 वर्ष के अंदर मिजार्पुर का कायाकल्प हुआ है। बाणसागर की परियोजनाएं पूरी हुई। मां विंध्यवासिनी मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ। माता विंध्यवासिनी के नाम पर मेडिकल कॉलेज बना हैं। विंध्य कॉरिडोर का निर्माण होने के साथ ही त्रिकोण दर्शन की बेहतर सुविधा के लिए सुंदरीकरण के लिए इस बार भी धनराशि की व्यवस्था की गई है। कहा कि आस्था का सम्मान करते हुए एक व्यवस्थित विकास के मॉडल रुप में विंध्य कॉरिडोर को प्रस्तुत करने का काम किया गया है। जो कार्य 8-10 वर्ष में हुआ है आज उसी का परिणाम है कि कॉरिडोर बनने के

बाद विंध्याचल मंदिर की आमदनी 1 वर्ष में 5 गुना बढ़ी है। कॉरिडोर न होता तो महाकुंभ प्रयागराज के कारण उमड़ी भीड़ को नियन्त्रित करना कठिन होता। कहा कि बिना किसी भेदभाव के गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं और समाज के सभी तबके के लिए सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य हो रहा है । कॉरिडोर के अन्य फेज को आगे बढ़ाया जा रहा है। कहा कि जल जीवन मिशन का कारण अंतिम चरण में चल रहा है। जिले में विकास कार्यों की उन्होंने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किया।

कहा कि जिला धाम सुंदर सिटी के रुप में विकसित हो बेहतर सुविधा अवस्थापना के लिए जन प्रतिनिधियों से प्रस्ताव भी मांगा गया है। कहा कि विंध्याचल धाम एक सुंदरतम नगरी के रूप में आगे बढ़ेगा। इसके पूर्व उन्होंने नगर के महुवरिया स्थित बीएलजे इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां का बखान किया। कहा कि अच्छी सरकार चुनने से अच्छा काम होता है। इसके बाद माता विंध्यवासिनी के धाम में दर्शन पूजन किया। उन्होंने एक भक्त द्वारा समर्पित सोने का पानी चढ़ा हुआ सिंह माता विंध्यवासिनी को अर्पित किया। विंध्यवासिनी मंदिर में 6 किलो चांदी से बने सोने का पानी चढ़ा शेर अर्पित किया। जिसे मुंबई वासी भदोही निवासी उद्योगपति संजय सिंह ने भेंट किया है।

उन्होंने अपने तीर्थ पुरोहित शिवानंद मिश्र और चतुरानंद मिश्र के माध्यम से यह भेंट मंदिर को सौंपी था। जिसे आज मुख्य मंत्री ने अर्पित किया। पिछले साल संजय सिंह ने मंदिर के गर्भगृह में सोने का स्तंभ और मेहराब तीर्थ पुरोहित डॉ. राजेश मिश्र के नेतृत्व में लगाया गया था। उस समय 51 किलो चांदी और साढ़े 4 किलो सोना माँ को अर्पित किया गया था। महुवरिया स्थित जनसभा स्थल पर योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम की समाप्ति के बाद होर्डिंग फ्लैक्स लूटने की होड़ मच गई। इसी प्रकार नास्ते का डिब्बा लेने के लिए लोगों को धक्का मुक्की झेलनी पड़ी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में समस्याओं को लेकर छात्रों का धरना, किया प्रदर्शन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन गेट पर परिसर में समस्याओं को लेकर छात्रों ने धरना-प्रदर्शन प्रदर्शन नारेबाजी की। इस दौरान कर्मचारी नेताओं से नोक झोंक हुई। घंटे 2 घंटे से अधिक कर्मचारी बंधक बने रहे। अधिकारियों के समझाने के बाद प्रशासनिक भवन का गेट खोला लेकिन धरना जारी रहा। प्रदर्शनकारी छात्र कुलपति से मिलने के लिए अड़े रहे।

विश्वविद्यालय में तमाम समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एबीवीपी के संगठन मंत्री ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में छात्र-छात्राएं सुबह 11 बजे पूर्वांचल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन मुख्य गेट पर पहुंच गए और विश्वविद्यालय में व्याप्त समस्याओ पर 28 सूत्री मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन नारेबाजी करने लगे। छात्रों की मांग की विश्वविद्यालय परिसर में पानी शौचालय बिजली वाई-फाई की समस्या है। इसके साथ ही अंकपत्रों में खामियां हैं। काम में समय लगता है कर्मचारी काम को लटकाते हैं। दूर-दराज से आए लोगों को परेशान करते हैं। इस तरह 28 सूत्रीय मामलों को लेकर नारेबाजी प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान प्रशासनिक भवन का मुख्य गेट बंद कर दिया और जो जहा अन्दर-बाहर था वह वहीं फंस गया। इस दौरान कर्मचारी नेता डॉ. पीके सिंह कौशिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव व अन्य कर्मचारी के साथ बाहर जाने का प्रयास किया। छात्रों से उनकी नोक-झोंक हो गई, हालांकि लोगों ने बीच बचाव किया। कुलसचिव महेंद्र कुमार पहुंचे, समझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन प्रदर्शनकारी छात्रों से उनकी भी कहासुनी हो गई वह वहां से लौट गए। सूचना लगते ही थानाध्यक्ष विनय प्रकाश सिंह पुलिस फोर्स के साथ पहुंच गए। छात्रों को समझाने का प्रयास किया लेकिन छात्र धमकी देने लगे की जरूरत पड़ी तो वह मुख्यमंत्री का पुतला भी फूकेंगे और जरूरत पड़ी तो आत्मदाह भी कर लेंगे।

मऊ में बोले मंत्री एके शर्मा, पूरे देश में यूपी हो गया हैं डिजिटल

मऊ। प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा व सुशासन की नीति के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन सोनी धापा इंटर कॉलेज मऊ में आयोजित किया गया था। जिसमें गुरुवार को मंत्री नगर विकास, ऊर्जा एके शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाकुंभ पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा स्कूली छात्र छात्राओं, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पंजीकृत कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पुलिस विभाग द्वारा एंटी रोमियो स्क्वाड पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए। इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों के इंस्टाल लगाए गए एवं पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया गया। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में अपने प्रत्यक्ष रूप देखने की बात कहूं तो सबसे अच्छा कार्यक्रम मऊ जनपद में आयोजित किया गया है।

इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा रामायण, महाकुंभ पर आधारित नृत्य एवं पुलिस विभाग द्वारा एंटी रोमियो स्क्वाड पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति को मैं काफी सराहना करता हूं। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद यह 8 वर्ष सुशासन का काल है। यह एक स्वर्ण काल है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश जो पहले एक बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था। आज वह उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डिजिटल उत्तर प्रदेश, औद्योगिक क्रांति के उत्तर प्रदेश के रूप में जाना जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश लाखों करोड़ों किसानों को किसान सम्मान निधि बिना एक रुपए के लीकेज का देने वाला राज्य जाना जा रहा है। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि हमारे कार्यकाल में मऊ जिले में लगभग 04 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं कार्यान्वित की गई हैं। उसमें 1000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं नगर विकास विभाग की है। वर्ष 2022-23 में 222 करोड़ 2023-24 में 332 करोड़ एवं 2024-25 में 363 करोड रुपए की परियोजनाएं नगर विकास विभाग की तरफ से स्वीकृत हुई है।

बिजली विभाग के बारे में चर्चा करते हुए मंत्री एके शर्मा ने कहा कि विद्युत विभाग में जितना कार्य हुआ है उसका हिसाब करना मुश्किल है। पिछले 3 साल में लगभग 5200 करोड रुपए का कार्य केवल बिजली विभाग में हुआ है। पूरे प्रदेश में मऊ एवं नोएडा को स्पेशल काम दिया गया था वह सारे के सारे काम पूरे किए गए हैं। शहरी विस्तार में लगभग 18 हजार लोगों को प्रधानमंत्री आवास दिया गया है और ग्रामीण क्षेत्र में 31 हजार लोगों को आवास दिया गया है। पीएम स्वनिधि योजना के तहत छोटे-छोटे रेहड़ी, पटरी के लगभग 15 हजार व्यापारियों को लोन एवं अन्य सहायता दी गई है। मंत्री एके शर्मा ने कहा कि मैं सभी मुस्लिम भाइयों से कहता हूं कि आप सभी विकास को, तरक्की को वोट दीजिए जो हमारे आपके विकास को रोकने का कार्य करते हैं उनको वोट मत दीजिए। उन्होंने कहा कि इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के आज अंतिम दिन आए हुए सभी लोगों का मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। इस दौरान मंत्री एके शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, ओडीओपी योजना के तहत टूल किट, आयुष्मान कार्ड, उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र, चाबी चेक आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला भाजपा अध्यक्ष रामाश्रय मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज राय, प्रवीण गुप्ता, जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र, पुलिस अधीक्षक इलमारन जी, मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह, जिला विकास अधिकारी उमेश चंद्र तिवारी, परियोजना निदेशक रामबाबू त्रिपाठी सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप समाचार...

किराना दुकान के गोदाम में लगी आग

नंदगंज। थाना के रजादी चट्टी स्थित हरीशचंद्र जायसवाल के किराना दुकान के गोदाम में गुरुवार को 3 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसमें रखा लाखों रुपए के सामान जलकर राख हो गया। जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बुझाने में जुट गए। देखते ही देखते आग बिकराल रूप ले ली। जब पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी तब जाकर बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।तब गोदाम में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने बताया कि लगभग सात लाख का नुकसान हुआ है।

लापरवाही में पांच पुलिस अधिकारी निलंबित

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा ने नंदगंज थाना प्रभारी कमलेश कुमार, सिरगिथा चौकी प्रभारी आनंद गुप्ता, सिपाही अनिल यादव और आलोक सिंह को निलंबित कर दिया। इन पर एक महिला की प्रताड़ना शिकायत के बावजूद मामला दर्ज न करने का आरोप था। इसी के साथ, रेवतीपुर थाना के उपनिरीक्षक भोलानाथ सरोज को करोड़ों की ठगी में शामिल बिहार निवासी नीतू श्रीवास्तव को पुलिस कार्रवाई की गोपनीय जानकारी देने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है।

एक अप्रैल को काला दिवस पर दें साथ: दिनेश चंद्र

गाजीपुर। नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के आह्वान पर एक अप्रैल को यूपीएस के विरोध में काला दिवस मनाया जाएगा। विदित हो कि एक अप्रैल 2025 से भारत सरकार ने केंद्र की नौकरियों में यूपीएस लागू करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का शिक्षक व कर्मचारी विरोध कर रहा है। इसलिए एक अप्रैल को शिक्षक व कर्मचारी काली पट्टी बांधकर अपना विरोध प्रकट कर सरकार से एनपीएस व यूपीएस को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेगा। माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षक व कर्मचारी काली पट्टी बांधकर अपने कार्यस्थल पर काम कर सरकार से पुरानी पेंशन बहाली की मांग करेगा। विभिन्न शिक्षक और कर्मचारी संगठनों के अध्यक्ष व नेताओं ने एक सुर में यूपीएस को हटा कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। बैठक में चौधरी दिनेश चंद्र राय कहा कि प्रांतीय कार्यकारिणी में लिये गए निर्णय के अनुसार पूरे प्रदेश में काला दिवस मनाया जाएगा। सभी संगठनों से आह्वान है कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए काला दिवस पर साथ दें। श्री चौधरी ने कहा कि सरकार देश के अर्द्धसैनिक बलों की पुरानी पेंशन बहाल कर उनके बुढ़ापे की लाठी को मजबूत करे। सरकार निजीकरण को समाप्त कर पुरानी पेंशन बहाल करे।

लखनऊ-छपरा के बीच चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

गाजीपुर। प्रदेश की राजधानी लखनऊ और छपरा के बीच रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी है। दरअसल, रेलवे ने इन दोनों महानगरों के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ऐसे में ट्रेन संख्या 02270/02269 मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन इस रास्तों से होकर गुजरेगी। इस ट्रेन के चलने से इस सेगमेंट के पैसेंजर्स को काफी सुविधा होगी। इस बात की जानकारी देते हुए उत्तर रेलवे के अधिकारियों ने कहा है कि नोटिफिकेशन भी जारी हो चुका है। ऐसे में ट्रेन नंबर 02270 लखनऊ से आगामी 27 मार्च से लेकर 26 अप्रैल तक चलेगी। मंगलवार को यह ट्रेन उपलब्ध नहीं होगी। इस अवधि में यह ट्रेन कुल 27 फेरे लगाएगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 02269 छपरा से 27 मार्च से लेकर 26 अप्रैल तक चलेगी। यह स्पेशल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन लखनऊ और छपरा के बीच सुल्तानपुर जंक्शन, वाराणसी जंक्शन, गाजीपुर सिटी, बलिया और सुरेमनपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

जर्जर बीज गोदाम की नहीं बदली तस्वीर

रेवतीपुर। स्थानीय ब्लाक मुख्यालय पर किसानों के बेहतर सुविधाओं खातिर कृषि मंत्रालय के द्वारा जर्जर बीज गोदाम का कायाकल्प और स्वीकृत कृषि कल्याण केंद्र का निर्माण प्रोजेक्ट की मंजूरी के चार साल बाद भी इसके लिए करीब 80 लाख का बजट शासन के द्वारा आज तक अवमुक्त नहीं किया जा सका है। इसके कारण बजट के अभाव में इस कृषि कल्याण केंद्र का निर्माण शुरू नहीं हो सका है,मालूम हो कि इसके लिए जरूरी जमीन का चयन भी कई साल पहले किया जा चुका है, लेकिन शासन से बजट जारी करवाने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी खुद गंभीर नहीं दिख रह है, ऐसे में यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अब अधर में लटकता दिख रहा है। अधिकारियों की इसी उदासीनता के कारण किसानों को खेती बारी के बारे जरूरी जानकारियां और सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही है,जिसके अभाव में किसान इधर उधर भटकने को मजबूर है,जबकि इसके बजट मंजूरी के लिए इलाके के लोग शासन और कृषि विभाग से कई बार गुहार लगा चुके है। मालूम हो कि ब्लाक क्षेत्र में कुल 46 ग्राम पंचायतें है, जहां पंजीकृत 20 हजार से अधिक किसानों के द्वारा करीब 24 हजार हेक्टेयर में गेहूं चना, अरहर, धान, मटर, मसूर, सरसों, आलू, केला सहित अन्य फसलों की खेती होती है।कृषि बहुल इलाका होने के साथ ही यहाँ के किसानों की मांग पर 2020 में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने जर्जर हो चुके राजकीय बीज गोदाम के कायाकल्प और कृषि कल्याण केंद्र के निर्माण के लिए मंजूरी दी थी,जिसके करीब कुछ दिनों बाद करीब दस विश्वा जमीन का चयन कर लिया गया। एडीओएजी सोहन कुमार पटेल ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के लिए शासन से अभी बजट आवंटित नहीं किया गया है, जैसे ही धनराशि अवमुक्त होगी निर्माण तेजी से शुरू करा दिया जाएगा, बजट के लिए दोबारा पत्र शासन को भेंजा गया है।

नाबालिग लड़की को भगाने में युवक पर मुकदमा

जमानियां। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगाने का मामले में एक युवक के विरूद्ध बुधवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। इस संबंध में लड़की की मां ने स्थानीय थाना में तहरीर देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता की मां ने तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग बेटी को 26 मार्च 2025 को दोपहर करीब 2 बजे एक युवक बहला-फुसलाकर शादी की नीयत से भगा ले गया। परिजनों को जब इस घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क किया और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस की एक टीम को लड़की की तलाश में लगा दिया गया है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद पीड़ित परिवार सदमे में है। परिजनों ने जल्द से जल्द लड़की की बरामदगी की मांग की है।

नदी में डूबे तीन बच्चों में से दूसरे का शव बरामद

सैदपुर। खानपुर थाना क्षेत्र के गौरहट गांव में गोमती नदी में डूबे तीन बच्चों में से दूसरे बच्चे का शव 48 घंटे बाद गंगा नदी में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। बीते सोमवार को गौरहट गांव स्थित गोमती नदी में चार बच्चे नहाने गए थे, जिनमें से तीन बच्चे आरके, ऋषभ और दीपांशु डूब गए। घटना के कुछ देर बाद दीपांशु का शव घटनास्थल के पास से ही बरामद कर लिया गया। अन्य दो बच्चों की तलाश के लिए एनडीआरएफ की टीम तीन दिन से लगातार खोजबीन कर रही थी। बीते बुधवार को घटनास्थल से लगभग 15 किलोमीटर दूर गंगा नदी में सैदपुर थाना क्षेत्र के गायघाट से ऋषभ का शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, अभी भी तीसरे बच्चे की तलाश जारी है। एनडीआरएफ तलाशी अभियान चला रही है।

गहमर में लव जेहाद, नाबालिग युवती को लेकर फरार

गाजीपुर। गहमर थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय हिन्दू युवती को प्रेम जाल में फंसाकर भगाया और परिजनों को धमकी दी कि यदि उन्होंने पुलिस में शिकायत की तो बेटी को जान से मार देगा। डरा-सहमा परिवार पुलिस की शरण में पहुंचा बुधवार को पुलिस ने लड़की के पिता की तहरीर पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मुकदमा दर्जकर लड़के की खोजबीन शुरू कर दी। युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि वह भदौरा बस स्टैंड पर किराए के मकान में परिवार के साथ रहता है। नाबालिग पुत्री 19 मार्च की सुबह घर से लापता हो गई। चार दिनों तक आस-पास नाते-रिश्तेदारों के यहां खोजबीन करता रहा। खोजबीन के दौरान पता चला की दिलदारनगर थाना क्षेत्र के महना गांव निवासी अरमान पुत्र मुमताज नामक लड़के ने उनकी नाबालिग बेटी को प्रेम जाल में फंसाकर बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं भगा ले गया है।

सुखडेहरी कला विद्यालय में गंदगी का साम्राज्य

भांवरकोल। स्थानीय शिक्षा खंड क्षेत्र में परिषदीय विद्यालयों में साफ सफाई के नाम पर क्या लापरवाहियां बिखरी पड़ी है। इसका जांच पड़ताल करने में पड़ताल करने जनसंदेश टाइम्स टीम गुरुवार को परिषदीय विद्यालय सुखडेहरी कला गई। तब वहां गंदगी और घास फूस व झाड़-झंखाड़ उगी देखकर एकदम दंग रह गई। स्कूलों के शौचालय इस कदर गंदे है। इसका ज्वलंत उदाहरण सुखडेहरी कला का यह प्राथमिक विद्यालय है। जबकि प्रशासन द्वारा ऑपरेशन कायाकल्प के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय का सुंदरीकरण किया जा रहा है, लेकिन परिसर में उगी हुई घास से छात्र-छात्राओं को मच्छरों से सामना करना पड़ता है, जिससे मलेरिया, एवं डेंगू का खतरा उत्पन्न हो सकता है यदि साफ नहीं कराया गया तो सांप बिच्छू का डेरा बन जाएगा। विद्यालय की रसोइया खाना बना रही थी और उसके चारों तरफ घासों का अंबार लगा हुआ है। उस रसोई घर का फोटो लेने से प्रधानाध्यापक चिरंजीव गुप्ता ने मना कर दिया। तो इसी सूचना तत्काल खण्ड विकास अधिकारी भांवरकोल महेन्द्र प्रसाद यादव को दी गई। बताया गया कि सफाई कर्मचारी साफ करने आता ही नही है। इस संबंध में खण्ड शिक्षा अधिकारी भांवरकोल निलेन्द चौधरी से संपर्क किया गया तो उन्होंने आश्वासन दिया कि आपके शिकायत की जांच करवाएंगे और दोषियों पर कार्रवाई अवश्य करेंगे।

संपादकीय

राणा सांगा का सच आखिर क्या है

समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा मेवाड़ के महान देशभक्त शासक राणा सांगा (महाराणा संग्राम सिंह) को गद्दार कहे जाने से देश भर में उबाल और बवाल मचा है। भारतीय जनमानस उद्वेलित है और उनसे माफी की मांग कर रहा है। जानना आवश्यक है कि गत रोज पहले सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा ने बाबर को भारत बुलाया था। उन्होंने यह भी कहा कि 'जब मुसलमानों को बाबर का वंशज कहा जाता है, तो फिर हिंदुओं को गद्दार राणा सांगा का वंशज क्यों नहीं कहा जाना चाहिए।' बाबर के महिमामंडन और राणा सांगा के अपमान से देश हतप्रभ है। लोग अचंभित है कि समाजवादी पार्टी के नेता वोटयुक्ति और तुष्टीकरण के लिए क्या इस हद तक गिर जाएंगे कि उन्हें अपने राष्ट्रनायकों के सम्मान का भी बोध नहीं रहेगा? क्या वे इतिहास को यों ही तोड़-मरोड़कर देश की अस्मिता से खिलवाड़ करेंगे?

रही बात ऐतिहासिक तथ्यों की तो इसका कहीं भी उल्लेख नहीं है कि राणा सांगा ने इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को भारत बुलाया था। जहां तक बाबरनामा का सवाल है तो उसमें भी राणा सांगा को महान शासक कहा गया है। दुनिया के इतिहासकारों का एक बड़ा समूह इस ऐतिहासिक झूठ के खिलाफ है कि राणा सांगा ने बाबर को भारत आने के लिए आमंत्रित किया था। सच तो यह है कि वह इसे भारत की गरिमामयी इतिहास और संस्कृति के साथ छल और साजिश मानता है। इन इतिहासकारों का तर्क है कि इब्राहिम लोदी को तीन बार हरा चुके राणा सांगा को बाबर के मदद की तनिक भी जरुरत ही नहीं थी। इतिहासकारों की मानें तो 1527 में हुए बयाना के युद्ध में राणा सांगा ने बाबर को कड़ी शिकस्त दी थी और वह हार के बाद आगरा भाग गया। भला ऐसे में राणा सांगा बाबर को भारत आने के लिए आमंत्रित क्यों करेंगे? गौर करें तो रामजीलाल सुमन जैसे सियासी सुरमा नहीं हैं जो देश की सभ्यता-संस्कृति और इतिहास से खिलवाड़ करते देखे-सुने गए। उन जैसे बहुतेरे हैं जो तुष्टीकरण और वोटयुक्ति के लिए अपनी संस्कृति, सभ्यता, आदर्श और मूल्यों से घृणा से भी हिचकते नहीं हैं। सच कहें तो इस कुकर्म के लिए अंग्रेज और मार्क्सवादी इतिहासकार सर्वाधिक जिम्मेदार हैं जिन्होंने भारतीय इतिहास की मूल चेतना और सच को दफनाने की हरसंभव कोशिश की। अगर भारतीय चेतना को समझकर चैतन्य के प्रकाश में इतिहास लिखा गया होता तो आज राणा सांगा को गद्दार, रानी पद्मावती को अलाउद्दीन खिलजी की प्रेमिका, शहीद भगत सिंह को क्रांतिकारी आतंकवादी, शिवाजी को पहाड़ी चूहिया और चंद्रगुप्त मौर्य की सेना को डाकुओं का गिरोह नहीं कहा जाता। अंग्रेज व मार्क्सवादी इतिहासकारों ने जानबूझकर इस भ्रामक धारणा को बल दिया कि भारत में इतिहास लेखन की समृद्ध परंपरा नहीं रही और इसकी शुरुआत उन्होंने की। लेकिन यह सरासर झूठ है। वेद, पुराण, उपनिषद और तमाम धर्मशास्त्र धार्मिक ग्रंथ होते हुए भी इतिहास विषयक है। इनमें राजाओं की वंशावलियों के अलावा तत्कालीन समाज की रीति-नीति और व्यापार-कारोबार का भरपूर उल्लेख है। सच तो यह है कि अंग्रेज और मार्क्सवादी इतिहासकारों ने इतिहास के सच को सामने लाने के बजाए अनगिनत मनगढ़ंत निष्कर्ष पैदा किए। इसकी कुछ बानगी इस तरह है-रामायण, महाभारत तथा अन्य प्राचीन भारतीय ग्रंथ मिथ हैं। प्राचीन भारतीय पौराणिक साहित्य में वर्णित राजवंशावलियां तथा राजाओं की शासन अवधियां अतिरंजित होने से अप्रमाणिक एवं अविश्वसनीय हैं। प्राचीन भारतीय विद्वानों में ऐतिहासिक लेखन क्षमता का अभाव रहा। भारत के प्राचीन विद्वानों के पास कालगणना की कोई निश्चित तथा ठोस विधा कभी नहीं रही। भारत का शासन समग्र रुप में एक केंद्रीय सत्ता के अधीन अंग्रेजी शासन से आने से पूर्व कभी नहीं रहा। आर्यों ने भारत में बाहर से आकर यहां के पूर्व निवासियों को युद्धों में हराकर अपना राज्य स्थापित किया और हारे हुए लोगों को अपना दास बनाया। भारत के इतिहास की सही तिथियां भारत से नहीं विदेशों से मिली। भारत में विशुद्ध इतिहास अध्ययन के लिए सामग्रियां बहुत कम मात्रा में सुलभ रही। भारत के इतिहास की प्राचीनतम सीमा 2500-3000 ईसा पूर्व तक रही। भारत के मूल निवासी द्रविड़ हैं। यूरोपवासी आर्यवंशी हैं। सरस्वती नदी का अस्तित्व नहीं है। इस तरह के और भी अन्य-अनेक मनगढ़ंत विचारों को आकार देकर उन्होंने भारत के साहित्य को नकारने की कोशिश की। दरअसल इस खेल के पीछे दो मुख्य उद्देश्य था। एक, अपनी सत्ता के खिलाफ विद्रोह को दबाना और दूसरा इस साजिश के जरिए भारतीयों में हीनता की भावना पैदा करना। इसके अलावा उन्होंने अपनी औपनिवेशिक तानाशाही को जायज ठहराने के लिए भी भारतीय इतिहास के साथ घालमेल किया। विलियम कैरे, अलेक्जेंडर डफ, जॉन मुअर, और चार्ल्स ग्रांट जैसे इतिहासकारों ने भारत के इतिहास को अंधकारग्रस्त और हिंदू धर्म को पाखंड और झूठ का पर्याय कहा। भारत में अंग्रेजी शिक्षा के जनक और ईसाई धर्म को बढ़ावा देने वाले मैकाले ने तो यहां तक कहा कि भारत और अरब के संपूर्ण साहित्य का मुकाबला करने के लिए एक अच्छे यूरोपीय पुस्तकालय की एक आलमारी ही काफी है। 1834 में भारत के शिक्षा प्रमुख बने लार्ड मैकाले ने भारतीयों को शिक्षा देने के लिए बनायी अपनी नीति के संदर्भ में अपने पिता को एक पत्र लिखा जिसमें कहा कि मेरी बनायी शिक्षा पद्दति से भारत में ऐसे शिक्षा क्रम चलता रहा तो आगामी 30 वर्षों में एक भी आस्थावान हिंदू नहीं बचेगा। या तो वे ईसाई बन जाएंगे या नाम मात्र के हिंदू रह जाएंगे। समझा जा सकता है कि इतिहास लेखन की आड़ में अंग्रेजी इतिहासकारों के मन में क्या चल रहा था। गौर करें तो इन डेढ़ सौ सालों में इतिहास लेखन की मुख्यतः चार विचारधाराओं का प्रादुर्भाव हुआ-साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी और सबल्टर्न। साम्राज्यवादी इतिहासकारों की जमात भारत में आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना के रुप में कभी भी उपनिवेशवाद के स्वरुप को स्वीकार नहीं की। उनका इतिहास लेखन और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का विश्लेषण मूलतः भारतीय जनता और उपनिवेशवाद के आपसी हितों के आधारभूत अंतरविरोधों के अस्वीकारता पर टिका है। इतिहासकारों का यह खेमा कतई मानने को तैयार नहीं कि भारत राष्ट्र बनने की प्रक्रिया में था। उनके मुताबिक जिसे भारत कहा जाता है, वह वास्तव में विभिन्न धर्मों, समुदायों और जातियों के अलग-अलग हितों का समुच्चय था। दूसरी ओर राष्ट्रवादी इतिहास लेखन की जमात में शामिल इतिहासकारों ने राष्ट्रीय आंदोलन में जनता की भागीदारी को प्रभावकारी माना।

दूसरी ओर मार्क्सवादी इतिहास लेखन की धारा भारतीय राष्ट्रवाद के वर्गीय चरित्र का विश्लेषण और उसकी व्याख्या उपनिवेश काल के आर्थिक विकासक्रमों के आधार पर करने की कोशिश कर भारतीय इतिहास के गौरवपूर्ण कालखंड को मलीन करने की कोशिश की। इन इतिहासकारों ने राष्ट्रवाद की प्रबल भावना को नजरअंदाज करते हुए एक साजिश के तहत भारतीय समाज को ही वर्गीय खांचे में फिट कर दिया। रजनी पामदत्त और सोवियत इतिहासकार वीआइ पारलोव जैसे आरंभिक मार्क्सवादियों के इस वर्गीय दृष्टिकोण को एसएन मुखर्जी, सुमित सरकार और विपिन चंद्रा की बाद की मार्क्सवादी रचनाओं में संशोधित किया गया। मार्क्सवाद उन आर्थिक, राजनीतिक और आर्थिक सिद्धांतों का समुच्चय है जिन्हें उन्नीसवीं-बीसवीं शताब्दी में कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स और ब्लादिमीर लेनिन ने समाजवाद के वैज्ञानिक आधार की पुष्टि के लिए प्रस्तुत किया लेकिन आज पूरी तरह विफल है। भारत के लिए आघातकारी रहा कि आजादी के उपरांत इतिहास लेखन की जिम्मेदारी मार्क्सवादी इतिहासकारों को सौंपी गयी और वे ब्रिटिश इतिहासकारों के कपटपूर्ण आभामंडल की परिधि से बाहर नहीं निकल सके। उन्होंने अंग्रेजों की तरह ही भारतीय इतिहास की एकांगी व्याख्या कर भारतीय संस्कृति को नीचा दिखाने की कोशिश की। अंग्रेजों की तरह उनकी भी दिलचस्पी भारत के राष्ट्रीय गौरव को खत्म करने की रही। आज आधुनिक भारत का पूरा इतिहास लेखन ही मार्क्सवादी इतिहास लेखन है। उचित होगा कि इतिहास का पुनर्लेखन हो। इसलिए कि इतिहास की भारतीय दृष्टि घटना परक नहीं, पुरुषार्थ परक है और वैदिक काल से लेकर अद्यतन इतिहास का क्रम दुनिया में मात्र भारतीय समाज का ही मिलता है।

अरविंद जयतिलक, (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

भारतीय ज्ञान-परम्परा पर कुछ बातें

रविभूषण

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने अक्टूबर 2020 में भारतीय ज्ञान-परम्परा विभाग की स्थापना की है, जो अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) के मुख्यालय में है। भारतीय ज्ञान-परम्परा (आईकेएस) का प्रतीक-चिह्न (लोगो) 'भद्रायां सुमतौ यतेम' है, जिसका अर्थ है "हम आपकी सुखद सही सोच में काम करना और प्रयास करना चाहते हैं।" अग्नि के लिए जो कुछ भजन हैं, उनके कुछ अंशों में यह एक है। यह ऋग्वेद के एक सूक्त की पंक्ति है, भारद्वाज बार्हस्पत्य मंत्र की है।

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 303 सीट प्राप्त हुई थी। इसके बाद भाजपा ने धर्म, सनातन धर्म, हिन्दू धर्म, वेद आदि पर विशेष रूप से ध्यान देना आरंभ किया। सरकार ने एक नयी शिक्षा नीति (एनईपी) बनाई, जिस पर काफी कुछ लिखा-कहा गया है, पर सरकार तो सरकार है और वह भी बहुमत की सरकार। 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का ड्राफ्ट जिस कमिटी ने तैयार किया है, उसके अध्यक्ष इसरो (इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन) के पूर्व प्रमुख के. कस्तूरीरंगन थे। इसके सदस्यों में वसुधा कामत, मंजु भार्गव, के. जे. अलफोन्स, रामशंकर कुरील और टी.वी. कट्टिमणि थीं। इनके अतिरिक्त महेश चन्द्र पंत, गोविन्द प्रसाद शर्मा, नज्मा अख्तर, माइकेल डैनिनो, मिलिन्द कांबले, जगबीर सिंह, एम के श्रीधर, धीर जिंगरन, शंकर मरूवदा भी थे। इन सबमें कौन प्रमुख शिक्षाविद भी थे, यह अलग से विचारणीय है। विचारणीय यह भी है कि भारत सरकार के शिक्षा-मंत्रालय ने भारतीय ज्ञान-प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए अलग से भारतीय ज्ञान-परम्परा के विभाग की स्थापना किन उद्देश्यों के तहत की? अचानक भारतीय ज्ञान-परम्परा की ओर सरकार क्यों उन्मुख हुई? इक्कीसवीं सदी के भारत में सरकार के इस परम्परा-प्रेम के क्या कारण है?

2020 के बाद भारत के अनेक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, शिक्षण-संस्थाओं एवं अन्यत्र भारत की ज्ञान-परम्परा पर लेक्चर दिये जा रहे हैं, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियाँ हो रही हैं और इस विषय पर हिन्दी में सामान्य कोटि की पुस्तकें भी प्रकाशित हो रही हैं। भारतीय ज्ञान का प्रचार-प्रसार हो रहा है। फंड की कोई कमी नहीं है। आयोजन और सेमीनार के लिए केवल बुद्धि चाहिए। भारतीय ज्ञान से जुड़े पचासों विषय हैं, जिन पर राष्ट्रीय-अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम संभव है। इन दिनों हवा में भारतीय ज्ञान-परम्परा की अनेक गूंजें हैं। इससे शायद ही कोई इन्कार करेगा कि भारतीय ज्ञान-परम्परा अन्य किसी भी ज्ञान-परम्परा से कम समृद्ध है। भारत का ज्ञान-वैभव विशाल है, व्यापक है। यह ज्ञान-परम्परा दुनिया की सबसे पुरानी ज्ञान-परम्पराओं में से एक है। इसकी तुलना केवल यूनानी ज्ञान-परम्परा से ही की जा सकती है। विश्व की सभी प्राचीन सभ्यताओं में सिन्धु घाटी की सभ्यता या हड़प्पा की सभ्यता के पहले हम केवल मेसोपोटामिया की सभ्यता देखते हैं। भारत की ज्ञान-परम्परा का आरंभ अब तक वेदों से माना जाता रहा है। वेद भारतीय सभ्यता के सबसे पुराने ग्रंथ हैं। भारतीय ज्ञान-परम्परा में भाषा, तर्कशास्त्र, मनोविज्ञान, विज्ञान, चिकित्सा-शास्त्र, नाट्य-शास्त्र, धर्म शास्त्र अर्थशास्त्र, कला, साहित्य, ज्योतिष शास्त्र, खगोल विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, वास्तु शास्त्र, दर्शन सब हैं, पर आज इन सबको, इनमें हुए विविध कार्यों को न तो आँख मूंदकर ग्रहण किया जा सकता है और न पूरी तरह आधुनिक युग में स्वीकार किया जा सकता है। भारतीय ज्ञान-काण्ड का ऐतिहासिक महत्व है। आज आवश्यकता तर्क, संवाद, बहस और क्रिटिकल एप्रोच की है, जो इस समय कम है। शिक्षण संस्थाओं के प्रमुखों की बहाली के साथ कॉलेजों और अवश्वविद्यालयों में प्राचार्यों और कुलपतियों सहित विभिन्न पदों पर होने वाली नियुक्तियों को देखें और समझे जिसमें योग्यता एवं गुणवत्ता पर ध्यान न देकर अन्य चीजों पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार को 'ज्ञान' से कोई मतलब नहीं है, पर वह ज्ञान-परम्परा का इस समय प्रचार कर रही है।

भारतीय ज्ञान-परम्परा केवल हिन्दू और ब्राह्मण ज्ञान-परम्परा नहीं है। ब्राह्मण ज्ञान-परम्परा के साथ ही यहाँ श्रमण ज्ञान-परम्परा भी रही है, जिस पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया। यह 'श्रमण ज्ञान' परम्परा जैन और बौद्ध धर्म में है। ब्राह्मण परम्परा में वेद प्रमुख हैं, श्रमण परम्परा वेदों को ज्ञान का सर्वोच्च स्त्रोत नहीं मानती। यह व्यक्ति के स्वानुभव और प्रयत्न प्राप्त ज्ञान पर बल देती है। इसमें आत्म ज्ञान और आत्म विजय का महत्व है। आत्म साक्षात्कार का भी। ब्राह्मण परम्परा में ब्रह्म प्रमुख है। वेद वाक्य ब्रह्म वाक्य है। श्रमण परम्परा में ईश्वर का महत्व नहीं है। आस्तिक और नास्तिक दर्शन की दो धाराएँ भारत में विद्यमान रही हैं, जिनमें वर्चस्व आस्तिक दर्शन और विचारधारा का रहा है, जो अब भी कायम है। जब सत्ता-व्यवस्था और सरकारें इसे बढ़ावा दे रही हों, तो यह समझा जा सकता है कि वे भारत की ज्ञान-परम्परा का कौन-सा अर्थ ग्रहण करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी एक हिन्दू धार्मिक छवि निर्मित की है। वे महाकुंभ का महत्व संसद में बताते हैं, जबकि भारत की संसद हिन्दू संसद नहीं है। वेद, उपनिषद और स्मृति ब्राह्मण परम्परा के धर्म ग्रंथ हैं। जैनिज्म का प्राथमिक सिद्धान्त अहिंसा है। मक्खालि गोसाल के आजीवक दर्शन का ही विस्तार है जैन-बौद्ध और चार्वाक-लोकायत की नास्तिक और भौतिकवादी दार्शनिक परम्पराएँ। भारतीय ज्ञान-परम्परा में आरंभ से अब तक वैदिक और ब्राह्मण ज्ञान-परम्परा का वर्चस्व रहा है। भारतीय ज्ञान के कुछ पक्षों को लेकर कट्टरता को बढ़ावा दिया जा रहा है। क्या केन्द्र की सरकार ने भारतीय ज्ञान-परम्परा को केवल हिन्दू ज्ञान-परम्परा में विघटित करने की कोशिश नहीं की है?

फिलहाल भारत 19वीं सदी के नवजागरण से इक्कीसवीं सदी में धार्मिक पुनरूत्थानवाद की ओर अग्रसर है। भारत की ज्ञान-परम्परा केवल धार्मिक ज्ञान-परम्परा नहीं है। ज्ञान और धर्म में अंतर है। 'ज्ञान' के अंतर्गत सबकुछ समाहित हो जाता है। भारतीय ज्ञान-परम्परा को हिन्दू ज्ञान-परम्परा कहना उचित नहीं है क्योंकि इस देश में केवल हिन्दू धर्म ही नहीं है, बौद्ध, जैन, सिख, पारसी और ईसाई धर्म भी हैं, जिनमें बौद्ध और जैन प्राचीन धर्म है। रोमिला थापर ने लिखा है कि 'धर्म' के रूप में 'हिन्दू' शब्द का इस्तेमाल 15वीं शताब्दी से पहले नहीं था। अभी रणेन्द्र ने अपने एक लेख 'भारत के इतिहास में बाइनरी और वर्चस्व' (आलोचना 76) में उनका यह कथन उद्धृत किया है कि 'हिन्दू' शब्द का 'धर्म' के रूप में पहला प्रयोग 1850 के दशक में ईस्ट इंडिया कम्पनी के सिविल सेवकों और व्यापारियों ने किया। शिक्षा मंत्रालय के ज्ञान प्रणाली विभाग (आईकेएस) का सारा बल हिन्दू ज्ञान-परम्परा पर है। जिस समय सरकार हिन्दू राष्ट्र के निर्माण की ओर अग्रसर हो, उस समय भारतीय ज्ञान को हिन्दू ज्ञान बताना, समझाना उसके लिए कहीं अधिक लाभकर है। भारतीय ज्ञान-परम्परा पर विचार के सरकारी उद्देश्य स्पष्ट हैं। शिक्षा के भगवाकरण के बाद भातीय ज्ञान को हिन्दू एवं ब्राह्मण-ज्ञान के पर्याय के रूप में प्रस्तुत करने के अपने लाभ है। यह ज्ञान का राजनीतिकरण भी है।

भारत एक बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक, बहुभाषिक राष्ट्र है, पश्चिम और यूरोपीय राष्ट्रों से भिन्न। यहाँ ज्ञान की कोई एक परम्परा नहीं थी। यह दूसरी बात है कि वैदिक ज्ञान और परम्परा का यहाँ सदैव 'वर्चस्व' रहा है। भारतीय ज्ञान-परम्परा भारत की विभिन्न ज्ञान-प्रणालियों और दर्शनों का एक समग्र रूप है, जिसमें विविध ज्ञान धाराओं का समावेश है। 'ज्ञान' का संबंध 'धर्म' से नहीं चिंतन से है और यहाँ चिंतन के अनेक स्वर हैं। वेद को मानने वाले और उसे अस्वीकार करने वाले भी हैं। ज्ञान का संबंध तर्क और विवेक से है, प्रश्न और जिज्ञासा से है, जबकि धर्म का संबंध केवल आस्था और श्रद्धा से है। धार्मिक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। अब युवा-मानस को धार्मिक बनाने के लिए नये सिरे से पाठ्य-क्रम बनाये जा रहे हैं और करोड़ों-करोड़ की राशि भारतीय ज्ञान-परम्परा को वैदिक ज्ञान-परम्परा के रूप में बताने, समझाने के लिए खर्च की जा रही है। इस पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता कि लिखित ज्ञान-परम्परा के पहले एक मौखिक ज्ञान-परम्परा भी रही होगी। मौखिक इतिहास (ओरल हिस्ट्री) के क्षेत्र में कम कार्य हो रहे हैं। कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के एलेन नेविंस को 'आधुनिक मौखिक इतिहास का जनक' माना जाता है। ज्ञान-परम्परा केवल लिखित ही नहीं, मौखिक भी है। 1965 में फ्रेंच में जॉन वैनसिना की एक पुस्तक प्रकाशित हुई थी, जिसका अंग्रेजी अनुवाद एच.एम.राइट ने 'ओरल ट्रैडिशन : ए स्टडी इन हिस्टोरिकल मेथोडोलॉजी' शीर्षक से 2006 में किया। आदिवासियों की ज्ञान-परम्परा मौखिक है, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक संचरित होती है। आदिवासी ज्ञान-प्रणाली एक समग्र ज्ञान-प्रणाली है। हेरोडोटस ने, जिन्हें 'इतिहास का जनक' कहा जाता है, ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी में मौखिक आख्यान (ओरल नैरेटिव) पर विचार किया था।

भारतीय ज्ञान-परम्परा में आदिवासी ज्ञान-परम्परा शामिल नहीं है। आदिवासियों की ज्ञान-प्रणाली, विलुप्त होने के कगार पर है। यह ज्ञान-प्रणाली अनौपचारिक, अलिखित और मौखिक है। यहाँ मनुष्य प्रकृति से अलग नहीं है। मनुष्य-प्रकृति का सह संबंध-भाव जितना आदिवासी समाज में है उतना किसी अन्य समाज में नहीं। अब आदिवासी ज्ञान-परम्परा पर कुछ बातें होने लगी हैं। तीन वर्ष पहले 2022 में आंध्रप्रदेश के सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी में आयोजित संगोष्ठी ('ट्राइबल नालेज सिस्टम' विषय) में बीज वक्तव्य देते हुए चिन्ना वीरा भद्रदु ने कहा था कि इस समय आदिवासियों की संस्कृति और परम्परा की सुरक्षा जरूरी है। इस देश में आदिवासियों का इतिहास 25 हजार वर्ष पुराना है और उनका ज्ञान एक 'गुप्त कोष' (ट्रेजर ट्रोव) है। आज आवश्यक है भारतीय ज्ञान-परम्परा पर विचार के क्रम में श्रमण ज्ञान-परम्परा और आदिवासी ज्ञान-परम्परा पर भी विचार। कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़ के शोधार्थी दत्ता निरंजन नंदि कोलमठ तथा कर्नाटक आर्ट्स कॉलेज के मानव-विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरूणा एस हल्लिकेरी के संयुक्त पत्र 'द एसेंस ऑव द ट्राइबल नॉलेज सिस्टम इन द इंडियन नॉलेज सिस्टम' में भारतीय ज्ञान-पद्धति में आदिवासी ज्ञान-पद्धति के सत्त्व/तत्व (एसेंस) को देखा गया है।

भारत का गौरव-गान जिस तरह हमारी सरकार कर रही है, अपने भारतीय और हिन्दू होने के श्रेष्ठता-बोध को जिस रूप में बढ़ाया जा रहा है, वह आत्मश्लाघा के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। पहले हम क्या थे, इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि आज हम क्या हैं। अतीत के गौरव-गान एवं महिमा मंडन से भारत का विकास नहीं होगा। विलियम डेलरिम्पल ने अभी अपनी नयी पुस्तक 'द गोल्डेन रोड : हाउ एनसिएंट इंडिया ट्रांसफौर्म्ड द वर्ल्ड' (2024) में भारत के 'गोल्डेन रोड' को, जो सही अर्थों में 'स्पाइस रोड' है, 'दुनिया में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का मार्ग' बताया है। आलोचक-संपादक शम्भुनाथ ने इसी महीने (मार्च 2025) के 'वागर्थ' के सम्पादकीय में विस्तारपूर्वक इस धारणा का खंडन किया है, सार्थक हस्तक्षेप किया है। उन्होंने इस दावे को चिन्ताजनक माना है कि दर्शन, विज्ञान, सभ्यतादि सभी क्षेत्रों में भारत ने विश्व को शिक्षित किया, मार्ग दिखाया। डेलरिम्पल भारत के 'गोल्डन रोड' को 'दुनिया में ज्ञान का प्रकाश फैलाने का मार्ग' बताते हैं। शम्भुनाथ 'द गोल्डन रोड' को 'सांस्कृतिक ईंधन' कहते हैं और चीन के 'सिल्क रोड' के जवाब में इसे खड़ा किए जाने की बात करते हैं। हिन्दी के इस आलोचक की यह चिन्ता वाजिब है, जो औरों की भी चिंता होनी चाहिए कि अब यूरोकेन्द्रिक सोच के जवाब में भारत केन्द्रिक सोच को बढ़ावा दिया जा रहा है - "बौद्धिक दुनिया में लोकप्रियतावाद का प्रवेश वस्तुतः एक किस्म का बौद्धिक आत्म-समर्पण है' जो इधर बढ़ रहा है। वैदिक-ब्राह्मण ज्ञान-परम्परा को सरकार अत्यन्त सुनियोजित और व्यवस्थित ढंग से प्रचारित कर रही है। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ऐसे आयोजनों और सेमिनारों की संख्या बढ़ रही है। यह सब एक विशेष परम्परा को पुनर्जीवित करना है, जो 'हिन्दुत्व' और 'हिन्दू राष्ट्र' की विचारधारा में सहायक है। इक्कीसवीं सदी का भारत क्या इस मार्ग पर, हिन्दू पुनरुत्थानवाद के मार्ग पर चल कर अपना विकास करेगा?

ज्ञान का दूर-दूर से कूपमंडुकता से संबंध नहीं है। भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों को नष्ट किया जा रहा है और प्रायः सभी कुलपति सरकार के एजेंडे को किसी न किसी रूप में लागू भी कर रहे हैं। भारतीय ज्ञान-परम्परा में स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और विश्व-शान्ति के सिद्धान्तों को मान्यता दी गयी है और हमारी सरकार इसके विरोध में हैं। उसके लिए ज्ञान-मीमांसा, धर्म-मीमांसा और हिन्दू मीमांसा है। वैदिक कथन है - "आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः" अर्थात हर तरफ से नेक विचार हमारे पास आएँ। सात्विक विचार केवल भारत में नहीं था। ज्ञान की खिड़कियाँ खोलने पर ही रोशनियाँ आयेंगी। दरवाजे जब खुलेंगे, प्रकाश फैल जाएगा। यह मान्यता भी गलत है कि सारा भारतीय ज्ञान संस्कृत में ही उपलब्ध है। संस्कृत को हिन्दू धर्म की, अरबी को इस्लाम की और पालि को बौद्ध धर्म की भाषा मानना अनुचित है। भाषा का संबंध समाज से है, न कि धर्म से। बार-बार जिस एक राष्ट्र (वन नेशन) की बात कही जा रही है, वह हिन्दू राष्ट्र के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। आज धर्म और अध्यात्म की नहीं, विज्ञान और तकनीक की जरूरत है। शिक्षा का कार्य वैज्ञानिक, तार्किक और बौद्धिक चतना को विकसित करना है, न कि धार्मिक, साम्प्रदायिक और आध्यात्मिक चेतना को। भाषा धार्मिक-अधार्मिक नहीं होती। संस्कृत के पहले भी कोई भाषा थी, उस पर कम विचार किया जाता है। बुद्ध ने अपने वचनों को छांदस (संस्कृत का पूर्व रूप) कहा है। उन्होंने अपने वचनों को संस्कृत में संकलित करने से मना किया था।

भारत की ज्ञान-परम्परा का दुनिया की अन्य ज्ञान-परम्पराओं से संबंध रहा है। इसने केवल दिया ही नहीं, बहुत कुछ बाहर से ग्रहण भी किया है। भारत और यूनान की ज्ञान-परम्परा ने एक दूसरे को व्यापार, यात्रा एवं सांस्कृतिक, विनिमय के जरिये प्रभावित किया था। रिचार्ड सी फोर्ड की पुस्तक 'द ओरिजिन्स ऑव फिलॉसफी इन एनसिएंट ग्रीक एंड एनसिएंट इंडिया : ए हिस्टॉरिकल कैम्परिजन' और थॉमस मैकेविले की पुस्तक 'द शेप ऑफ इंडियन थॉट : कम्परैटिव स्टडीज इन ग्रीक क्लासिक्स ऑन इंडियन कल्चर इन एनसिएट इंडिया' में भारतीय ज्ञान-परम्परा एवं यूनानी ज्ञान-परम्परा पर विचार किया गया है। खगोल शास्त्र, गणित एवं दर्शन में भारत और यूनान के बीच एक संवाद था। यूनान का वैज्ञानिक ज्ञान भारतीय ग्रहण कर रहे थे। भारतीय खगोल-विज्ञान ने यूनान के खगोल-विज्ञान से बहुत कुछ ग्रहण किया है। आर्यभट्ट (476-550 ईसवी) ने यूनानी खगोल विज्ञान के आधार पर कार्य किया। वराहमिहिर जैसे खगोलज्ञ ने खगोल-विज्ञान में यूनानी योगदान को स्वीकारा है। भारतीय ज्ञान-परम्परा पर सुचिंतित रूप से इस समय विचार की जरूरत है। ज्ञान कभी स्थानीय नहीं होता। उसका अर्थ और महत्व सार्वभौमिकता में है। सरकार व्यापक स्तर पर भारतीय ज्ञान-परम्परा को हिन्दू और ब्राह्मण ज्ञान-परम्परा साबित करने में लगी हुई है। हमें अपनी आँखें खुली रखनी चाहिए और हाँ, अपना दिमाग भी।

(लेखक वरिष्ठ आलोचक एवं सामाजिक, राजनीतिक चिंतक हैं, संपर्क 94311 03960)

भारत देश मेंध्वनि प्रदूषण का खतरा

सोनम लववंशी

बच्चे धीरे-धीरे बहरे होते जा रहे हैं। मोबाइल, लैपटॉप, गेमिंग, और तेज आवाज में संगीत सुनने की बढ़ती लत ने उनकी सुनने की सहज क्षमता को गहरा नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। आधुनिक जीवन शैली, स्क्रीन पर बढ़ती निर्भरता, और स्टेटस सिंबल बन चुके ईयरफोन व हेडफोन?कस खतरा अब केवल एक आशंका नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय लगातार चेतावनी दे रहे हैं। डब्ल्यूएचओ की दक्षिण-पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद के अनुसार, इस समय दुनिया भर में 1.40 अरब लोग सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं, जिनमें 40 करोड़ केवल दक्षिण-पूर्व एशिया में हैं। यदि यह स्थिति नहीं बदली, तो अनुमान है कि वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित होंगे। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि एक बड़े स्वास्थ्य संकट की ओर संकेत कर रहे हैं, जिसकी अनदेखी भविष्य में भारी पड़ सकती है। सामान्यतः बढ़ती उम्र के साथ सुनने की क्षमता में कमी आती है, लेकिन अब छोटे बच्चों और किशोरों में भी यह समस्या तेजी से देखने को मिल रही है। खासकर वे बच्चे, जो घंटों ईयरफोन लगाकर गेमिंग करते हैं या तेज आवाज में म्यूजिक सुनते हैं, उनकी श्रवण शक्ति तेजी से क्षीण हो रही है। यह समस्या पहले हल्की सुनने की परेशानी से शुरू होती है और धीरे-धीरे स्थायी बहरेपन में बदल जाती है। बच्चों के नाजुक कान लगातार तकनीकी ध्वनियों के दबाव में अपनी स्वाभाविक सुनने की क्षमता खोने लगते हैं। तकनीक ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन इसके साथ ही कई जटिलताएं भी पैदा की हैं। मोबाइल और इंटरनेट की दुनिया ने बच्चों को डिजिटल माध्यमों से जोड़ दिया है। पढ़ाई से लेकर मनोरंजन तक सब कुछ स्क्रीन पर उपलब्ध है। ऐसे में माता-पिता की नसीहतें बच्चों के लिए कम प्रभावी होती जा रही हैं। इसके साथ ही स्टेटस सिंबल बनने के कारण भी ईयरफोन और बड्स को लगातार इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई लोग खुद को व्यस्त दिखाने के लिए भी हर वक्त ईयरफोन लगाए रहते हैं, जिससे उनकी सुनने की क्षमता पर गंभीर असर पड़ रहा है। समस्या यह है कि यह सब बच्चों के लिए मनोरंजन का मुख्य साधन बन चुका है। वे इसे अपनी जीवनशैली का हिस्सा मान चुके हैं और इसके संभावित खतरों से अनभिज्ञ हैं। अब यह संकट केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या बन चुका है। सवाल उठता है कि इस बढ़ते खतरे को कैसे रोका जाए? इस स्थिति से निपटने के लिए जागरूकता बेहद जरूरी है। अभिभावकों को बच्चों की इस आदत को गंभीरता से लेना होगा और उन्हें समझाना होगा कि यह समस्या उनके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है। केवल नसीहतें देने से कुछ नहीं होगा, उन्हें रचनात्मक तरीके से इस समस्या से बचने के उपाय सिखाने होंगे। यदि बच्चों को हेडफोन लगाकर गाने सुनने की आदत है, तो उन्हें सीमित आवाज में और कम समय के लिए सुनने की सलाह दी जाए। अब समय आ गया है जब ध्वनि प्रदूषण को भी एक गंभीर खतरे के रूप में देखा जाना चाहिए। महानगरों में बढ़ते शोर और लगातार ऊंची आवाज में बजते संगीत कार्यक्रमों से बच्चों के कानों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। सार्वजनिक स्थलों पर ध्वनि स्तर को नियंत्रित करने के लिए कड़े नियम बनाए जाने चाहिए, ताकि अनावश्यक शोर से बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

मिलॉर्ड आप देश का भविष्य और युवाओं के आदर्श हैं

योगेश मोहन

किसी भी देश की सुख, शांति व समृद्धि की पहचान वहाँ की श्रेष्ठ न्याय प्रणाली होती है। न्याय प्रणाली के

अन्तर्गत उस देश के न्यायधीश की भूमिका सर्वोपरी होती है, जिस देश का न्यायधीश नीर-क्षीर-विवेक के साथ निर्णय लेता है, वह देश निश्चित रूप से उन्नति की ओर अग्रसर होता है। इसके विपरीत जिस देश की न्यायपालिका भ्रष्ट होती है उस देश की अवनति निश्चित है। ऐसी परिस्थिति में न केवल वहाँ की जनता प्रताड़ित होती है अपितु वह देश शनैः-शनैः गरीबी रेखा से नीचे पहुँच जाता है।

मुगल शासन से पूर्व भारत देश सोने की चिड़िया कहलाता था, इसका मुख्य कारण यह था कि उस समय की न्यायपालिका पूर्णतया निष्पक्ष होती थी और राजा अपने परिवार के सदस्यों को भी कठोर दंड देने में नहीं झिझकते थे। विक्रमादित्य, कृष्ण देवराय, हर्षवर्धन, चन्द्रगुप्त मोर्य अशोक आदि राजा अपने न्याय के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। इनकी विशेषता यह थी, इन्होंने अपने शासनकाल में दंड के बजाय सुधार पर जोर दिया था। समय परिवर्तन के साथ-साथ मुगलों तथा अंग्रेजों के भारत में आगमन के पश्चात, न्यायपालिका का राजनीतिकरण होने के कारण भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का उत्पीड़न प्रारंभ हो गया। वर्ष 1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ तो, जनता को यह आश्वासन दिया गया कि अब राम राज्य पुनः स्थापित होगा और देश में पुनः दूध की नदियाँ प्रवाहित होंगी, निर्धन जनता को त्वरित न्याय प्राप्त होगा और न्यायपालिका की छवि पुनः गौरवशाली होगी, परंतु यह जनता के लिए मात्र एक दुःस्वप्न ही रहा। आज भारत को स्वतंत्र हुए 78 वर्ष व्यतीत हो चुके हैं और न्यायपालिका में 5 करोड़ से अधिक वाद लंबित हैं। वादी अपनी युवावस्था से वृद्धावस्था तक न्याय की प्रतीक्षा करते-करते प्राण त्याग देते हैं और वादी की अगली पीढ़ी उस न्याय के लिए प्रयासरत हो जाती है। 40-50 वर्षो से लंबित वाद न्याय हेतु प्रतीक्षारत होते हैं और माननीय न्यायाधीशों के समक्ष ही पेशकार हर तारीख पर अग्रिम तारीख देने हेतु निर्धन जनता को बाध्य करते हैं। गरीब जनता 20-25 किलोमीटर की दूरी से न्याय की आशा में आती है और दिनभर की आशा संध्या तक हताशा में परिवर्तित हो जाती है और वो नई तारीख पर पेशकार की सेवा कर घर वापिस लौट जाते हैं। भारत में अब केवल लंबित वादों की ही विकट समस्या नहीं रही इससे भी इतर, अब न्यायाधीशों के भ्रष्टाचार एवं दुष्चरित्र के प्रकरण भी अधिकाधिक मात्रा में प्रकट होने लगे हैं। पूर्व में भारत अंग्रेजो का गुलाम था, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भ्रष्ट राजनीति का गुलाम है। न्यायधीश के यहाँ अत्यधिक मात्रा में धनराशि का प्राप्त होना, यह प्रदर्शित करता है कि अवश्य ही दाल में कुछ काला है। इस सत्य को कोई नहीं नकार सकता कि न्यायाधीशों के भ्रष्टाचार बहुत कम ही प्रमाणित होते हैं। उनके द्वारा मुकदमों को लम्बित करने एवं उनके द्वारा दिए गए निर्णय अनेकों बार भ्रष्टाचार से लिप्त अर्थात संदेहास्पद होते हैं। चुंकि भ्रष्ट न्यायधीशों के विरूद्ध कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य न होने के कारण उनपर किसी तरह का आक्षेप नहीं लगाया जाता, परन्तु मौन असंतोष अवश्य ही अभिव्यक्त किया जाता है। न्यायपालिका के अन्तर्गत व्याप्त भ्रष्टाचार को यदि अभिव्यक्त किया जाए तो उसके अर्न्तगत विभिन्न प्रकार से धन का आदान-प्रदान होता है, जिसका माध्यम परिवार के सदस्यों, वकीलों और दलालों को बनाया जाता है, इसलिए इसको प्रमाणित करना नामुमकिन है। पूर्व में भ्रष्टाचार नीचे की अदालत में होता था अब यह ऊपर तक पहुंच गया है। आज की न्यायपालिकाओं का विहंगम दृश्य भारत के लिए अत्यधिक दुखद है। इसका प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव सम्पूर्ण विश्व में भारत की सम्मानजनक छवि को धूमिल कर रहा है और भारत विश्व के भ्रष्टतम देश के सूची में सर्वोच्च स्थान पर पहुँच चुका है। जब न्यायपालिका ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाएगी तो भ्रष्टाचारियों का अनियंत्रित हो जाना स्वाभाविक है। यदि भारत देश की न्यायपालिका के अन्तर्गत होने वाले भ्रष्टाचार को समूल नष्ट करना है तो निम्न सुझावों को वैधानिक स्वरूप दिया जाना नितान्त आवश्यक है, यथा - भ्रष्ट न्यायाधीशों का अपराध सिद्ध होने पर उनको तीन माह के अन्तराल में कठोरतम सजा का प्रावधान हो, न्यायधीशों को सेवानिवृत्ति के पश्चात आगामी पांच वर्ष तक कोई भी सरकारी पद अथवा सरकारी सुविधा से वंचित किया जाना चाहिए और भ्रष्ट न्यायाधीशों की खोज करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समान एक स्वतंत्र एजेंसी को स्थापित किया जाना चाहिए, जो भ्रष्ट न्यायाधीशों पर अंकुश लगाने हेतु स्वतंत्र रूप से कार्य करें। उस एजेंसी पर प्रकार का राजनीतिक दवाब नहीं होना चाहिए। यदि ऐसी व्यवस्था सम्भव हो जाती है तब निश्चितः भारत देश को वास्तविक स्वतंत्रता प्राप्त होगी। **(वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)**

लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज आवेश फिट

शौर्य न्यूज इंडिया

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य तेज गेंदबाज आवेश खान अपनी चोट से उबर गये हैं। आवेश को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मेडिकल स्टाफ ने खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में आवेश को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच के लिए शामिल किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार आवेश के दाहिने घुटने में दर्द था जो अब ठीक है। इसी कारण ये तेज गेंदबाज शुरूआत में आईपीएल 2025 के पहले के कुछ मैचों से बाहर था। आवेश अपने दाहिने घुटने की चोट के कारण इस साल जनवरी से ही खेल से दूर हैं। वह बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे थे, जहां सोमवार को उनका अंतिम फिटनेस मूल्यांकन हुआ। आधिकारिक तौर पर अभी ये पता नहीं चला है कि आवेश कब टीम से जुड़ेंगे। सुपर जायंट्स अपने तेज गेंदबाजों के फिट नहीं होने से परेशान हैं। टीम के तेज गेंदबाज मोहसिन खान, मयंक यादव और आकाश दीप इसी कारण टीम से बाहर हैं। इनकी वापसी कब तक होगी ये कहा नहीं जा सकता। लखनऊ को गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है।

शुभमन से हर बार बड़े स्कोर की उम्मीद नहीं कर सकते : आकाश चोपड़ा : नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल का बचाव करते हुए है कि उनसे 10 में से 9 मैचों में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद करना सही नहीं है। शुभमन इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में 33 रनों पर ही आउट हो गये थे। आकाश ने शुभम के अजमतुल्लाह उमरजई और फिर मार्को जेनसन की गेंदों के खिलाफ प्रदर्शन की भी समीक्षा की है। चोपड़ा ने कहा, शुभमन से आप लगभग उम्मीद करते हैं कि वह 10 में से 9 बार अच्छा प्रदर्शन करेंगे, खासकर अहमदाबाद में। एक ओवर ऐसा था जिसमें उन्होंने उमरजई और फिर जेनसन को पूरी तरह से पीछे छोड़ा था।

लखनऊ सुपर जॉइंट्स व सनराइजर्स हैदराबाद में टक्कर : हैदराबाद। लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। कप्तान ऋषभ पंत की सुपर जॉइंट्स की टीम को पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार मिली थी। ऐसे में उसपर किसी भी हाल में ये मैच जीतने का दबाव रहेगा। वहीं दूसरी ओर कप्तान पैट कमिंस की सनराइजर्स ने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया था। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा और वह जीत की लय बनाये रखने उतरेगी। सनराइजर्स की दावेदारी इसलिए भी प्रबल मानी जा रही है क्योंकि उसके पास एक से बढ़कर एक आक्रामक बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमक को धवस्त कर सकते हैं।

रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में उसकी टीम ने आईपीएल का अब तक का सबसे अधिक सकोर 286 रन बनाया था।

उसके पास कई आक्रामक बल्लेबाज हैं जिनका अंकुश लगाना दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। कई प्रमुख गेंदाबाजों के चोटिल होने से भी सुपर जॉइंट्स की परेशानी बढ़ी है हालांकि इस मैच से पहले तेज गेंदबाजा आवेश खान के फिट होने से टीम को थोड़ी राहत मिली है। सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन ने पहले ही मैच में शतक लगाकर अपनी इरादे जाहिर कर दिये थे। अब उसे किसी प्रकार दिल्ली के गेंदबाज रोकेंगे ये देखना होगा। इसके अलावा टीम के पासा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और हेनरिक क्लासेन और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। इस प्रकार के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने सुपर जॉइंट्स के गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। लखनऊ के लिए चिन्ता की बात ये है कि उसके कप्तान ऋषभ पिछले मैच में शून्य पर ही आउट हो ये थे। इसके अलावा उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं थी और उन्होंने कई अवसर गंवाये थी। ऐसे में इस मैच में उन्हें कोई गलती नहीं करनी होगी। लखनऊ के लिए पहले मैच में मिशेल मार्श और निकोलस पूरण ने आक्रामक अंदाज में पारी शुरू की थी और टीम चाहेगी कि इस मैच में भी ये दोनो ऐसा ही करें। बल्लेबाजी करके अर्ध शतक लगाए थे तथा टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम का मध्यक्रम पहले मैच में असफल रहा था। अब इस मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो पहले मैच में स्पिनर रवि बिश्नोई के अलावा अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। टीम के तेज गेंदबाजों को भी इस मैच में अपनी भूमिका ठीक से निभानी होगी। दूसरी ओर सनराइजर्स की गेंदबाजी मो शमी, जयदेवा उनादकट जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर एडम जंपा और राहुल चाहर पर आधारित रहेगी।

दिल्ली कैपिटल्स के कोच बदानी बोले, ऊंगली में चोट के बाद भी आशुतोष ने बल्लेबाजी की : नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कोच हेमंग बदानी ने युवा बल्लेबाज आशुतोष शर्मा की जमकर सराहना की है। बदानी ने कहा है कि आशुतोष ने ऊंगली में लगी चोट के बाद भी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस मैच में कैपिटल्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रनों पर ही 5 विकेट गंवा दिये थे पर आशुतोष ने 31 गेंदों पर 66 रन बनाकर अपनी टीम की जीत तय कर दी।

सनराइजर्स हैदराबाद शीर्ष रॉयल्स अंतिम स्थान पर

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सत्र में गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आखिरकार पहली जीत मिल ही गयी है। केकेआर ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर इस सत्र का पहला मुकाबला जीता। इस जीत के बाद भी हालांकि टीम अंक तालिका में शीर्ष 5 से बाहर हैं। वहीं लगातार दूसरी हार से राजस्थान रॉयल्स अंतिम स्थान पर पहुंच गयी है। इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद शीर्ष पर है। इसका कारण उसका रन रेट बेहतर होना है। वहीं दूसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) है। आरसीबी के भी सनराइजर्स की तरह ही दो अंक हैं पर उसका नेट रन रेट कम है। वहीं अन्य चार टीमों के भी दो--दो अंक हैं पर नेट रन रेट के करण वह अंक तालिका में पिछड़ गयी हैं। नंबर तीन पर पंजाब किंग्स, नंबर चार पर चेन्नई सुपर किंग्स, पांच पर दिल्ली कैपिटल्स और छठे नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स है। सातवें स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है।

गुड गवर्नेंस के 30 डेलीगेट्स पहुंचे काशी

जानी ट्रैफिक व्यवस्था, विकास योजनाओं इकोसिस्टम के संतुलन पर किया सवाल

वाराणसी। गुड गवरनेस यात्रा के 30 डेलीगेट्स शुक्रवार को काशी पहुंचे। वीडीए उपाध्यक्ष से जहां मुलाकात की ,वही शहर की ट्रैफिक व्यवस्था का हाल जाना और विकास योजनाओ, इकोसिस्टम के संतुलन पर सवाल भी किया। इस दौरान देशभर से आए प्रतिभागियों ने भारत के भविष्य को आकार देने वाले विकासात्मक योजनाओं और नीतियों को समझा और उन पर चर्चा की। इस दौरान वीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि वाराणसी में ट्रैफिक समस्याओं को हल करने के लिए कई पहलों की शुरूआत की गई है, जिनमें कई प्रमुख योजनाएं शामिल है।

बस नेटवर्क का विस्तारः इससे शहर में वाहनों की संख्या में कमी आएगी और ट्रैफिक दबाव घटेगा। फुटपाथ की योजनाः के तहत सेंट्रल जेल रोड पर कार्य प्रगति पर है,विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए, शहर भर में फुटपाथ का निर्माण कार्य चल रहा है। रोपवे परियोजनाः वाराणसी में एशिया का पहला रोपवे प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है,जो न केवल ट्रैफिक को कम करेगा बल्कि शहर के पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। यह प्रोजेक्ट शहर के प्रमुख स्थानों को जोड़ने के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा वाराणसी के इकोसिस्टम के संरक्षण के लिए कई जलाशयों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जैसे कि दुधिया तालाब, लक्ष्मी तालाब, काला तालाब, पंचकोसी, रीवा, बखरिया, कबीर प्रकट तालाब आदि। इसके साथ ही, कर्ध्मेश्वर तालाब, कंदवा तालाब, और कंचन तालाब पर भी कार्य प्रस्तावित है। इन जलाशयों का पुनर्विकास शहर के पर्यावरण को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रग्बी फुटबॉल की बालिका टीम घोषित

वाराणसी। रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा यूपी स्टेट अंडर 12 रग्बी फुटबाल प्रतियोगिता (बालक-बालिका) का आयोजन 29 मार्च को लखनऊ विश्विद्यालय के शिवाजी ग्राउंड में किया गया है। प्रतियोगिता सुबह नौ बजे से खेली जाएगी। इस प्रतियोगिता में वाराणसी की बालिका टीम भी हिस्सा लेगी। जिला रग्बी फुटबाल संघ के अध्यक्ष डा. एके सिंह ने शुक्रवार को वाराणसी की 12 सदस्यीय टीम घोषित की।

टीम में रोशनी राजभर, प्रियांशी सिंह, श्रेया पाल, सृष्टि पटेल, खुशी पटेल, दीपा यादव, तान्या पटेल, दीक्षा यादव, साक्षी राय, गौरी कुमारी, आशिमा यादव और आंचल यादव को शामिल किया गया है। अवनीश पाल कोच व टीम मैनेजर होंगे। टीम में शामिल सभी खिलाड़ी बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, परमानंदपुर में डा. आशा सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं।

आरसीबी-सीएसके में रोमांचक मुकाबला

चेन्नई। आईपीएल में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। इस मैच में सीएसके जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। इसका कारण है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसने शुरूआती मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अच्छी जीत दर्ज की थी। वहीं आरसीबी की टीम इस मैदान में अब तक केवल एक बार ही जीती है। वह भी 17 साल पहले साल 2008 में। इसके बाद से ही आरसीबी को यहां एक भी जीत नहीं मिली है। ऐसे में आरसीबी का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीतना रहेगा। साल 2008 सत्र में जब आसीबी को जीत मिली थी। उस टीम से अब केवल विराट कोहली ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जो वर्तमान टीम में हैं।

ऐस में आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि सीएसके की टीम के स्पिनरों का सामना करना उसे लिए आसान नहीं होगा। इस मैदान पर पिच स्पिनरों की सहायक रही है। सीएसके टीम के पास रविंद्र जडेजा आर अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को भी टीम में उसने शामिल किया है। इन गेंदबाजों ने कुछ दिन पहले ही पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसको देखते हुए आरसीबी के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजों को सीएसके के स्पिनरों के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक होने के लिए काफी ध्यान से खेलना होगा। इस मामले में विराट को बल्लेबाजी की कमान संभालनी होगी। स्पिन का सामना करना हालांकि उनका मजबूत पक्ष नहीं रहा है लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्होंने इस विभाग में काफी सुधार दिखाया है। इस बदलाव का मुख्य कारण स्पिनरों के खिलाफ अधिक स्वीप और स्लॉग स्वीप खेलने की उनकी इच्छा है और कोहली को इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। कोहली का इसमें फिल सॉल्ट, कप्तान रजत पाटीदार, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों को साथ देना होगा। इस पिच को देखते हुए आरसीबी टिम डेविड की जगह जैकब बेथेल को अंतिम एकादश में रख सकती है। इससे टीम को बाएं हाथ का एक स्पिनर भी मिल जाएगा।

इस मैच में टीम की नजरें तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की फिटनेस पर भी रहेंगी। वह फिट नहीं होने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहले मैच से बाहर थे। अगर वह फिट हुए तो उन्हें रसिख सलाम की जगह एकादश में जगह मिल सकती है। वहीं सीएसके की जीत के लिए उसके मध्यक्रम को रन बनाने होंगे। पहले मैच में शिवम दुबे, दीपक हुड्डा और सैम कुरेन असफल रहे थे। उन्हें रचिन रविंद्र और कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा अनुभवी महेंद्र सिंह धोनी से टीम इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद करेगी। सीएसके के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अगर फिट हुए तो इस मैच में उनका खेलना तय है।

अब एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम से पैसे निकालने पर इंटरचेंज शुल्क में वृद्धि की घोषणा की है, जिससे 1 मई से नकद निकासी महंगी हो जाएगी। इस बदलाव का असर अक्सर एटीएम का इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा, जिससे पैसे निकालने की लागत बढ़ जाएगी। आरबीआई ने बताया कि एक मई से मुफ्त मासिक लेनदेन के बाद एटीएम से पैसे निकालने पर दो रुपये से लेकर 23 रुपये तक का शुल्क लगेगा। एटीएम इंटरचेंज शुल्क वह राशि है जो एक बैंक दूसरे बैंक को एटीएम लेनदेन की सुविधा के लिए देता है। बैंक आमतौर पर इस लागत को ग्राहकों पर डाल देते हैं।

उदाहरण के लिए, अगर एचडीएफसी बैंक का कोई ग्राहक दिल्ली में एसबीआई एटीएम से पैसे निकालता है, तो एचडीएफसी बैंक महीने में एसबीआई एटीएम से तीसरे लेनदेन के बाद शुल्क ले सकता है। शुल्क में संशोधन व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटरों के अनुरोध के बाद किया गया है, जिन्होंने अपने व्यवसाय को प्रभावित करने वाली परिचालन लागत में वृद्धि के कारण उच्च निकासी शुल्क की मांग की थी। छोटे बैंकों के ग्राहक, जो एटीएम सेवाओं के लिए बड़े वित्तीय संस्थानों पर निर्भर हैं, सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है। 10 अक्टूबर 2014 को जारी आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, मेट्रो शहरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद) के ग्राहक अन्य बैंकों के एटीएम से हर महीने तीन मुफ़्त एटीएम लेनदेन के हकदार हैं। गैर-मेट्रो स्थानों में, यह सीमा प्रति माह पाँच मुफ़्त लेनदेन ही रहती है। बैंक ग्राहकों को अक्सर तकनीकी त्रुटियों के कारण एटीएम लेनदेन में असफलता का सामना करना पड़ता है, जिससे यह चिंता उत्पन्न होती है कि क्या इन असफल प्रयासों को मुफ्त लेनदेन सीमा में गिना जाएगा। RBI के सर्कुलर (दिनांक 14 अगस्त, 2019) के अनुसार, तकनीकी समस्याओं - जिसमें हार्डवेयर या सॉफ़्टवेयर की खराबी, संचार त्रुटियाँ, ATM में नकदी की कमी या अमान्य पिन प्रविष्टियाँ शामिल हैं - के कारण विफल लेनदेन को वैध लेनदेन के रूप में नहीं गिना जाता है। नतीजतन, ऐसे मामलों में कोई शुल्क लागू नहीं होता है।

रोशनी नादर ने रचा इतिहास

मुंबई। एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन रोशनी नादर ने इतिहास रच दिया है। किसी समय में दिल्ली की गलियों में बड़े सपने लेकर ये लड़की जीवन जी रही थी। उसका सपना बिजनेस टाइकून बनने का तो नहीं था मगर किस्मत उससे ये खिताब और उपलब्धि देना चाहती थी। आज अपनी मेहनत के बल पर रोशनी नादर दुनिया की शीर्ष 10 सबसे अमीर महिलाओं में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं।

रोशनी नादर की कुल संपत्ति 3.5 लाख करोड़ रुपये (40 बिलियन अमेरिकी डॉलर) है। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025 के अनुसार, वह दुनिया की सबसे अमीर महिलाओं में पांचवे स्थान पर पहुंच गई है। रोशनी नादर को ये उपलब्धि उनके पिता शिव नादर द्वारा एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 47% हिस्सेदारी उनके नाम करने के बाद मिली है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में मिले इस प्रभुत्व के बाद भारत के सबसे प्रभावशाली अरबपतियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। इसके साथ ही, वह भारत की सबसे अमीर महिला बन गई है। वर्ष 2025 में देश की तीसरी सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

रोशनी नादर एचसीएल टेक्नोलॉजीज की अध्यक्ष हैं, जो 48 बिलियन डॉलर के बाजार पूंजीकरण वाली एक अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी है। वह कंपनी की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) बोर्ड समिति की भी अध्यक्ष हैं। बता दें कि नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा रोशनी ने केलॉग स्कूल ऑफ

मैनेजमेंट से एमबीए किया है। शिव नादर फाउंडेशन की ट्रस्टी के रूप में, वह 1.2 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य की शैक्षिक और नेतृत्व पहलों की देखरेख करती हैं। वह उत्तर प्रदेश में एक नेतृत्व अकादमी विद्याज्ञान से भी जुड़ी हुई हैं, जो आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से प्रतिभाशाली छात्रों का पोषण करती है।

रोशनी कई प्रतिष्ठित बोर्डों में काम करती हैं, जिनमें एमआईटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग के डीन की सलाहकार परिषद और द नेचर कंजर्वेंसी का वैश्विक बोर्ड शामिल है। 2024 में, उन्हें फ्रांस के शेवेलियर डे ला लेगियन डी' होनूर से सम्मानित किया गया और 2017 से फोर्ब्स की दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में उन्हें शामिल किया गया है।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, इस वर्ष 561 महिलाएं इसमें शामिल हैं, जिनमें से 224 स्व-निर्मित हैं - जो दुनिया भर में शीर्ष व्यावसायिक भूमिकाओं में महिलाओं के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है।

ईद: खुले रहेंगे बैंक इंश्योरेंस और इनकम टैक्स कार्यालय

मुंबई। वित्त वर्ष 2024-25 का अंतिम दिन 31 मार्च होने वाला है। इस दिन ईद-उल-फित्र रमजान ईद भी मनाई जाएगी। वित्त वर्ष का अंतिम दिनो होने के कारण बैंक यूजर्स काफी कन्फ्यूज हैं कि इस दिन बैंक, इंश्योरेंस और इनकम टैक्स ऑफिस खुले रहेंगे या बंद होंगे। बैंक से संबंधित या इंश्योरेंस और इनकम टैक्स ऑफिस से संबंधित कोई भी काम है तो इसे कोशिश करें कि इसे पहले ही निपटा लें। हो सकता है कि इस दिन वित्त वर्ष 2024-25 का अंतिम दिन होने के कारण बैंकों में कुछ सर्विस सीमित रहे। जानकारी के मुताबिक 31 मार्च को बैंकिंग सर्विस उपलब्ध होगी मगर भीड़ व ईद की छुट्टी को देखते हुए कुछ परेशानी उठानी पड़ सकती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आदेश के मुताबिक सरकारी ट्रांजेक्शन संभालने वाली एजेंसी बैंक 31 मार्च को बंद नहीं होंगे और यहां काम जारी रहेगा।

खरीफ फसल के लिए मिलता रहेगा सस्ता फर्टिलाइजर, 37 हजार करोड़ की सब्सिडी को हरी झंडी

नई दिल्ली। खरीफ फसल के लिए भी किसानों को सस्ता उर्वरक मिलता रहेगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फास्फेटिक और पोटासिक (पीएंडके) उर्वरकों पर खरीफ सीजन के लिए 37,216 करोड़ रुपये की सबसिडी पर मुहर लगा दी। इससे उर्वरकों और अन्य तत्वों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही कीमतों का किसानों पर असर नहीं होगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार एनपीकेएस ग्रेड सहित पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी खरीफ सीजन 2025 के लिए अनुमोदित दरों के आधार पर प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को सस्ती कीमतों पर इन उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। दरअसल सरकार उर्वरक निमार्ताओं/आयातकों के जरिए किसानों को सब्सिडी वाले मूल्यों पर पीएंडके उर्वरकों के 28 ग्रेड उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अपने किसान हितैषी दृष्टिकोण के अनुसार किसानों को सस्ती कीमतों पर पीएंडके उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उर्वरक कंपनियों को स्वीकृत और अधिसूचित दरों के अनुसार सब्सिडी प्रदान की जाएगी ताकि किसानों को सस्ती उर्वरक उपलब्ध कराए जा सकें।

पिछड़ रही हिंदी फिल्म इंडस्ट्री

नई दिल्ली। जॉन अब्राहम के लिए साल 2025 की शुरुआत काफी अच्छी रही है। उनकी फिल्म 'द डिप्लोमैट' बिना किसी ग्रैंड प्रमोशन के भी दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने में कामयाब रही है। फिल्म को क्रिटिक्स से भी काफी अच्छी रेटिंग मिली है, बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई का सिलसिला लगातार जारी है।

इस बीच, अभिनेता ने हिंदी फिल्मों को लेकर लगातार हो रही चचाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिस तरह की फिल्में अब बनाई जा रही हैं और बॉलीवुड की मौजूदा स्थिति जिस दिशा में जा रही है, वह एक चिंता का विषय बन चुका है। जब जॉन अब्राहम से बॉलीवुड की वर्तमान स्थिति और सोशल मीडिया पर बढ़ती आलोचना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इस पर खुलकर अपनी राय रखी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्मों को लेकर पूछे गए सवालों पर जॉन ने कहा कि मौजूदा स्थिति उनके

लिए काफी डरावनी है। अभिनेता ने कहा, 'एक ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो फिल्म इंडस्ट्री पर नजर रखता है, मैं बहुत परेशान हूं। मैं यह नहीं कह रहा कि मैंने कुछ अलग करने का बीड़ा उठाया है, लेकिन मैं यह जरूर कहूंगा कि हममें से कुछ लोग हैं, जो बदलाव लाना चाहते हैं।'

यही नहीं, जॉन ने आगे फिल्म के बजट और सपोर्ट को लेकर भी अपनी राय रखी। 'द डिप्लोमैट' स्टार ने कहा, 'मैं एक कमर्शियल हीरो हूं! मुझे किसी भी कमर्शियल सेटअप में डालिए, मैं उसे अच्छे से निभा सकता हूं। मगर जब हम कुछ अलग करना चाहते हैं, तो हमें वह आजादी और समर्थन मिलना चाहिए। अगर हमें हमारे विजन को साकार करने के लिए पर्याप्त बजट और सपोर्ट मिले, तो हमारी इंडस्ट्री और बेहतर हो सकती है। लोग भले ही हर दिन इंडस्ट्री के अंत की भविष्यवाणी करते हों, लेकिन हम अच्छी फिल्में बना रहे हैं।'

जॉन अब्राहम की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दो सप्ताह पूरे कर लिए हैं और अब यह तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। पहले हफ्ते में फिल्म ने 19.15 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे हफ्ते में इसकी कमाई थोड़ी धीमी रही और 9.95 करोड़ की कमाई हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'द डिप्लोमैट' को लगभग 19 से 20 करोड़ के बजट में बनाया गया है। 15वें दिन के कलेक्शन की बात करें, तो खबर लिखे जाने तक फिल्म ने 75 लाख का कलेक्शन कर लिया था। इस तरह, फिल्म का कुल कलेक्शन अब 29.85 करोड़ हो गया है।

एक-एक पैसे का हिसाब रखती हैं अमृता

नई दिल्ली। बॉलीवुड की उभरती स्टार सारा अली खान अपनी शानदार एक्टिंग और मासूमियत के लिए जानी जाती हैं। पिता सैफ अली खान और मां अमृता सिंह की राह चलकर उन्होंने सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज वह एक-एक फिल्म के लिए मोटी रकम वसूलती हैं, लेकिन अपने कमाए पैसों पर ही एक्ट्रेस का कोई कंट्रोल नहीं है। जी हां, सारा अली खान 29 साल की उम्र में अपनी मां अमृता सिंह पर काफी निर्भर हैं। हाल ही में, उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनके वित्तीय मामलों पर उनकी मां का पूरा कंट्रोल है और हर खर्चे के लिए उन्हें उनकी मंजूरी की जरूरत होती है। सारा अली खान से जब टाइम्स नाउ समिट में पूछा गया कि वह अपने फाइनेंस को कैसे मैनेज करती हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां अमृता सिंह ही उनके सभी पैसों और इन्वेस्टमेंट को मैनेज करती हैं। यहां तक कि उनके गूगल पे अकाउंट का ओटीपी भी उनकी मां के फोन पर जाता है। सारा ने मजाक में यह भी कहा कि वह अपनी मां की अनुमति के बिना फिल्म का टिकट भी नहीं खरीद सकतीं। इससे पता चलता है कि सारा अपनी मां अमृता सिंह पर कितना भरोसा करती हैं और उनके फैसलों का सम्मान करती हैं। सारा अली खान ने यह भी कहा कि उनकी मां हमेशा उन्हें पैसे बचाने और समझदारी से खर्च करने की सलाह देती हैं। वे उन्हें गैर-जरूरी खर्चों से बचने और अपने भविष्य के लिए इन्वेस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। मां की तरह सारा भी फालतू का खर्च करने से बचती हैं। उन्होंने कहा, मैं चीजों में यूटिलिटी ढूंढती हूं। मैं एक दिन शनेल बैग खरीदने की ख्वाहिश रखती हूं लेकिन अगर आप जारा में कंफर्टेबल हैं तो यह भी बढ़िया है। सारा अली खान और उनकी मां अमृता सिंह का रिश्ता काफी मजबूत है।

धूम मचाएगी वेबसीरिज अदृश्यम 2

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर लोगों का रुझान बढ़ता ही जा रहा है, क्योंकि यहां पर हर हफ्ते रोमांटिक से लेकर क्राइम, सस्पेंस, हॉरर और कॉमेडी सहित अलग-अलग जॉनर की फिल्में की सीरीज देखने को मिलती हैं। बॉलीवुड के अलावा भी टीवी के बड़े-बड़े सितारे अब डेली सोप से ज्यादा ओटीटी का रुख कर रहे हैं और इन्हीं में से एक हैं बिग बॉस 14 में नजर आए एजाज खान, जो अपनी सफल सीरीज 'अदृश्यमः द इनविजिबल हीरोज' के दूसरे सीजन के साथ लौट रहे हैं। स्पाई थ्रिलर सीरीज 'अदृश्यमः द इनविजिबल हीरोज' के पहले सीजन में जहां उनके साथ 'ये हैं मोहब्बतें' एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, तो वहीं अब दूसरे सीजन में उनके साथ टीवी की एक और अदाकारा मिलकर दुश्मनों का खात्मा करते हुए दिखाई देंगी। हाल ही में 'अदृश्यमः द इनविजिबल हीरोज' के सीजन 2 का ट्रेलर सामने आया है। किस तारीख को आप ये सीरीज देख पाएंगे, नीचे पढ़ें पूरी डिटेल्सः

अदृश्यमः द इनविजिबल हीरोज के सेकंड सीजन में खतरा और भी बड़ा होगा और मिशन उससे भी ज्यादा खतरनाक, ऐसे में देश की सुरक्षा के लिए रवि वर्मा एक सीक्रेट एजेंट को ज्वाइन करेंगे, जिसकी एक झलक ट्रेलर में भी दिखाई गई है। दिव्यांका त्रिपाठी की जगह पूजा गौर स्पाई थ्रिलर सीरीज के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। वह सीरीज में एक सीक्रेट एजेंट का किरदार अदा करेंगी। इस सीरीज में दुश्मन ये कहते हैं कि ये हमला इतना बड़ा होगा कि लोग 26/11 को भी भूल जाएंगे।

अब मेकर्स के कहे अनुसार क्या सेकंड सीजन पहले से ज्यादा खतरनाक और दुश्मनों की रंजिशो से भरपूर होगा या नहीं, ये तो सीरीज के स्ट्रीम होने के बाद ही पता लगेगा, लेकिन एजाज खान दोबारा रवि वर्मा का किरदार अदा करने के लिए कितने उत्सुक हैं, ये उन्होंने जरूर बताया है।

अदृश्यम 2 पहले से ज्यादा बड़ा, बोल्ड और इंटेंस होने वाला है। इस सीजन में रवि दुश्मनों से अकेले नहीं लड़ेगा। उसे कुछ अंडरकवर एजेंट ज्वाइन करने वाले हैं। पूजा गौर इसमें अंडरकवर एंजेंट (दुर्गा) बनकर उनका साथ देंगी। हम कई ऐसे दुश्मनों का सामना करेंगे जो पहले से ज्यादा खतरनाक हैं।

एक खबर के मुताबिक, पूजा गौर ने भी अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बताया कि उनका किरदार किस तरह का है। पहले मैंने जितने भी किरदार निभाए हैं, ये उन सबसे बहुत ही अलग है। मेरा जो दुर्गा का किरदार है, वह सिर्फ एक ऑफिसर नहीं है, बल्कि एक निडर योद्धा है, जो अपने लोगों की सुरक्षा के लिए हर पल लड़ाई के लिए तैयार है। वह जिन चुनौतियों का सामना करती है, वह बहुत ही खतरनाक है। शो में एक्शन और रोमांच है और मैं चाहती हूं कि ऑडियंस इसे जरूर एक्सपीरियंस करें।

उत्तर प्रदेश में है जंगलराज और गुंडई

सांसद सुमन ने योगी सरकार को घेरा, बोले- दलित और शोषितों पर हमला

आरती यादव

आगरा। राणा सांगा पर विवादित बयान देने के बाद मचे घमासान के बीच शुक्रवार दोपहर सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन अपने आवास पर पहुंचे। घर के बाहर करणी सेना के हमले में टूटी पड़ी कुर्सियों को एक नजर देखा, कार्यकर्ताओं ने जोशीले नारे लगाना शुरू कर दिया। कार्यकर्ताओं से मिले और थके हुए कहने कि कहकर घर के अंदर चले गए, 20 मिनट तक परिजनों से पूरी घटना की जानकारी ली और उनका हाल जाना। इसके बाद प्रेसवार्ता में कहा कि प्रदेश में जंगलराज और खुली गुंडई हो रही है। मेरे आवास पर नहीं, पीडीए, दलित और शोषितों पर हमला किया गया है।

दोपहर 3.30 बजे सपा राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन एचआईजी फ्लैट, हरीपर्वत स्थित आवास पर पहुंचे। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शहर में थे, इसके बाद भी पुलिस प्रशासन की इतनी लचर व्यवस्था थी कि कई थानों से होते हुए लोग बुलडोजर लेकर घर तक पहुंच गए। सुनयोजित षड्यंत्र था जो हमारे घर पर हमला किया गया। गेट तोड़ा, जनतंत्र में

आवश्यक नहीं है कि आपकी बात से सभी सहमत हों, लेकिन जनतंत्र में विरोध की अभिव्यक्ति के लिए, आप प्रदर्शन कर सकते हैं धरना दे सकते हैं। अखबारों में अपनी बात रख सकते हैं। यह तो विशुद्ध गुंडई है, लफंगा गिरी है, यह तो अवांछित तत्वों का हमला है मेरे घर पर, मेरे परिवार पर। हमें नेस्तानाबूत करने का, व्यवस्थित प्रयास है जंगलराज है। जिस तरह से हमला हुआ है, इसे रोका जा सकता था, लेकिन मुझे तकलीफ है कि सब कुछ होने के बाद भी हमारे घर पर हमला हुआ।

ये इन लोगों की मनोवृत्ति है, ये वही लोग हैं जो मुख्यमंत्री न रहने के बाद अखिलेश यादव के आवास को गंगाजल से धोते हैं, यही वही लोग हैं जो दलितों की बारात नहीं चढ़ने देते हैं, दलित के खिलाफ हैं, पीडीए के खिलाफ हैं। समाजवादी पार्टी का कार्यकर्ता हूं, पार्टी जो फैसला करेगी मैं अपने स्तर से पार्टी के लोगों चर्चा करुंगा। पार्टी कहेगी वही करूंगा, कहूंगा।

करणी सेना के ओकेंद्र राणा के 12 अप्रैल को आगरा आने के प्रश्न पर कहा कि प्रशासन से आग्रह करेंगे कि रोज ये एलान हो रहे हैं पहले भी एलान किया था, प्रशासन को यह जानकारी थी अब नए एलान हो रहे हैं, हम प्रशासन से कहेंगे कि इसकी समुचित व्यवस्था करें। प्रशासन की कोई मजबूरी है तो हमें छूट दे दें हम अपने आप निपट लेंगे।

सपा सांसद राज्यसभा रामजीलाल सुमन ने कहा कि यह परंपरा होती है कि जब किसी सदस्य का नाम उल्लेखित करते हैं तो उसे अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाता है। शुक्रवार को राज्यसभा के सभापति ने बोलने के लिए मेरा नाम पुकारा, लेकिन उस समय सदन बहुत अव्यवस्थित था, इसलिए मैं अपनी बात नहीं रख सका। राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर कहा कि मैं बहुत कुछ कह चुका हूं, अब जो मुझे कहना है वह सदन में ही कहूंगा।

आपदा विशेषज्ञ ने कार में गोली मार की आत्महत्या

बदायूं। बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र में बिसौली रोड पर अपनी कार में मुरादाबाद के आपदा विशेषज्ञ ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने उनके शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उनके परिवार वालों को सूचना दे दी गई है। कासगंज की जय रामबली कॉलोनी निवासी सुरजीत कुमार मुरादाबाद में आपदा विशेषज्ञ के पद पर तैनात थे। बताया जा रहा है कि कार्यालय से अवकाश लेकर आए थे। सोमवार को वह अपने घर पर थे और अपनी कार लेकर मुरादाबाद जा रहे थे। उन्होंने इस्लामनगर थाना क्षेत्र में बिसौली रोड पर बनखंडीनाथ मंदिर के नजदीक कार रोककर अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को कार अंदर से बंद मिली और उनके बराबर में ही पिस्टल पड़ी हुई थी। पुलिस ने शीशा तोड़कर आपदा विशेषज्ञ के शव को बाहर निकाला और उनके परिवार बालों को सूचना दी। अभी आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हुई है।

तीन दिन से रखी थी लाश, अब पुलिस ने परिजनों संग तैयार कराई अर्थी, दिया कंधा

आगरा। प्रेम विवाह के पांच वर्ष बाद महिला का शव ससुराल में फंदे से लटका मिला। पोस्टमार्टम के बाद स्वजन तीन दिन से शव का अंतिम संस्कार नहीं कर रहे थे। थाना जगदीशपुरा पुलिस ने संवेदना दिखाते हुए मुकदमा दर्ज कराने में मदद की। स्वजन ने पति या बेटे से मुखाग्नि पर अंतिम संस्कार की शर्त रख दी। पुलिस ने महिला के बच्चे को ढूंढा और खुद कंधा देकर शव को श्मशान पहुंचाया। बेटे द्वारा मुखाग्नि देने के बाद अंतिम संस्कार हुआ।

जगदीशपुरा के बोदला,नई आबादी के चंद्रपाल की बहन संजू ने पांच वर्ष पूर्व अछनेरा बड़ी बस्ती के जितेंद्र से प्रेम विवाह किया था। 25 मार्च को संजू का शव ससुराल में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने 26 मार्च को पोस्टमार्टम कराया और शव स्वजन के सपुर्द कर दिया। इसके बाद स्वजन ने अंतिम संस्कार नहीं किया। इंस्पेक्टर आनंदवीर ने बताया कि शव रखे होने की जानकारी होने पर स्वजन से बात की। उन्होंने मुकदमा दर्ज न होने तक अंतिम संस्कार नहीं करने की शर्त रख दी। पुलिस ने अछनेरा पुलिस से संपर्क कर पति जितेंद्र, ससुर, देवर सोनू और नंद पूजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद स्वजन रिश्तेदारों के आने पर अंतिम संस्कार की बोले पर अंतिम संस्कार नहीं किया। दोबारा बात करने पर उन्होंने पति या उसके तीन साल के बेटे द्वारा मुखाग्नि देने पर अंतिम संस्कार की बात कही। अलविदा के चलते माहौल खराब होने के आसार थे।

पति फरार और बेटा रिश्तेदार के पास मिला : पुलिस ने प्रयास किया तो पति फरार था। एक रिश्तेदार के पास बेटा मिला। पुलिस उसे लेकर आई। स्वजन अंतिम संस्कार का सामान लेने गए तो बिना मृतका का आधार कार्ड दिए सामान नहीं मिला। पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी पर सामान दिलाया।

इसके बाद इंस्पेक्टर जगदीशपुरा आनंद वीर और दारोगा संदीप राठी ने परिवार के लोगों के साथ अर्थी तैयार कराई। खुद कंधा देते हुए शव को आवास विकास सेक्टर तीन स्थित श्मशान घाट ले गए और अंतिम संस्कार कराया। पुलिस को शव को कंधा देता देख सभी खाकी की प्रशंसा करने लगे।

भाई के नाम पर जेल गया बदमाश

देवरिया। पांच वर्ष पहले पिस्टल के साथ पकड़ा गया गोरखपुर का बदमाश मानवेंद्र सिंह नाम बदलकर चचेरे भाई संतोष सिंह के नाम पर जेल काट आया। जमानत के बाद वह बाहर आ गया था। फरवरी में आरोपित जमानत रद कराकर दोबारा चचेरे भाई के नाम पर जेल चला गया। उसकी तलाश में काफी दिनों से गोरखपुर पुलिस भटक रही थी। जांच में पता चला कि बदमाश मानवेंद्र चचेरे भाई के नाम पर जेल में निरुद्ध है तो सदर कोतवाली के गरुणपार चौकी प्रभारी ने उसके विरुद्ध सदर कोतवाली में फजीर्वाड़ा का मुकदमा दर्ज कराया है।

सदर कोतवाली के गरुणपार चौकी के प्रभारी दारोगा रामलक्ष्मण सिंह ने पुलिस को दिए गए तहरीर में आरोप लगाया है कि 15 फरवरी 2019 को तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक विजय नारायण प्रसाद ने अपराध निरीक्षक शंशाक राय के साथ जिला अस्पताल गेट पर छापेमारी कर स्कार्पियों के साथ पांच

लोगों को गिरफ्तार किया था। जिसमें आरोपितों के पास से पिस्टल बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपितों ने अपना नाम विशाल सिंह पुत्र दिनेश सिंह निवासी हरिहरपुर थाना बासगांव जिला गोरखपुर, सुनील शर्मा पुत्र श्रीलाल शर्मा निवासी जंगल सालिकराम पादरी बाजार थाना शाहपुर जिला गोरखपुर, संतोष सिंह पुत्र जयनाथ चंद उर्फ जगदीश और सूरज सिंह पुत्र राजेश सिंह निवासीगण सोपाईघाट थाना बेलघाट जिला गोरखपुर, राहुल शर्मा पुत्र सुनील शर्मा निवासी गाईबेला थाना सिकरीगंज जिला गोरखपुर बताया था।

पुलिस ने पांचों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया था। आरोपित जमानत कराकर बाहर आ गए। गोरखपुर पुलिस किसी मामले में मानवेंद्र सिंह की तलाश कर रही थी। इसी बीच पता चला कि मानवेंद्र सिंह जिला जेल देवरिया में निरुद्ध है। जबकि आर्म्स एक्ट में आरोपित संतोष सिंह कभी जेल नहीं गया।

वास्तविक आरोपित मानवेंद्र सिंह ने अपने गिरफ्तारी के समय अपने चचेरे भाई का नाम बताकर जेल गया था। आरोपित मानवेंद्र सिंह ने न्यायालय के समक्ष अपने आपको अपने चचेरे भाई संतोष सिंह के रूप में प्रस्तुत कर न्यायालय को धोखे में रखा। आरोपित मानवेंद्र सिंह के विरुद्ध विभिन्न थानों में दर्जनों आपराधिक मुकदमा दर्ज है।

साजिश के तहत जमानतदार ने भी सीजेएम न्यायालय में आत्मसमर्पण के दौरान वास्तविक नाम को छिपाया। कोतवाल दिलीप सिंह ने बताया कि कोतवाली में दर्ज मुकदमा में आरोपित ने चचेरे भाई का नाम बदलकर जेल गया था।

मेरठ कांड से दहशत एसपी को लिखा पत्र

फर्रुखाबाद। इन दिनों लोग पत्नी से तंग आकर पुलिस के दरबार तक पहुंचने लगे हैं। मेरठ में हुई घटना को लेकर ऐसे लोग दहशत में आ गए हैं। एक ऐसा ही मामला सामने आया है। पति ने पत्नी से परेशान होकर पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र भेजा है। कहा कि पत्नी ने उसके खाने में नशीला दवा मिला दी और उसके प्राइवेट पार्ट पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। फतेहगढ़ कोतवाली एक गांव निवासी युवक ने भेजे गए प्रार्थना पत्र में कहा कि उसकी ससुराल थाना कादरीगेट क्षेत्र के मुहल्ला भोपतपट्टी में है। पहले उसका पत्नी से विवाद हुआ था। समझौते के बाद वह पत्नी को साथ रखने लगा। 23 मार्च की रात पत्नी ने खाने में कोई नशीली दवा मिला दी। बाद में धारदार हथियार से उसके नाजुक अंग पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। वह किसी तरह पत्नी से बचकर भाग आया। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी।

डीएम ने बताई वजह, म्युनिसिपल इंटर कॉलेज में बनी मस्जिद में नमाज पढ़ने पर क्यों लगाई रोक?

फर्रुखाबाद। यूपी बोर्ड की परीक्षा देखते हुए फतेहगढ़ में परीक्षा केंद्र म्युनिसिपल इंटर कॉलेज के परिसर में स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। इस परीक्षा केंद्र में प्रश्न पत्र रखने के लिए स्ट्रांग रूम भी बनाया गया है। कॉलेज परिसर में ही मस्जिद है, इसलिए सुरक्षा का हवाला देकर यहां नमाज पर रोक लगा दी गई है। मुस्लिम पक्ष के कुछ लोगों ने ज्ञापन देकर नमाज की इजाजत मांगी, लेकिन प्रशासन ने इसकी अनुमति नहीं दी।

डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि परीक्षा केंद्र और स्ट्रांग रूम में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जा सकता। जिस जगह कॉलेज है वहां पहले सराय थी। तभी यहां छोटी मस्जिद बना ली गई। 1947 में कॉलेज बनने के बाद भी मस्जिद बनी रही। सामान्य दिनों में लोग यहां शाम को नमाज पढ़ने पहुंचते थे। रमजान की वजह से अब यहां पांचों वक्त की नमाज और तरावीह पढ़ने के लिए लोग पहुंचने लगे। डीएम ने बताया, कि दिन में यहां यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा होती है और प्रश्न पत्र रखने के लिए यहीं स्ट्रांग रूम भी बनाया गया है। इसलिए प्रधानाचार्य गिरिजा

शंकर ने प्रशासन को जानकारी दी। पुलिस ने कॉलेज परिसर में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। इस मामले में विगत सोमवार को हाजी शफीक अहमद, सुएब शेख, रिजवान अहमद ताज आदि ने जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी को ज्ञापन देकर वहां नमाज पढ़ने की अनुमति की मांग की थी, लेकिन जिलाधिकारी द्वारा नहीं दी गई। डीएम ने प्रश्नपत्रों की सुरक्षा का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया।

होली व रमजान माह में आपसी सौहार्द को बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शुक्रवार को शहर की जामा मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की गई। इस दौरान प्रमुख मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। शहर कोतवाली में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम से भी सौहार्द बनाए रखने की अपील की जा रही है। इसके अलावा संभ्रांत नागरिकों के अपील करते वीडियो भी प्रसारित किए जा रहे हैं।

रमजान मुबारक के पहले जुमे की नमाज में जिले भर की मस्जिदों में हजारों लोगों ने अल्लाह की बारगाह में सजदा किया और मुल्क की खुशहाली व अमन-चैन की दुआ मांगी। जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती मोअज्जम अली ने कहा कि हर मुसलमान के लिए रमजान खास अहमियत रखता है, क्योंकि इसी महीने में कुरान पाक नाजिल हुआ। उन्होंने रोजे की फजीलत बताते हुए कहा कि इसका सवाब खुद अल्लाह अता करेगा। बहादुरगंज अस्बल तराई रोड स्थित मस्जिद शेख खुदा बख्श में हाफिज मोहम्मद कासिम ने जुमे की नमाज पढ़ाई। वहीं, छटे रमजान मुबारक के मौके पर जगह-जगह रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन कर भाईचारे और एकता का संदेश दिया गया।

शहर कोतवाली प्रभारी राजीव पांडेय दोपहर को ही जामा मस्जिद पर फोर्स के साथ नमाज के दौरान पूरे समय बाहर डटे रहे। अन्य प्रमुख मस्जिदों के बाहर भी फोर्स तैनात किया गया था।

सराय मलूकचन्द पर बने शिवाजी का स्मारक, इतिहासविद ने लिखा पत्र

आगरा। कोठी मीना बाजार में छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने की योजना पर इतिहासविद राजकिशोर राजे ने सवाल उठाए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजे पत्र में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक सराय मलूकचन्द पर बनाए जाने की बात कही है। उन्होंने कोठी मीना बाजार में शिवाजी को नजरबंद किए जाने का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं होने का उल्लेख किया है। आगरा किला में 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी की जयंती पर हुए कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आगरा में शिवाजी का भव्य स्मारक बनाए जाने की घोषणा की थी। महाराष्ट्र सरकार ने इसके बाद बजट में प्रावधान करने के साथ ही शासकीय आदेश भी जारी किया था। इतिहासविद राजकिशोर राजे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजे पत्र में लिखा है कि, स्मारक बनाने को चयनित स्थान त्रुटिपूर्ण, भ्रामक तथा विवादित है। उस स्थान पर शिवाजी को नजरबन्द करके नहीं रखा गया था। इतिहासकार सर जदुनाथ सरकार ने अपनी पुस्तक 'औरंगजेब' तथा 'शिवाजी', आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव ने अपनी पुस्तक 'भारत का इतिहास' तथा महाराष्ट्र के इतिहासकार सेतुमाधव पगड़ी ने अपनी पुस्तक 'शिवाजी', डॉ. राजीव द्विवेदी ने अपनी पुस्तक 'औरंगजेब और उसके उत्तराधिकारी', एसआर शर्मा ने अपनी पुस्तक 'भारत में मुस्लिम शासक का इतिहास' में शिवाजी को आगरा में रामसिंह की हवेली, जयपुर हाउस में नजरबंद करने का उल्लेख किया है। जयपुर हाउस बड़ा और घनी आबादी वाला क्षेत्र है, जहां आज उपरोक्त स्थान खोजना असम्भव है। कोठी मीना बाजार स्थित जिस भवन में शिवाजी को नजरबन्द करने की बात कही जा रही है, वह वर्ष 1833 में अंग्रेजों द्वारा आगरा को प्रेसीडेन्सी घोषित किए जाने के समय लेफ्टिनेंट गवर्नर का निवास था। यह उस भवन की बनावट से भी सिद्ध हो जाता है जो पूर्णतया पाश्चात्य शैली में निर्मित है।

प्रयागराज में तापमान पहुंचा 42 डिग्री सेल्सियस

शौर्य न्यूज इंडिया

प्रयागराज। लगातार दो दिन से संगमनगरी उबल रही है। अधिकतम तापमान लगातार दूसरे दिन 40 डिग्री के पार रहा। गुरुवार को यह 42 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा। गर्म हवाओं ने गर्मी के प्रभाव को बढ़ा दिया। अभी दो दिन गर्म हवाओं का दौर चलेगा और तापमान 40 डिग्री के आसपास बना रहेगा। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी न्यूनतम तापमान में तेजी से वृद्धि देखने को नहीं मिल रही है। यह अभी भी 19 डिग्री है, जो सामान्य है।

बीते कुछ दिनों से लगातार तापमान में वृद्धि हो रही थी, लेकिन बुधवार को मौसम में अचानक आए बदलाव ने पारा 41.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा दिया। बुधवार चली गर्म हवाएं गुरुवार को भी चली। लोगों को जून जैसी गर्मी का अहसास हुआ। पिछले तीन दिनों में तापमान चार डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है। 28 और 29 मार्च को तेज हवाएं तापमान को और बढ़ाएंगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों तक दिन के समय गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिससे लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है तेज सतही हवा चलने और तापमान बढ़ने से दिन में प्रदेश के कुछ जिलों में लू जैसी स्थिति बनी रही। प्रयागराज सबसे गर्म रहा। हमीरपुर और सुल्तानपुर भी तपे। गुरुवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहा।

वहीं, न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री ज्यादा रहा। तेज धूप और उमस से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।गुरुवार को प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर चला गया। प्रयागराज में सबसे ज्यादा 42 डिग्री, जबकि हमीरपुर में 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगातार दूसरे दिन प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म स्थान रहा।

वहीं, सुल्तानपुर और फुर्सतगंज का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, प्रयागराज (पूर्वी उत्तर प्रदेश) और झांसी व हमीरपुर (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) को 'हीट डे' घोषित किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को लखनऊ में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलेंगी।

इससे तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, अगले दो से तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री की गिरावट हो सकती है। हालांकि, दिन में गर्मी बनी रहेगी।

बिजली विभाग की छापेमारी, 85 कनेक्शन काटे सात लाख वसूले

दहगवां (बदायूं)। बकाया बिजली बिल जमा नहीं करने पर विद्युत विभाग ने अभियान चलाकर उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उपभोक्ताओं पर बिल बकाया है वह जल्द बकाया बिल जमा कर दे, नहीं तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार की सुबह आठ बजे से ही नगर पंचायत दहगवां में वसूली अभियान चलाया गया, जिसमें दो सौ से अधिक कनेक्शन काट दिए गए,लेकिन जिन लोगों ने बिल जमा कर दिया तो लाइन जोड़ दी गई। 85 लोगों के बिल जमा न करने पर कनेक्शन काट दिए गए।

एसडीओ सहसवान अभिषेक ऋषि ने बताया कि दहगवां बिजलीघर से जुड़े बिजली बिलों की बकाया की वसूली का अभियान चलाया गया है, जिसमें सात लाख रुपये की वसूली की गई है। जेई रजनीश कुमार दहगवां,जेई रणवीर सिंह मुजरिया,जेई प्रवीन कुमार जरीफनगर मौजूद रहे।

वहीं, वजीरगंज में बिजली चोरी के मामले में नगर पंचायत की तत्कालीन चेयरमैन शमा परवीन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आरोप है कि कार्यकाल में निकाय के जेनरेटर से उनकी कोठी (घर) भी रोशन हुआ करती थी। सालों से दबी फाइल अब जाकर खुली है। शासन ने 2.55 लाख की रकम को उनसे वसूल करने के आदेश डीएम को दिए हैं। वर्ष 2012 में हुए निकाय चुनाव में दिग्गजों को पटकनी देते हुए उमर कुरैशी ने निकाय पर कब्जा किया था। वर्ष 2017 में महिला आरक्षण होने की स्थिति में उनकी पत्नी शमा परवीन चेयरमैन बन गईं। तत्कालीन चेयरमैन शमा परवीन पर उनके कार्यकाल में तमाम आरोप लगे।

आरोपों की इस कड़ी में तत्कालीन चेयरमैन शमा परवीन अपने कार्यकाल में निकाय के जेनरेटर से बिजली चोरी कर कोठी को रोशन करती रहीं। इसकी शिकायत पर छापामारी हुई तो आरोप सच साबित भी हुआ। बिजली विभाग से बिजली लोड का प्राक्कलन लिया गया तब स्पष्ट हुआ कि उनकी कोठी में लगातार आठ महीने तक 10 केवी बिजली की चोरी की जाती रही।

इससे निकाय को 2,54,616 रुपयों की वित्तीय नुकसान हुआ माना गया। उस वक्त नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी ने चेयरमैन रहीं शमा परवीन को आकलित धनराशि निकाय कोष में जमा करने को अंतिम नोटिस भी दिया गया, लेकिन न तो उन्होंने यह अर्थदंड जमा किया और न ही आगे कोई कार्यवाही बढ़ी। सालों बाद अब जाकर बिजली चोरी के मामले की फाइल खुली और शासन के अनु सचिव पारस नाथ ने डीएम को पत्र भेज तत्कालीन चेयरमैन से आकलित रकम की वसूली कर निकाय कोष में जमा कराने के लिए निर्देश दिए हैं।

तत्कालीन चेयरमैन शमा परवीन ने कहा कि बिजली चोरी का आरोप मनगढ़ंत है। घर में बिजली कनेक्शन, इनवर्टर व जेनरेटर लगा है। ऐसे में निकाय के जेनरेटर से बिजली चोरी का आरोप हास्यास्पद है। नोटिस का जवाब भी लिखित में दिया जा चुका है।

बिजली के निजीकरण का खतरा टला!

बिजली कंपनियों के असल खर्च का होगा निरीक्षण व परीक्षण : अवधेश वर्मा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने बहुवर्षीय वितरण टैरिफ विनियमन-2025 कानून को लागू कर दिया है, जो एक अप्रैल से अगले पांच साल तक के लिए प्रभावी रहेगा। इस टैरिफ नये कानून में बिजली के निजीकरण को भी बाहर कर दिया है। दावा जा रहा है कि नियामक आयोग की तरफ से लागू नये टैरिफ कानून के चलते बिजली के निजीकरण का खतरा फिलहाल टल गया है। यह दावा उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने किया है।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि नियामक आयोग के इस नए कानून में भविष्य में बिजली के निजीकरण के मसले को भी बाहर कर दिया है और इससे उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन की बिजली कंपनियों को तगड़ा झटका लगा है। विद्युत नियामक आयोग का यह नया कानून एक अप्रैल से समूचे प्रदेश में प्रभावी होगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार को नियामक आयोग की तरफ से अधिसूचना भेज दी गई है। उनका कहना है कि अब इस कानून के तहत अगले पांच वर्ष तक बिजली दरें तय की जाएगी। इसमें वर्तमान वित्तीय वर्ष की बिजली दर भी शामिल है। हालांकि घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल में बढ़ोतरी की गुंजाइश भी बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर नियामक आयोग दिन और रात के लिए अलग-अलग बिजली दरें 'टाइम ऑफ द टैरिफ' का प्रस्ताव आने के बाद उस पर विचार करेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश में बिजली का नया कानून लागू होने के पश्चात विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर उनका आभार भी जताया। अवधेश वर्मा ने कहा कि नए कानून के तहत बिजली कंपनियों के किए गए वास्तविक खर्च के निरीक्षण और परीक्षण के पश्चात ही अनुमोदित किया जाएगा। प्रशासकीय और सामान्य खर्चों के लिए स्टैंडर्ड परफॉर्मेंस मुआवजा कानून भी लागू किया जाएगा, जिसमें भविष्य में होने वाले सभी खर्चों का पूरा विवरण देना होगा। इसके अतिरिक्त पहले से अनुमोदित बिजली खरीद को ही मंजूरी मिलेगी। इससे अनावश्यक बिजली खरीद पर रोक लगेगी। रखरखाव खर्च भी केवल वास्तविक खर्च के आधार पर स्वीकृत किया जाएगा। इससे विद्युत व्यवस्था में सुधार होगा और बिजली कंपनियों को भी आगे कोई दिक्कत नहीं होगी। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने यह भी बताया कि उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग के सामने प्रस्तावित कानून की धारा-45 के तहत भविष्य में बिजली के निजीकरण को हटाने के लिए विधिक तथ्य रखे थे। इस लंबी लड़ाई में उपभोक्ता परिषद को जीत मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के एक अप्रैल 2025 से देश में रात और दिन का अलग-अलग टैरिफ लागू करने के आदेश का भी उपभोक्ता परिषद ने विरोध किया था, क्योंकि इससे गरीब जनता को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के लिए 2027-28 तक इस व्यवस्था को लागू करना मुश्किल होगा, क्योंकि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के पश्चात भी डाटा इकट्ठा करने में कम से कम दो वर्ष का समय लगेगा। इसलिए अभी अगले दो से तीन वर्ष तक बिजली कंपनियों के पास इसे लागू करने की कोई योजना नहीं है। इसके अतिरिक्त बिजली दरों में बढ़ोतरी की गुंजाइश को लेकर उपभोक्ता परिषद की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

काशी में नवरात्र पर मीट, मछली और मुर्गे की दुकानें रहेंगी बन्द

वाराणसी। काशी में नवरात्र में मीट,मछली और मुर्गे की दुकाने जहां पूर्णरूप से बंद रहेंगी,वही धार्मिक स्थलों और विद्यालयो के पास अब सिगरेट नही बेचा जा सकेगा। इसको लेकर महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में गुरूवार को नगर निगम सभागार में हुई कार्यकारिणी की बैठक में जहां कई निर्णय की पुष्टि का प्रस्ताव उपसभापति के द्वारा प्रस्तुत किया गया,वही पुष्टि में आंशिक संशोधन के साथ सभी प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए । इसको लेकर महापौर ने मच्छोदरी स्थित आर्या आयुर्वेदिक ट्रस्ट राजा बलदेव दास बिरला अस्पताल को एक करोड़11 लाख वार्षिक किराए पर 30 वर्ष के लीज पर देने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। पूर्व में अमृत योजना के अंतर्गत 32486 घरों में एक ही घरों में 2 या 3 कनेक्शन लगाए गए हों तो इसका युद्ध स्तर पर सर्वे कराने और आवश्यकता हो तो लगे कनेक्शन को नियमित किया जाने या उसे विच्छेदित करते हुए जलकर के बिलों को ठीक कर इस कार्य को 30 अप्रैल 2025 तक पूर्ण करा लिया जाने का महाप्रबंधक जलकल को निर्देश दिया। सिगरेट उत्पाद के विक्रय हेतु नगर निगम में लाइसेंसिंग प्रणाली को लागू किए जाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। कार्यकारिणी समिति द्वारा सिगरेट के विक्रेताओं पर अनुज्ञा शुल्क लेने का प्रस्ताव पारित किये जाने के साथ ही धार्मिक स्थलों एवं विद्यालयों के पास सिगरेट विक्रय पर प्रतिबंध लगाए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। नगर निगम की दुकानों पर संशोधित किराए की दरों का प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान विज्ञापन उपविधि का प्रस्ताव अपर नगर आयुक्त राजीव कुमार राय ने प्रस्तुत किया। इस सम्बन्ध में महापौर के द्वारा कार्यकारिणी के तीन सदस्यों क्रमशः सुरेश पटेल, मदन मोहन दुबे तथा हनुमान प्रसाद को नामित किया गया, जिनके द्वारा उपविधि का परीक्षण कर अपनी आख्या प्रस्तुत किया जाएगा।

लोकसभा में इमिग्रेशन व फॉरेनर्स बिल पास

गृहमंत्री अमित शाह बोले- रोहिंग्या और बांग्लादेशी ने अशांति फैलाई तो सख्ती से निपटा जाएगा

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को इमिग्रेशन एंड फॉरनर्स बिल 2025 पास हो गया। बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, रोहिंग्या हों या बांग्लादेशी हों, अगर भारत को नुकसान पहुंचाने की मानसिकता के साथ आते हैं तो उनके साथ बड़ी ही कठोरता के साथ पेश आया जाएगा।

अगर कोई योगदान देने के लिए आता है तो उसका स्वागत है। इस नीति में उदारता के साथ कठोरता की भी जरूरत है। भारत में आने वाले सभी विदेशी नागरिकों का अपडेट रखा जाएगा। वे किस रास्ते से आ रहे हैं। कहां रुक रहे हैं। क्या कर रहे हैं, इसकी जानकारी अपडेट की जाएगी। यह बिल लोकसभा में 11 मार्च को पेश किया गया था। इस पर सत्ता और विपक्ष के 30 सांसदों ने अपनी बात रखी। 2005 में पांच देशों को पर्यटन वीजा ऑनलाइन देने की सुविधा शुरू की गई थी। 2010 तक सात और 2014 तक 10 देशों तक ये सेवा शुरू की गई। इसको 169 देशों तक बढ़ाने का काम हमने किया है। गृह मंत्री ने कहा कि अब तक एजेंसियां विदेशियों को ब्लैक लिस्ट करती थीं। इसका कोई औचित्य नहीं था। इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल 2025 कानून 36 धाराओं में है। इसमें पूरे प्रोसेस को कानूनी रूप दिया गया है। सारे एक्शन इसी हिसाब से होंगे। कोई विदेशी एयरपोर्ट या बंदरगाह की जगह कहीं से आएगा तो उसे गैरकानूनी माना जाएगा। शाह ने कहा, हमारी सीमा पर कुछ संवेदनशील स्थान हैं, सेना के अड्डे हैं, उनको दुनियाभर के लिए खुले नहीं छोड़ सकते थे। पहले भी घुसपैठियों को रोका जाता था, लेकिन तब इसका नियम नहीं था। हममें हिम्मत है नियम बनाकर रोकने की। पूरी व्यवस्था को वैज्ञानिक तरीके से एक कानून में बांधने का काम किया गया है।

विदेशी यात्रियों की सुविधा के लिए चौकियां बढ़ाई : अमित शाह ने कहा, विदेशी यात्रियों की सुविधा के लिए हमने 73% अप्रवासन चौकियां बढ़ाई हैं। 2024 में आठ करोड़ 12 लाख आवाजाही हुई है। फास्टैग अप्रवासन यात्री कार्यक्रम हमने आठ एयरपोर्ट पर लागू किया है, जिसमें यात्रियों की जांच में 30 सेकंड समय लगेगा। एक-एक श्रेणी के वीजा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने विदेशियों के आने को सुविधाजनक बनाया है। हम रोकना उनको ही चाहते हैं जिनके विचार ठीक नहीं है।

केंद्रीय गृहमंत्री की बड़ी बातें

■ अप्रवासियों के लिए अभी चार अधिनियमों में कई व्यवस्थाएं छिटपुट है। अब ये एक विधेयक चार अधिनियमों को निरस्त करके एक कानून का रूप देने का काम करेगा। ■ ये हमारी प्रणाली को आसान करेगा, विश्वसनीय भी बनेगा। तीन साल के गहन विचार के बाद इसे डिजाइन किया गया है। ■ सुरक्षा की दृष्टि से ड्रग्स कार्टल, घुसपैठियों की कार्टल, हवाला व्यापारियों को समाप्त करने की व्यवस्था हम इस विधेयक में कर रहे हैं। ■ पासपोर्ट एक्ट में पासपोर्ट-वीजा की आवश्यकता को पुख्ता करेगा, विदेशियों के पंजीकरण को और पुख्ता करेगा। ■ अप्रवास अधिनियम 2002 को भी थोड़ा परिवर्तन करके इसमें समाहित किया गया है। ■ एअप्रवासियों से जुड़े कानून 1920, 1930 और 1946, ब्रिटेन की संसद में बने थे। भारत का कानून अब भारत की नई संसद में बन रहा। ■ इस कानून में डेटा मैनेजमेंट और वेरिफिकेशन की जटिलता को समाप्त किया गया है।

गरमाई सियासत

कहा-169 देशों को ऑनलाइन टूरिस्ट वीजा दे रहे

जस्टिस वर्मा के तबादले की मांग पर होगा विचार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी घर से कथित तौर पर आधी जली नकदी मिलने के मामले को लेकर गुरुवार को अलग-अलग राज्यों की हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मुख्य न्यायाधीश से मिलने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। उन्होंने मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की। इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने आश्वासन दिया है कि वे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के तबादले की कॉलेजियम की सिफारिश वापस लेने की वकीलों की मांग पर विचार करेंगे।

उच्च न्यायालय इलाहाबाद, लखनऊ पीठ, गुजरात, केरल, कर्नाटक और मध्य प्रदेश की जबलपुर पीठ के बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार दोपहर को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना समेत न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति विक्रम नाथ से मुलाकात की। बैठक के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश ने बार निकायों के ज्ञापन पर विचार-विमर्श किया और उनकी मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर विचार करेगा। ज्ञापन में कहा गया कि बार एसोसिएशन मांग करती है कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण वापस लिया जाए तथा पहले से वापस लिए गए न्यायिक कार्यों के अतिरिक्त सभी प्रशासनिक कार्य भी वापस लिए जाएं। ज्ञापन में दावा किया गया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की रिपोर्ट के अनुसार आग की घटना के एक दिन बाद किसी ने न्यायमूर्ति वर्मा के आवास से सामान हटा दिया था। इससे साफ है कि ऐसे अपराधों में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं और एफआईआर दर्ज न होने से उनके अभियोजन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कथित नकदी की बरामदगी 14 मार्च को रात करीब 11.35 बजे जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में आग लगने के बाद हुई। मौके पर अग्निशमन अधिकारी पहुंचे थे। विवाद के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय के कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति वर्मा को उनके पैतृक इलाहाबाद उच्च न्यायालय वापस भेजने की सिफारिश की। 22 मार्च को सीजेआई ने आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया और घटना में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की जांच रिपोर्ट अपलोड करने का फैसला किया।

जामा मस्जिद कमेटी के सदर की जमानत याचिका खारिज

चंदौसी। संभल जामा मस्जिद के सदर जफर अली की अंतरिम जमानत अर्जी न्यायालय ने खारिज कर दी। नियमित जमानत अर्जी पर दो अप्रैल को सुनवाई होगी। दंगे भड़काने के आरोप में 23 मार्च से जफर अली जेल में बंद हैं। इसको लेकर जिले के अधिवक्ता आंदोलित हैं। बृहस्पतिवार को भी अधिवक्ताओं ने केवल जफर अली की जमानत अर्जी की सुनवाई के लिए कार्य किया। अपर जनपद न्यायाधीश (एमपी एमएलए सेशन कोर्ट) निर्भय नारायण राय के न्यायालय में जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई। जफर अली के अधिवक्ता आसिफ अख्तर ने नियमित जमानत अर्जी में कहा गया कि संभल हिंसा की घटना 24 नवंबर 2024 की सुबह नौ बजे की दिखाई जा रही है। अभियोजन कानून के अनुसार जामा मस्जिद सर्वे की कार्रवाई चल रही थी। तब ही 700-800 व्यक्तियों की भीड़ इकट्ठी हो गई और सर्वे को बाधित करने की कोशिश की। इस मामले में दर्ज एफआईआर में जफर अली एडवोकेट का कोई रोल नहीं दिखाया गया।

अंडे के ठेले वाले को 6 करोड़ का नोटिस : दमोह। दमोह में अंडे का ठेला लगाने वाले प्रिंस सुमन को 6 करोड़ रुपए के जीएसटी भुगतान का नोटिस मिला है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग के नोटिस में प्रिंस को दिल्ली में खुली कंपनी का मालिक बताया गया है। इस कंपनी के नाम पर करीब 50 करोड़ का कारोबार दर्ज है। जिसके ऐवज में करीब 6 करोड़ रुपए का जीएसटी भुगतान बकाया है। नोटिस मिलने के बाद प्रिंस ही नहीं, पूरा परिवार परेशान है। उन्होंने मामले की शिकायत आयकर विभाग और एसपी से की है। अधिकारियों ने जांच कराने की बात कही है। दमोह में पथरिया के वार्ड नंबर 14 में रहने वाला प्रिंस ठेला लगाकर अंडे बेचने का काम करता है। बीती 18 मार्च को उसके नाम से घर पर एक रजिस्टर्ड डाक आई। इसमें इनकम टैक्स विभाग का नोटिस निकला।

अवैध ई-रिक्शा और ऑटो के खिलाफ 1 अप्रैल से अभियान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद परिवहन विभाग अवैध ई-रिक्शा व ऑटो वालों के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने जा रहा है। इसके लिए, परिवहन विभाग की तरफ से राजधानी लखनऊ समेत सभी जनपदों में पहली से 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस विषय में परिवहन आयुक्त ने अभियान को लेकर समस्त पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक ली थी। इसमें सीएम योगी ने निर्देश दिया था कि टेंपो, ई-रिक्शा चालकों का प्राथमिकता के साथ वेरीफिकेशन कराया जाए। उन्होंने इस बात को लेकर भी विशेष रूप से फोकस किया था कि प्रदेश में नाबालिग वाहन न चलाएं। किरायेदारों का भी वेरीफिकेशन कराया जाए तथा ओवरलोडिंग को जीरो प्वाइंट पर ही रोका जाए। इसके लिए जनपदों में गठित टास्क फोर्स में परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। इन सभी निदेशों के पालन और उचित क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग द्वारा अप्रैल माह में विशेष अभियान चलाया जाएगा। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बुधवार को समस्त जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्त व एसएसपी/एसपी को पत्र लिखा। उन्होंने पत्र में लिखा मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपंजीकृत-अवैध ई-रिक्शा व ऑटो के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए पहली अप्रैल से 30 अप्रैल तक परिवहन विभाग व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर कार्यवाही की जाए। साथ ही, नाबालिगों द्वारा वाहन संचालन न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए।

कार्रवाईः रिश्वतखोर लिपिक को पांच साल की कैद

मुरादाबाद। विशेष अदालत ने नियुक्तिपत्र देने के बदले आवेदकों से रिश्वत लेने वाले अमरोहा बीएसए के लिपिक को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत पांच साल की सजा सुनाई। अदालत ने लिपिक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। दोषी लिपिक वर्तमान में मुरादाबाद बीएसए कार्यालय में तैनात है। अमरोहा के ग्राम जोजखेड़ा निवासी सोनू, गजय सिंह, हितेश और पीरगढ़ निवासी प्रदीप कुमार सात जुलाई 2011 को बीएसए कार्यालय में नियुक्तिपत्र लेने गए थे। कार्यालय में तैनात नियुक्ति लिपिक धर्मेंद्र कुमार ने प्रत्येक से पांच सौ रुपये रिश्वत मांगी। इसके अलावा अन्य लोगों से भी धर्मेंद्र ने अवैध धन की मांग की। सभी आवेदकों ने शपथपत्र देकर थाना अमरोहा में शिकायत की। शिकायत के बाद अमरोहा थाने में लिपिक धर्मेंद्र के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई थी। सीओ सदर ने विवेचना कर धर्मेंद्र के विरुद्ध न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल कर दिया। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश कमलेश्वर पांडेय की भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोर्ट संख्या दो में चल रही थी।

यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट को भारत ने किया सिरे से खारिज

नई दिल्ली। भारत ने अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की रिपोर्ट को सख्ती से खारिज कर दिया है। इतना ही नहीं भारत ने कहा कि इस आयोग को खुद चिंता का विषय घोषित किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर हत्या की साजिशों में कथित भूमिका को लेकर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि लोकतंत्र और सहिष्णुता के प्रतीक के रूप में भारत की छवि को कमजोर करने के प्रयास सफल नहीं होने वाले हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यूएससीआईआरएफ की नई रिपोर्ट पक्षपाती और राजनीति से प्रेरित है। विदेश मंत्रालय के बयान में बताया गया कि यूएससीआईआरएफ द्वारा अलग-अलग घटनाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत करने और भारत की वाइब्रेंट मल्टीकल्चरल सोसायटी पर संदेह व्यक्त करने के लगातार प्रयास धार्मिक स्वतंत्रता के लिए वास्तविक चिंता की बजाय एक जानबूझकर किए गए एजेंडे को दिखाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 2024 में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले और भेदभाव में वृद्धि जारी थी। रिपोर्ट में भाजपा पर लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मुसलमानों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणास्पद बयानबाजी का प्रचार करने का भी आरोप लगा है। इसके अलावा रिपोर्ट में भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) पर सिख अलगाववादियों की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है।

शराब की दुकानों का विरोध

डीडीयू नगर। कालीमहाल-शाहकुटी मार्ग पर शराब की दुकान खोलने के विरोध में क्षेत्र के महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने हाथों में झाड़ू लेकर बीच सड़क पर धरना दिया। इस विरोध प्रदर्शन में लोगों ने जोरदार नारेबाजी की और शराब की दुकान खोलने के फैसले के खिलाफ अपनी आक्रोश व्यक्त की। प्रदर्शनकारी लोगों ने आरोप लगाया कि शराब की दुकान का अलॉटमेंट कहीं और हुआ था, लेकिन जबरदस्ती इसे इस क्षेत्र में खोला जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि विधायक रमेश जायसवाल ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शराब की दुकान को उसके अलॉटमेंट स्थल पर ही खोलने की मांग की थी। इसके बावजूद, शराब की दुकान को जबरदस्ती इस क्षेत्र में खोला जा रहा है, जिससे स्थानीय लोग नाराज हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि जिले में 1 अप्रैल से नई शराब की दुकानें खोलने की प्रक्रिया शुरू हुई है। हालांकि, आबादी वाले क्षेत्रों में शराब की दुकानें खोलने के फैसले का विरोध कई जगहों पर हो रहा है। इससे पूर्व सदर कोतवाली क्षेत्र के बसीला नसीरपुर चट्टी में महिलाओं ने इसी प्रकार का विरोध किया था। वहीं कालीमहाल-चतुर्भुजपुर मार्ग पर भी महिलाओं ने विरोध किया और कोतवाली जाकर पत्रक सौंपा था। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि शराब की दुकान के अलॉटमेंट को फिर से देखा जाए और इसे ऐसे स्थान पर खोलने पर विचार किया जाए जो क्षेत्र की शांति और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए उपयुक्त हो।

वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने इस मामले पर गंभीरता से विचार करने की बात कही है और जल्द ही उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

इस मौके पर नेहाल अख्तर बाबू, आदर्श जायसवाल, दिवेश, अश्वनी, रिंकू, मनोज रावत, संजय रावत, जगदीश रावत, सभासद पुष्प देवी, आशा देवी, मनोज रावत, सोनी देवी, ज्योति देवी, रामपति देवी, लाली देवी, कमला देवी, कलावती देवी, गुड़िया, सरफुन्निशा, चांद तारा, करिश्मा देवी, रेशमा बनो, खुशी कुमारी, जूही कुमारी, रेखा देवी, पूजा देवी, फूलमती देवी, लालती देवी आदि स्थानीय लोगों मौजूद रहे।

आवारा कुत्तों के आतंक से आमजन परेशान

डीडीयू नगर। पीडीडीयू नगर के लोग इन दिनों आवारा कुत्तों के आतंक से बेहद परेशान हैं। नगर के विभिन्न वार्डों में आवारा कुत्तों का झुंड दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है, जिससे स्थानीय लोग खासे चिंतित हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इन कुत्तों के काटने से लोग रैबीज के शिकार होने का भय लोगों को सता रहा हैं। इस स्थिति का सबसे स्पष्ट उदाहरण राजकीय महिला चिकित्सालय है, जहां प्रतिदिन 60-70 रैबीज के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। यह आंकड़ा केवल एक केंद्र का है। सड़कों पर आवारा कुत्तों के झुंडों की बढ़ती संख्या से लोग डर और परेशानी में हैं। खासकर छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह खतरे की घंटी बन चुका है। लोग खुलेआम सड़कों पर चलने से कतराने लगे हैं और कई बार कुत्तों के हमले का शिकार भी हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन को इस समस्या का समाधान शीघ्र करना चाहिए।

बिजली के निजीकरण का खतरा टला!

बिजली कंपनियों के असल खर्च का होगा निरीक्षण व परीक्षण : अवधेश वर्मा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने बहुवर्षीय वितरण टैरिफ विनियमन-2025 कानून को लागू कर दिया है, जो एक अप्रैल से अगले पांच साल तक के लिए प्रभावी रहेगा। इस टैरिफ नये कानून में बिजली के निजीकरण को भी बाहर कर दिया है। दावा जा रहा है कि नियामक आयोग की तरफ से लागू नये टैरिफ कानून के चलते बिजली के निजीकरण का खतरा फिलहाल टल गया है। यह दावा उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने किया है।

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा का कहना है कि नियामक आयोग के इस नए कानून में भविष्य में बिजली के निजीकरण के मसले को भी बाहर कर दिया है और इससे उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन की बिजली कंपनियों को तगड़ा झटका लगा है। विद्युत नियामक आयोग का यह नया कानून एक अप्रैल से समूचे प्रदेश में प्रभावी होगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार को नियामक आयोग की तरफ से अधिसूचना भेज दी गई है। उनका कहना है कि अब इस कानून के तहत अगले पांच वर्ष तक बिजली दरें तय की जाएगी। इसमें वर्तमान वित्तीय वर्ष की बिजली दर भी शामिल है। हालांकि घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल में बढ़ोतरी की गुंजाइश भी बनी रहेगी। वहीं दूसरी ओर नियामक आयोग दिन और रात के लिए अलग-अलग बिजली दरें 'टाइम ऑफ द टैरिफ' का प्रस्ताव आने के बाद उस पर विचार करेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश में बिजली का नया कानून लागू होने के पश्चात विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर उनका आभार भी जताया। अवधेश वर्मा ने कहा कि नए कानून के तहत बिजली कंपनियों के किए गए वास्तविक खर्च के निरीक्षण और परीक्षण के पश्चात ही अनुमोदित किया जाएगा। प्रशासकीय और सामान्य खर्चों के लिए स्टैंडर्ड परफॉर्मेंस मुआवजा कानून भी लागू किया जाएगा, जिसमें भविष्य में होने वाले सभी खर्चों का पूरा विवरण देना होगा। इसके अतिरिक्त पहले से अनुमोदित बिजली खरीद को ही मंजूरी मिलेगी। इससे अनावश्यक बिजली खरीद पर रोक लगेगी। रखरखाव खर्च भी केवल वास्तविक खर्च के आधार पर स्वीकृत किया जाएगा। इससे विद्युत व्यवस्था में सुधार होगा और बिजली कंपनियों को भी आगे कोई दिक्कत नहीं होगी। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने यह भी बताया कि उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग के सामने प्रस्तावित कानून की धारा-45 के तहत भविष्य में बिजली के निजीकरण को हटाने के लिए विधिक तथ्य रखे थे। इस लंबी लड़ाई में उपभोक्ता परिषद को जीत मिली है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के एक अप्रैल 2025 से देश में रात और दिन का अलग-अलग टैरिफ लागू करने के आदेश का भी उपभोक्ता परिषद ने विरोध किया था, क्योंकि इससे गरीब जनता को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के लिए 2027-28 तक इस व्यवस्था को लागू करना मुश्किल होगा, क्योंकि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के पश्चात भी डाटा इकट्ठा करने में कम से कम दो वर्ष का समय लगेगा। इसलिए अभी अगले दो से तीन वर्ष तक बिजली कंपनियों के पास इसे लागू करने की कोई योजना नहीं है। इसके अतिरिक्त बिजली दरों में बढ़ोतरी की गुंजाइश को लेकर उपभोक्ता परिषद की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी।

ईसीआरकेयू के महामंत्री का स्वागत

डीडीयू नगर। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के लोकप्रिय महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव, अपर महामंत्री जियाउद्दीन एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष विरेन्द्र यादव के डीडीयू आगमन पर ईसीआरकेयू डीडीयू मंडल के पदाधिकारी भव्य स्वागत कर स्टेशन परिसर से गाजे बाजे के साथ नारे लगाते हुए जूलुस के रूप में शाखा नंबर 3 के कार्यालय पहुंचे जहां पर डिविजनल कमेटी की बैठक की गयी। बैठक में मान्यता के चुनाव में हुए हार की समीक्षा की गयी।संगठन की मजबूती व भविष्य की रणनीति पर चर्चा करते हुए भविष्य में आने वाली चुनौतियों को कैसे निपटा जाए इस पर महामंत्री ने मूलमंत्र दिया और ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन को भारतीय रेलवे में नंबर वन फेडरेशन बनाने के लिए सभी का आभार प्रकट किया । बैठक की समाप्ति के बाद मंडल में नव पदस्थापित वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक केशव आनंद, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन एवं वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता विवेक सौरभ से ईसीआरकेयू का एक शिष्ट मंडल केंद्रीय कोषाध्यक्ष इसीआरकेयू के नेतृत्व में शिष्टाचार भेंट की एवं रेलकर्मी के वर्तमान समस्याओं के त्वरित समाधान पर चर्चा की। बैठक में मुख्य रूप से ईसीआरकेयू के केंद्रीय कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार, केन्द्रीय सहायता बी.बी. पासवान केंद्रीय संगठन मंत्री श्रीराम सिंह के साथ मुकेश कुमार सिंह, लक्ष्मण प्रसाद, बिरेंद्र पासवान , मनदीप कुमार, संजय कुमार शर्मा, अमरनाथ सिंह यादव, भईया लाल, सोमनाथ सिंह, अरुण कुमार उपाध्याय, सुल्तान, शंकर प्रसाद, मोहन राम, रमेश कुमार श्रीवास्तव, मुन्ना सिंह,जयप्रकाश, राजीव कुमार सिंह, मुकेश पासवान, कृष्ण कान्त पाल, संजय कुमार शर्मा, महेश कुमार, प्रशान्त कुमार, संतोष कुमार, अजय कुमार, कृष्णा शाह आदि मौजूद रहे। संचालन केंद्रीय उपाध्यक्ष कॉमरेड केदार प्रसाद ने किया।

छात्रों संग अध्यापकों को भी मिला सम्मान

बाल विद्या निकेतन उमा विद्यालय का वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह संपन्न

डीडीयू नगर। स्थानीय क्षेत्र के चतुर्भुज पुर स्थित विद्या भारती की शाखा सरस्वती शिशु मंदिर बाल विद्या निकेतन उ.मा.विद्यालय का विद्यालय प्रांगण में शनिवार को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच वार्षिक परीक्षाफल व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। मौके पर उपस्थित प्रबंधक विकास चौधरी ने मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार कमलेश तिवारी ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार प्रदान करने सहित अध्यापकों आदि का अंग वस्त्रम दे कर सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृति सभ्यता और संस्कार यह हमारे देश की प्राचीन धरोहर है और यही हमें विश्व में महान बनाती है। बच्चों में यह गुण देश की एकमात्र संस्था विद्या भारती द्वारा दिया जाता है । इसके अलावा विभिन्न प्रकार की कलाओं में पारंगत कर एक बच्चे का सम्पूर्ण विकास किया जाता है , जो हमारे लिए गर्व का विषय है। विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के पूर्व छात्र अरूण व पत्रकार देवेन्द्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानाचार्य सन्तोष कुमार पांडेय द्वारा आए हुए अतिथि का सम्मान व उपस्थित अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मौके पर गौरी शंकर राय, सुरेश राय, रमेश गुप्ता, लोकनाथ, देवनारायण मिश्रा, शनि कुमार, रमेश यादव, सुरेश गुप्ता, अनुराधा मिश्रा, शोभा चौबे, रिंकी, रंजना सिंह, पूनम, राधिका, जानकी आदि सहित विद्यालय के भैया बहिन व सैकड़ों की संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

खिलाड़ियों की मौत पर सपा नेता ने दी शोक संवेदना : डीडीयू नगर। क्षेत्र के तारापुर बंद रेलवे फाटक पार करते समय 23मार्च को मोटरसाइकिल सवार दो युवा फुटबॉलर की ट्रेन के चपेट में मौत हो गयी थी।इसकी जानकारी होने पर शनिवार को सपा नेता चंद्रशेखर यादव ने पीड़ित परिवार के घर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। शहाबगंज थाना क्षेत्र के अरारी गांव निवासी सुदर्शन पासवान व जीवनपुर गांव निवासी मुन्नीलाल का पुत्र आकाश यादव 23 मार्च को विगत दिनों की भांति खेल मैदान में दौड़ और फुटबॉल का अभ्यास करने एकही मोटरसाइकिल से दोनों रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो थी । इसकी जानकारी होने पर शनिवार को सपा नेता चंद्रशेखर यादव ने पहुंचकर परिजनों कोढांढस बंधाया। इस मौके पर किसान नेता केदार यादव, बरफू मास्टर, गंगाराम यादव,रवि शंकर यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी को दी विदाई

डीडीयू। प्लांट डिपो इंजीनियरिंग कारखाना के अन्तर्गत संरचनाशाला अनुभाग के स्माल कम्पोनेन्ट सेक्शन में कार्यरत कर्मचारी अमरनाथ,वरीय तकनीशियन (फीटर) के सेवानिवृत्त होने पर रेल कर्मचारियों ने एक समारोह का आयोजित कर भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारी को माल्यार्पण व अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात अपने नोकरी काल के साथी रहे सभी कर्मचारियों से विदाई लेते हुए अमरनाथ जी ने अपना अनुभव साझा किए और कहा कि जिस प्रकार आप सभी के साथ मिलकर हमने अपनी पुरी सर्विस की है उसी प्रकार मिलजुल कर आप सभी अपने कार्यकाल को पूरा करें। साथ ही कहा कि जब भी आप में से किसी कर्मचारी को किसी तरह के सुझाव की आवश्यकता हो बेहिचक संपर्क कर सकते हैं। वहीं कर्मचारियों ने गले लगाकर ढोल नगाडे और डीजे बजाकर उन्हें विदाई दी। इस अवसर पर मुख्य रूप से ईसीआरकेयू के केंद्रीय सहायक महामंत्री बीबी पासवान, भूतपूर्व शाखा मंत्री शंकर प्रसाद, सहायक मंत्री मोहन राम, राजकुमार दास,विकास कुमार विनियम, रविंद्र कुमार (पहलवान),राजेश कुमार पाल, मनमोहन ,रवि रंजन सिंह, प्रशान्त कुमार,रोहित कुमार सिंह, राम विशुन राम, विक्की श्रीवास्तव,अजय कुमार, कालेश्वर बेदिया, अनुज कुमार , विनोद कुमार गुप्ता, अनिल कुमार, महेश कुमार,सतिस कुमार,उग्रह प्रसाद, कृष्णा शाह,वकील राम आदि उपस्थित रहे। संचालन रमेश श्रीवास्तव ने किया।

अकीदतः ईद की नमाज में मांगी अमन की दुआ

ज्ञानवापी समेत नगर के सभी मजिस्दों में रोजेदारों ने पढ़ी नमाज, प्रमुख बाजारों में उमड़ी रही भीड़

वाराणसी। कड़ी सुरक्षा के बीच अलविदा जुमा की नमाज शुक्रवार को पढ़ी गई। एक दिन बाद यानी रविवार की शाम ईद की नमाज पढ़ी गई। ज्ञानवापी समेत प्रमुख मस्जिदों में निगरानी और सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गएथे। अकीदत व एहतराम के साथ नमाजियों ने चिलचिलाती धूप में भी अलविदा की नमाज अदा की। मस्जिदें नमाजियों से भरी रहीं। नमाज के बाद दुआ के लिए बारगाहे इलाही में रोजेदारों के हाथ उठे।

रोजेदारों ने रब से मुल्क में अमनचैन और तरक्की की दुआएं मांगी। सुबह से ही घरों में नमाज को लेकर उल्लास था। समय से पहले ही बड़े संग बच्चे भी मस्जिदों में पहुंचे। पेश इमामों ने रुखसत हो रहे रमजान को लेकर तकरीर की। कहा कि खुशनसीब हैं हम सब कि परवर दिगार ने ये मुकद्दस माह अता फरमाया। सदका-ए-फित्र अदा करने के बारे में भी मोमिनों को बताया गया। नदेसर जामा मस्जिद, लंगड़े हाफिज मस्जिद नई सड़क, शिया जामा मस्जिद दारानगर, लाट सरैया मस्जिद के अलावा पुलिस लाइन, अर्दली बाजार, दोषीपुरा, मुकीमगंज, बड़ी बाजार, पीलीकोठी, दालमंडी, हड़हा सराय, मदनपुरा, रेवड़ी तालाब, बजरडीहा आदि इलाकों की मस्जिदों में भी नमाज हुई। यूपी कॉलेज परिसर स्थित मस्जिद और मजार को भी लेकर पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरती। शहर से लेकर देहात तक पुलिस प्रशासन की ओर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। माह-ए-रमजान के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की नमाज को लेकर रोजेदारों में उत्साह है। ज्ञानवापी में सुरक्षा के सख्त इंतजाम के बीच पहुंचे रोजेदारों ने अलविदा की नमाज अदा की। नमाज के लिए आम दिनों की अपेक्षा नमाजियों की भीड़ ज्यादा थी। नमाज के दौरान देश में अमन, शांति और खुशहाली की दुआ की गई। माह-ए-रमजान के आखिरी शुक्रवार को अलविदा की नमाज को लेकर रोजेदारों में उत्साह है। ज्ञानवापी में सुरक्षा के सख्त इंतजाम के बीच पहुंचे रोजेदारों ने अलविदा की नमाज अदा की। नमाज के लिए आम दिनों की अपेक्षा नमाजियों की भीड़ ज्यादा थी। नमाज के दौरान देश में अमन, शांति और खुशहाली की दुआ की गई।

ईद पर चाक-चौबंद व्यवस्था कराएं विभाग : वाराणसी। ईद पर शहर में चाक-चौबंद व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने विभागों को निर्देश जारी किया है। प्रशासन ने नगर निगम, जल कल, विद्युत आदि विभागों को पत्र भेजकर ईद के लिए समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। नगर निगम को साफ- सफाई, जल कल को पेयजल की आपूर्ति करने तथा विद्युत विभाग को ईद के मद्देनजर निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

काली पट्टी से किया विरोध : इसी बीच ज्ञानवापी मस्जिद के बाहर कुछ नमाजी काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ने पहुंचे। यह कालीपट्टी उन्होंने संसद में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ बांधी थी। वहीं हाथ पर काली पट्टी बांधे एक रोजेदार ने लिखी तख्ती लहराई। हालांकि प्रदर्शन भी शांतिपूर्ण तरीके से रहा।

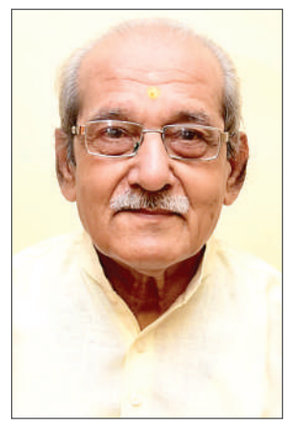

हिंदी पत्रकारिता के ऋषि पत्रकार का निधन

चक्रवर्ती गणपति नावड़।

वाराणसी। हिंदी पत्रकारिता के ऋषि पत्रकार, मिशन वाली पत्रकारिता के मजबूत स्तम्भ, दैनिक 'आज' (वाराणसी) के स्थानीय सम्पादक, चक्रवर्ती गणपति नावड़ जी का शनिवार की देर रात बनारस में गायघाट स्थित आवास पर 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। आज रविवार, 30 मार्च 2025 को आपका अंतिम संस्कार, वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर हुआ जहां आपके सुपुत्र, चक्रवर्ती विजय नावड़ जी ने लगभग 12.30 बजे मुखाग्नि दी।

उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', नारायण कृष्ण भागवत, अशोक नेने, एस.बी. दुर्गोत्सव समिति के कोषाध्यक्ष लखन शर्मा, राज मंदिर के पूर्व पार्षद घनश्याम सिंह, डॉ. सुनीता डोंगरे, वरिष्ठ छायाकार चंद्रशेखर अग्रवाल आदि ने आज सुबह घर पहुँच कर अपनी श्रद्धांजलि दी। मणिकर्णिका घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पं. गणपति शास्त्री द्रविड़ (पद्मश्री), वैदिक विद्वान पं. चंद्रशेखर घनपाठी, श्रीकुल पीठाधीश्वर डॉ. सच्चिदानंद महाराज, शीतला मंदिर के महंत पं. अवशेष पांडेय 'कल्लू महाराज', सीए मनोज श्रीवास्तव, एल.आई.सी. कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नारायण चटर्जी, काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ. अत्रि भारद्वाज, काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष दीनानाथ गुप्ता, इंडियन एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट के अध्यक्ष डॉ. कैलाश सिंह विकास, वाराणसी प्रेस क्लब के महामंत्री पंकज त्रिपाठी और 'सत्या फाउंडेशन' के संस्थापक सचिव चेतन उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

'आज' अखबार को दिये अपने जीवन के अंतिम 53 वर्ष- :वर्ष 1972 में प्रो. राम मोहन पाठक के कहने पर आपने 'आज' समाचार पत्र में नौकरी शुरू की। इसके बाद बहुत सारे बड़े अखबारों से उन्हें ज्यादा सैलरी और सुविधाओं का ऑफर मिला मगर आपने 'आज' में ही अपनी सेवा जारी रखी। सेवानिवृत्ति के पश्चात भी 'आज' के प्रबंध निदेशक शार्दुल विक्रम गुप्त के विशेष आग्रह पर आपने बतौर, स्थानीय संपादक अपनी सेवाएं जारी रखीं। अंतिम सांस तक पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के यज्ञ में अपनी आहुति देते रहे।

अब भ्रष्टाचार रोकना है तो फौरन रद्द करें निजीकरण

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले शुक्रवार को भिखारीपुर स्थित हनुमानजी मंदिर पर शाम सभा हुई, जिसमें कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री के बयान पर आक्रोश जताया। प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यदि ऊर्जा मंत्री विभाग से सही में भ्रष्टाचार समाप्त करना चाहते हैं तो बिजली के निजीकरण की पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबी हुई प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करें।

संघर्ष समिति के आह्वान पर लगातार 121वें दिन समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन किया गया। समिति के प्रदेश संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि निजीकरण के विरोध में चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत 29 मार्च को बनारस में महाविशाल बिजली महापंचायत आयोजित है, जिसमें हजारों की संख्या में बिजलीकर्मी सम्मिलित होकर निजीकरण का विरोध करेंगे। संघर्ष समिति ने कहा कि इस बिजली महापंचायत के माध्यम से निजीकरण के विरोध में पारित प्रस्ताव वाराणसी स्थित प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यालय को सौंपा जाएगा और प्रधानमंत्री से यह निवेदन किया जाएगा कि प्रदेश और विशेषतया बनारस की आम जनता के हित में निजीकरण का फैसला निरस्त कराएं। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारी पीके दीक्षित ने ऊर्जा मंत्री के वक्तव्य पर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा है कि अब एक ट्रांसफार्मर फुंकेगा तो एक अधिकारी भी फूंकेगा। समिति के आरके वाही ने कहा कि जब प्रदेश के बिजली कर्मी मुख्यमंत्री जी पर पूरा विश्वास रखते हुए उनके कुशल नेतृत्व में लगातार बिजली व्यवस्था के सुधार में लगे हुए हैं, तब ऊर्जा मंत्री द्वारा दिए गए ऐसे भड़काऊ बयान से अनावश्यक तौर पर ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का वातावरण उत्पन्न हो रहा है जो उचित नहीं है।

बता दें कि प्राथमिक शिक्षकों के प्रांतीय नेता त्रिपाठी ने संघर्ष समिति के बिजली के निजीकरण के विरोध में चल रहे आंदोलन को समर्थन देते हुए निजीकरण का विरोध किया। नीरज बिंद ने बताया कि बिजली के निजीकरण के विरोध में बनारस में 29 मार्च को होने वाली बिजली महापंचायत में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत आने वाले समस्त जनपदों में कार्यरत बिजली कर्मी सम्मिलित होंगे। बिजली महापंचायत की तैयारी के सिलसिले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के संयोजक शैलेंद्र दुबे शुक्रवार की शाम बनारस पहुंचकर समिति के स्थानीय पदाधिकारियों, आम कर्मचारियों और अभियंताओं से चर्चा कर आगे की रणनीति बनाई, जो नौ अप्रैल के बाद घोषित की जाएगी। सभा की अध्यक्षता मायाशंकर तिवारी ने व संचालन अंकुर पाण्डेय ने किया। सभा को रीना त्रिपाठी, एसके सिंह, नीरज बिंद, विजय सिंह, मदन श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, विजय नारायण हिटलर, धर्मेंद्र यादव आदि ने संबोधित किया।

ट्रांसपोर्ट नगर योजना की वीडीए उपाध्यक्ष ने की समीक्षा, निर्देश

वाराणसी। ट्रासपोर्ट नगर योजना पर वीडीए उपाध्यक्ष ने जहां समीक्षा की,वही भविष्य की कार्यप्रणाली पर चर्चा और समयबद्ध निष्पादन पर बल दिया। इसको लेकर वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने परियेजना की अद्ययन स्थिति पर चर्चा करते हुए ट्रको की पार्किंग फायर स्टेशन रोड़ के डिजाइन की जानकारी ली। इस अवसर पर कार्यों की प्रगति और आवश्यक सुधारों के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी और निर्णय लिया गया कि कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाय। इस दौरान वीडीए सचिव डा. वेद प्रकाश मिश्रा, अधीक्षण अभियंता अजय पवार, नगर नियोजक प्रभात कुमार, प्रभारी अधिकारी संपत्ति आनन्द प्रकाश तिवारी,आईआईटी बीएचयू टीम शामिल रहे।

ककरमत्ता फ्लाइओवर के प्लेइंग जोन का बेहतर होगा रख-रखाव

वाराणसी। ककरमत्ता फ्लाइओवर के प्लेइंग जोन का बेहतर रख-रखाव होगा। इसके लिए नगर निगम ने जहां कार्यदायी संस्था से समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट मांगी है,वही सप्ताहिक निरीक्षण भी कराए जाने का निर्णय भी लिया है। इसको लेकर शुक्रवार को नगर आयुक्त अक्षत वर्मा फ्लाइओवर के प्लेइंग जोन पहुंचे। जहां निरीक्षण कर खामियां देखी और व्यवस्था जाना। इस दौरान उन्होंने परियोजना हार्टीकल्वर एरिया में पौधे के समुचित रख-रखाव हेतु पार्किंग के संचालक आपरेटर मे. कार साइन के प्रतिनिधि एवं नगर निगम, उद्यान विभाग को पौधो में नियमित पानी डालने,रेलिंग एवं पेन्टिंग की धुलाई, सफाई कराए जाने का का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने प्लेइंग जोन, पार्किंग और हार्टिकल्चर एरिया में गंदगी बने रहने पर जहां नाराजगी जाहिर की।

वहीं, ऑपरेटर मे. कार साइन के प्रतिनिधि को नियमित सफाई व्यवस्था कराए जाने, पार्किंग से संबंधित दरों को साईनेज के माध्यम से पिलर पर लगाये जाने को कहा,वही प्लेइंग जोन में किसी भी प्रकार की एक्टिविटी नहीं पाये जाने पर आस.पास के विद्यालयों से सम्पर्क कर प्लेईंग जोन में भ्रमण कराया जाने की व्यवस्था किए जाने का निर्देश दिया। जिससे उक्त का समुचित उपयोग हो सके। नगर आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि आपरेटर मे. कार साइन द्वारा किये जा रहे संचालन एवं रख -रखाव कार्य का स्मार्ट सिटी लि. के द्वारा प्राप्त आय एवं अन्य के सम्बन्ध में प्रगति आख्या समय-समय पर देने और साप्ताहिक रूप से निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने, पिलर के बीच में गैप होने के कारण प्लान्टर टूटने एवं दुर्घटना की सम्भावना के दृष्टिगत एक सप्ताह में बोलार्ड एवं रेलिंग लगाए जाने का ठेकेदार मेसर्स शिव गंगा को निर्देशित किया।

छात्रों ने नशे के प्रति किया आगाह

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के समक्ष नशा मुक्ति जागरूकता साइकिल यात्रा का हुआ समापन

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से नशामुक्ति अभियान को लेकर विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई चार दिवसीय साइकिल यात्रा का समापन शुक्रवार को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर हुआ। यात्रा के संयोजक प्रो. रविशंकर पांडेय ने यात्रा के समापन पर बताया कि रामेश्वरम के पश्चात गोपपुर स्थित केदारनाथ संस्कृत महाविद्यालय में साइकिल यात्रा अभियान का अल्पकालिक विराम हुआ। इस दौरान नशा मुक्ति विषय पर प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें दर्जनों बच्चों ने भाग लिया।

तत्पश्चात गोद लिए गांव में स्थित सरस्वती संस्कृत विद्यापीठ में बच्चों के बीच में नशा मुक्ति विषय एवं वर्तमान में संस्कृत की उपयोगिता विषय पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। यहां भी प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया तथा नशा मुक्ति पर सकारात्मक वक्तव्य दिया। प्रतियोगिता में दो प्रतिभागियों का प्रथम एवं द्वितीय चयन हुआ। तत्पश्चात साइकिल अभियान कपिलधारा होते हुए संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के समक्ष समापन हुआ। यह यात्रा 183 किलोमीटर जन जागरूकता को ध्यान में रखते हुए महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की प्रेरणा से आयोजित की गई थी । इस साइकिल अभियान को सफलता प्रदान करने के लिए डा. पद्माकर मिश्र, प्रो. राघवेंद्र जी दुबे, डा. विजेंद्र आर्य, डा. कुंज बिहारी द्विवेदी, डा. दिव्य चैतन्य और डा. रवि शंकर पांडेय ने योगदान दिया।

इस दौरान एनसीसी अधिकारी डा. विजेंद्र कुमार आर्य की देखरेख में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स द्वारा राष्ट्रीय झंडा संहिता 2002 और राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 के नियमों के अनुसार अभियान चलाया गया। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय झंडे के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देना था। इस अभियान में एनसीसी के वरिष्ठ सहायक अमित मिश्रा और कैडेट्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

एडीएम सिटी के RTO पहुंचने पर हड़कम्प

वाराणसी। संभागीय परिवहन कार्यालय में जिलाधिकारी नगर पहुंचे और निरीक्षण किया। एडीएम सिटी के निरीक्षण की खबर लगते ही हड़कम्प मच गया। कार्यालय से पूर्व ही गाड़ी खड़ी कर पैदल ही कार्यालय का रुख कर अधिकारी ने वहां के क्रियाकलाप को देखा। मुख्य गेट के सामने बने कार्यालय का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि सभी काउण्टर के सामने सम्पादित होने वाले कार्यों का बोर्ड लगा हुआ है। इसके साथ सभी कर्मचारी पहचान-पत्र के साथ अपने पटल पर पाये गये, कार्यालय के समस्त पटल का निरीक्षण किया गया, जिसमें कार्यालय के भीतर एवं बाहर सभी अधिकारियों के मोबाइल नम्बर के बोर्ड लगे मिले, विभिन्न ऑन लाइन सेवाओं में जमा होने वाले फीस के बोर्ड लगे पाये गये। निरीक्षण के दौरान सम्भागीय उप सम्भागीय कार्यालय की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया गया।

संक्षेप समाचार...

अधिक से अधिक किसानों का बनाएं केसीसी

वाराणसी। जिले के अधिक से अधिक किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड बनाने तथा उन्हें प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जोड़ने के लिए जागरूक करने का डीएम ने निर्देश दिया। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऋण- जमा अनुपात बढ़ाने के लिए कहा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सलाहकार एवं समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। डीएम एस राजलिंगम ने मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, स्वयं सहायता समूह का सीसीएल, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना के तहत बैंकों के टारगेट की समीक्षा की। उन्होंने पुराने खातों में री-केवाईसी प्राथमिकता पर करने का निर्देश दिया। अनुज सिंह नाबार्ड ने प्री-पीएलपी पुस्तक का विमोचन किया। वर्ष 2025-26 के वार्षिक लक्ष्यों का निर्धारण करते हुए वार्षिक ऋण योजना का अनुमोदन किया गया। इस दौरान सीडीओ हिमांशु नागपाल, उप क्षेत्र प्रमुख यूबीआई प्रेमनाथ रॉय, भारतीय रिजर्व बैंक अपराजिता सिंह, एलडीएम अविनाश अग्रवाल सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

किक बॉक्सिंग में काशी विद्यापीठ चैंपियन

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की किक बॉक्सिंग (पुरूष) टीम ने अखिल भारतीय अंतर्विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता 2024-25 में प्रतिभाग करते हुए ओवर ऑल चैंपियन हुई। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित प्रतियोगिता में तमामी मैच प्वाइंट फाईट में रोशन मौर्या 63 किग्रा. में रजत पदक, अंश मकरवाल ने +84 किग्रा. में स्वर्ण पदक जीता। वहीं, रिंग स्पोट्र्स लो किक में 71 किग्रा. में श्रीप्रकाश सेठ ने रजत पदक, 81 किग्रा. में योगेश पाल ने रजत पदक, 63 किग्रा. में संतोष कुमार पटेल ने कांस्य पदक एवं 91 किग्रा. में ध्रुव कुमार गुप्ता ने कांस्य पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। टीम कोच डा. राधेश्याम राय एवं टीम मैनेजर प्रो. संजय कुमार सिंह रहे। इस उपलब्धि पर काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी, क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार, वित्त अधिकारी संतोष शर्मा, कुलसचिव दीप्ति मिश्रा, उपकुलसचिव हरीश चन्द व आनन्द मौर्या, क्रीड़ा परिषद के सचिव डा. नवरत्न सिंह, कु. बीना, डा. अमरेन्द्र सिंह, राम लाल, ओंकार नाथ, अरविन्द, संतोष आदि ने टीम को बधाई दी।

प्रो. जितेन्द्र व प्रो. शैलेश बने विभागाध्यक्ष

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के आचार्य प्रो. जितेंद्र कुमार को विज्ञान विभाग एवं प्रो. शैलेश कुमार मिश्र को सामाजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। इन आचार्यों को ज्ञाप तिथि से तीन वर्ष अथवा सेवानिवृत्ति तिथि, जो पहले हो, तक के लिए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। विज्ञान विभाग के अध्यक्ष का कार्यभार शुक्रवार को ग्रहण करने के बाद प्रो. जितेन्द्र कुमार ने बताया कि यह विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये संकल्पित विचार प्रवाह से स्थापित है। वेद और विज्ञान के समन्वय से प्रवाहित है। वेद के साथ जोड़कर विज्ञान और पर्यावरण अवधारणा की खोज कर सजग राह बनाया जा रहा है। विज्ञान से शास्त्रों के विविध पक्षों पर शोध कार्य भी किए जा रहे हैं। वहीं सामाजिक विज्ञान विभाग के नवनियुक्त अध्यक्ष प्रो. शैलेश कुमार मिश्र ने बताया कि इस विभाग के अंतर्गत विभिन्न विषयों मे गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य किए जा रहे हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का बताया गुर

रोहनिया। क्षेत्र के रमसीपुर, पंडितपुर, मिसिरपुर, फरीदपुर, घाटमपुर, खुलासपुर की 20 महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने को बकरी वितरित किया गया। प्रशिक्षक शिव कुमार पाल ने बकरी पालन से संबंधित जानकारी साझा की। उन्होंने महिलाओं को बकरियों की देखभाल, पोषण, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों और उनके सही खानपान का तरीका बताया। समन्वयक प्रमोद पटेल ने कहा कि महिलाएं बकरी पालन से अपनी आजीविका चलाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती है।

एलएचबी कोच में तब्दील हुई महामना एक्सप्रेस, यात्रियों को होगी सहूलियत

वाराणसी। गाड़ी संख्या 22417/22418 (वाराणसी जं.झनई दिल्ली- वाराणसी जं.) महामना एक्सप्रेस के रैक को उच्चीकृत (अप ग्रेड) करके एलएचबी (हॉफमैन बुश कोच) में तब्दील कर दिया गया ।

यात्री सुविधा की दिशा में निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए उत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल द्वारा रेल यात्रियों की यात्रा को सुखद, आरामदायक, सुरक्षित और यादगार बनाने के उद्देश्य से मण्डल रेल प्रबंधक एस. एम. शर्मा के कुशल दिशा-निर्देशों पर निरंतर प्रयास किए जाते रहते हैं, इसी क्रम में 29 मार्च से वाराणसी जं. से चलकर नई दिल्ली तक दोनों दिशाओं में आवागमन करने वाली गाड़ी संख्या 22417/22418 (वाराणसी जं.झनई दिल्ली-वाराणसी जं.) महामना एक्सप्रेस के रैक को उच्चीकृत (अप ग्रेड) करके आधुनिक एलएचबी कोचों के साथ संचालित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, ट्रेन में कोचों की संख्या को भी बढ़ाकर 22 (स्लीपर-08, तृतीय श्रेणी वातानुकूलित-04, प्रथम श्रेणी वातानुकूलित-01 द्वितीय श्रेणी वातानुकूलित-02, सामान्य श्रेणी-04 एवं रसोइयान-01,रछफ्ळ-01एवं जेनरेटर-01 कुल 22 कोच) किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधाजनक एवं सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिलेगा।

एलएचबी कोचों की विशेषताए एवं लाभ : एलएचबी कोचों की संरचना आधुनिक तकनीकों पर आधारित होती है, जो यात्रियों को अधिक आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करती है। एलएचबी कोच टेलिस्कोपिक टक्कर अवशोषण तकनीक से लैस होते हैं, जिससे दुर्घटना की स्थिति में झटकों का प्रभाव कम होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर :** UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
सम्पर्क : 9473893322 7309842122 (विज्ञापन)

पांडुलिपि संरक्षण फोलियो में मां भारती का दर्शन

वाराणसी। पांडुलिपियों का संरक्षण हमारी सांस्कृतिक धरोहर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये पांडुलिपियां हमारे अतीत की कहानी कहती हैं और हमें अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। पांडुलिपि संरक्षण कार्यशाला का आयोजन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने पांडुलिपियों के संरक्षण और पुनरुद्धार के तरीकों पर प्रकाश डाला, जिससे ये पांडुलिपियां आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित रहें। यह विचार संपूर्णानंद संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने शुक्रवार को योगसाधना केन्द्र में संस्कृत विश्वविद्यालय एवं ज्ञान भारतम (राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला (मेटाडेटा निर्माण और पांडुलिपि संरक्षण कार्यशाला) के समापन में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया।

सब्जी विक्रेता की हत्या

वाराणसी। लालपुर-पाण्डेयपुर थाना अन्तर्गत राधा कटरा के समीप एक सब्जी विक्रेता की हत्या कर दी गयी। इस घटना के बाद घटना के समय कमरे में टीवी चल रहा था, लेकिन बिस्तर पर उनका शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विवेक पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मौके पर फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिवपुर स्थित पोस्टमार्टम हाउस मर्सरी में भेजा। मृतक जितेंद्र जायसवाल सब्जी विक्रेता था और चार भाइयों के साथ छोटे से मकान में एक-एक कमरे में रहता था, बताया जा रहा है आये दिन किसी न किसी बात को लेकर रोज विवाद होता था। चार महीने पहले हुए एक सड़क हादसे में जितेंद्र का पैर टूट गया था, जिसके कारण वह घर पर ही रहता था। बुधवार की शाम चार बजे उनकी छोटी बेटी अमृता जायसवाल जो अर्दली बाजार में प्राइवेट जॉब करती थी, घर पहुंची तो पिता का शव देखकर स्तब्ध रह गई। उनकी हत्या इतनी बेरहमी से की गई थी कि पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। परिवार के अनुसार मृतक के तीन बच्चे हैं, बेटा अंकित जायसवाल और दो बेटियां सोनम व अंकिता हैं।

बड़ी बेटी सोनम की शादी हो चुकी थी जिसकी आज विदाई होनी थी उसी की तैयारी में सभी लोग बगल में ही किराए के मकान में थे। परिवार में विवाद के कारण सभी बगल में ही एक किराए के मकान में रहते थे और समय समय पर उनकी देखभाल करते थे।सोनम ने बताया कि आज उसे जाना था इसलिए माँ दुर्गा देवी भी उनके साथ ही थी। घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी विवेक पाठक मौके पर पहुंचकर इलाके में लगी सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और परिजनों व पड़ोसियों से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह हत्या पारिवारिक विवाद लग रही है जिसमे सम्पति को लेकर की गई होगी।हत्या की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया।